भारत-अमेरिकी संबंधों पर बोले... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

नेहा धूपिया ने अक्षय खन्ना के बारे... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 01, अंक - 278 | गाजियाबाद / शुक्रवार 09 जनवरी 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

भारत ने तेजी से खोद डाली पाकिस्तान की 'जड़'...

चेनाब नदी पर लगा दिए बड़े-बड़े बुलडोजर !

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने सिंधु जल संधि रोकने के बाद जम्मू-कश्मीर में चेनाब नदी पर बने 4 बड़े हाइड्रो पॉवर प्रोजेक्ट्स को तेजी से पूरा करने का काम शुरू कर दिया है। ये नदी पाकिस्तान भी जाती है, जिससे पाकिस्तान की टेंशन बढ़नी तय है। पाकल दुल, किरू, क्वॉर और रैटल परियोजनाओं को तय समयसीमा में तेजी से पूरा किया जा रहा है। दरअसल, हाल ही में केंद्र सरकार ने ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने यहां का दौरा कर इन परियोजनाओं को तय समय में पूरा करने की सख्त हिदायत दी है।

- **चेनाब पर हाइड्रो प्रोजेक्ट्स कब तक पूरे करने हैं-** प्रोजेक्ट टुडे पर छपी खबर में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि पाकल दुल और किरू परियोजनाओं को दिसंबर, 2028 तक पूरा किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, क्वॉर प्रोजेक्ट को मार्च, 2028 तक पूरा करने को कहा गया है। रैटल डैम प्रोजेक्ट को भी तेजी से पूरा करने के निर्देश हैं। सोशल मीडिया पर यूजर्स कह रहे हैं-पाकिस्तान बनेगा रेगिस्तान।
- **पाकल दुल प्रोजेक्ट क्या है, इसे समझते हैं-** पाकिस्तान की ओर बहने वाली चेनाब नदी पर बनने वाला पाकल दुल भारत का पहला स्टोरेज प्रोजेक्ट है। इसके बनने के बाद से 1,000 मेगावॉट बिजली पैदा की जा सकेगी। यह 167 मीटर ऊंचा है। इससे नदी के पानी के बहाव को नियंत्रित किया जा सकेगा।
- **किरू और क्वॉर प्रोजेक्ट्स से भारत की पकड़ मजबूत-** किरू और क्वॉर प्रोजेक्ट्स दोनों ही रन ऑफ द रिवर बांध हैं। वहीं, रैटल 850 मेगावॉट प्रोजेक्ट है, जो 133 मीटर ऊंचा डैम है। इन बांधों से भारत चेनाब नदी के पानी पर मजबूत पकड़ बना सकता है।
- **पाकल दुल बनने से जल प्रवाह नियंत्रित कर सकेगा भारत-** पाकल दुल पर बनने वाला बांध भारत का सबसे ऊंचा बांध बन जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट बोला-कुत्ते इंसानी डर पहचानते हैं, इसलिए काटते हैं

वकील बोले- देश में सिर्फ 5 सरकारी शेल्टर, हमें इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में आवारा कुत्तों से जुड़े मामलों पर गुरुवार को लगातार दूसरे दिन ढाई घंटे सुनवाई हुई। कोर्ट ने कुत्तों के बिहेवियर को लेकर चर्चा की। जस्टिस नाथ ने कहा कि कुत्ते इंसानों का डर पहचान लेते हैं इसलिए काटते हैं। इस पर एक वकील (कुत्तों के फेवर वाले) ने इनकार किया। फिर जस्टिस ने जवाब दिया कि, अपना सिर मत हिलाइए, ये बात मैं पर्सनल एक्सपीरियंस से बोल रहा हूं।

उधर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि राज्यों ने जो आंकड़े दिए हैं। उनमें से किसी ने यह नहीं बताया कि नगर पालिकाओं की तरफ से कितने शेल्टर चलाए जाते हैं। देश में सिर्फ 5 सरकारी शेल्टर हैं। इनमें से हर एक में 100 कुत्ते रह सकते हैं। हमे इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत है।

इससे पहले सुनवाई के दौरान एनिमल वेलफेयर की तरफ से दलील दे रहे एडवोकेट सीयू सिंह ने कुत्तों को हटाने या शेल्टर होम भेजने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि कुत्ते हटाने से चूहों की

आबादी बढ़ेगी। इस पर कोर्ट ने मजाकिया अंदाज में कहा- तो क्या बिल्लियां ले आएं?

इस मामले पर पिछले 7 महीनों में छह बार सुनवाई हो चुकी है। पिछले साल नवंबर में सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंड, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश दिया था। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा था कि इन जानवरों को तय शेल्टर में ट्रांसफर किया जाए। याचिकाकर्ता के एक वकील ने कहा हर पालतू कुत्ते का मालिक होता है। जबकि आवारा कुत्ते का कोई मालिक नहीं होता। न ही यह राज्य की जिम्मेदारी है। हालांकि राज्य का काम वैक्सीनेशन वगैरह देना है। एबीसी नियम ऐसे होने चाहिए कि मेरे घर तक का रास्ता सुरक्षित रहे।

वकील (कुत्तों को हटाने के पक्ष में) ने कहा कि अदालत का आदेश सिर्फ संस्थानों तक सीमित नहीं होना चाहिए। बल्कि उसे रिहायशी इलाकों पर भी लागू किया जाना चाहिए। कुत्ते को समझाना (काउंसलिंग) संभव नहीं है, लेकिन कुत्ते की देखभाल करने वाले या मालिक को समझाया जा सकता है। हर डॉग लवर और एनजीओ को याचिका लगाने में एक तय राशि जमा करनी होती है। इस शर्त को हटाया जाए। इस पर कोर्ट ने हल्के अंदाज में जवाब दिया- अगर हमने यह शर्त नहीं रखी होती, तो यहां पंडाल लगाना पड़ता।

वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के बेटे का निधन

- स्कीइंग के दौरान घायल हुए थे अग्निवेश

मुंबई (एजेंसी)। वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के बेटे अग्निवेश अग्रवाल का 49 साल की उम्र में निधन हो गया है। अग्निवेश अमेरिका में स्कीइंग के दौरान घायल हो गए थे, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए न्यूयॉर्क के माउंट सिनाई

अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 7 जनवरी 2026 को अस्पताल में ही उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया। पिता अनिल अग्रवाल ने रात करीब 10 बजे सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। अनिल ने लिखा, हमें लगा था कि बुरा वक्त बीत चुका है, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। उन्होंने अपने बेटे को याद करते हुए इसे जीवन का सबसे अंधकारमय दिन बताया। वे बेटे से किए वादे को निभाते हुए अपनी निजी कमाई का 75 प्रतिशत हिस्सा दान करेंगे।

तेलंगाना में कार डिवाइडर से टकराई, 4 छात्रों की मौत

- एक छात्रा घायल, बर्थडे पार्टी से लौट रहे थे सभी

तेलंगाना (एजेंसी)। तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले के चेवेल्ला इलाके में एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में आईसीएफएआई बिजनस स्कूल के चार छात्रों की मौत हो गई।

हादसे में एक छात्रा घायल है। इसकी हालत गंभीर है। पुलिस के मुताबिक कार डिवाइडर से टकराने के बाद पेड़ में घुस गई। पुलिस ने बताया का हादसा रात करीब 1:30 बजे मोकीला थाना क्षेत्र में हुआ।

सभी की पहचान हुई

पुलिस ने बताया कि सभी मृतकों और घायल की पहचान कर ली गई है। मृतकों के नाम कारगयाला सुमित (20), निखिल (20), देवाला सूर्या तेजा (20) और बलमूरी रोहित (18) हैं। घायल छात्रा का नाम सुंकारी नक्षत्रा है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित को तुंरत अस्पताल भेज दिया गया जिसका इलाज जारी है।

फिरोजपुर में परिवार की हत्या कर सुसाइड किया

- पहले प्रॉपर्टी कारोबारी ने पत्नी और 2 बेटियों को गोली मारी

फिरोजपुर (एजेंसी)। पंजाब के फिरोजपुर में प्रॉपर्टी कारोबारी एवं फाइनेंसर अमनदीप सिंह ने 2

बेटियों और पत्नी को गोली मारकर खुद भी सुसाइड कर लिया। पुलिस के मुताबिक, सुबह जब सफाई करने वाली घर आई और उसने दरवाजा खटखटाया तो किसी ने दरवाजा नहीं खोला। सफाई वाली ने घर के ऊपर रहने वाले किराएदार को फोन कर पूछा। तब उसने किराएदारों के कहने पर घर के मालिक को फोन किया। फिर भी घर के अंदर फोन बजता रहा, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया और न ही किसी ने दरवाजा खोला।

इंदौर में पानी के 60 में से 35 सैंपल फेल

बोरिंग के पानी में हैजा वाला बैक्टीरिया, पार्षद का बोर भी दूषित, अब तक 20 की मौत

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के भागीरथपुरा में बोरिंग के पानी में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया मिला है। यह हैजा, टाइफॉइड और हेपेटाइटिस-ए जैसी बीमारियों की वजह बन सकता है। यहां से लिए गए पानी के 60 में से 35 सैंपल फेल हो गए हैं। वार्ड के बीजेपी पार्षद कमल वाघेला का बोरिंग भी दूषित पाया गया है। भागीरथपुरा में दूषित पानी से 20 लोगों की मौत हो चुकी है। 9 मरीज अब भी आईसीयू में भर्ती हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पूरे मामले में अस्पताल में भर्ती हुए मरीजों की कुल संख्या 437

है। बुधवार रात तक की स्थिति में इनमें से 381 मरीजों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। यानी फिलहाल 56 मरीज भर्ती हैं।

इधर, बुधवार को भागीरथपुरा चौकी के पास बनी टंकी का वॉल खोला गया। इस दौरान सभी हैरान रह गए। दरअसल, दो दिन पहले जहां ड्रेनेज लाइन का पाइप डाला गया था, वहीं से पानी बाहर आने लगा। कुछ ही देर में ड्रेनेज लाइन के लिए खोदे गए गड्ढे में भी पानी भर गया।हालांकि, नर्मदा लाइन से आ रहे पानी के इस्तेमाल को लेकर पहले ही क्षेत्र में मुनादी कराई जा चुकी थी।

भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगा सकता है अमेरिका

- रूस के खिलाफ प्रतिबंधों से जुड़े बिल को ट्रम्प की मंजूरी, अगले हफ्ते संसद में वोटिंग

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों से जुड़े एक बिल को मंजूरी दे दी है। मीडिया के मुताबिक इस बिल में रूस से तेल खरीदने वाले देशों खासकर भारत, चीन और ब्राजील पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रावधान है।

रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने बताया कि उन्होंने बुधवार को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति से बातचीत की, जिसमें ट्रम्प ने संसद बिल को पेश करने के लिए हरी झंडी दे दी। यह बिल पिछले कई महीनों से तैयार किया जा रहा था। इसे अगले हफ्ते संसद में वोटिंग के लिए लाया जा सकता है। बिल का नाम 'सैंक्शनिंग रशिया एक्ट 2025' है। इसका मकसद उन देशों पर दबाव बनाना है, जो यूक्रेन युद्ध के बीच रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीद रहे हैं। अमेरिका का आरोप है कि इससे रूस को युद्ध लड़ने में मदद मिल रही है।

- **बिल को सीनेट में 80 प्रतिशत सांसदों का समर्थन-** रूस के खिलाफ प्रतिबंध लगाने वाला यह बिल एक बाइपार्टिसन यानी द्विदलीय बिल है। यह बिल रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम और डेमोक्रेट सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने मिलकर पेश किया है। सीनेटर लिंडसे ग्राहम के मुताबिक, इस बिल के अभी 85 सह-प्रायोजक (को-स्पॉन्सर) हैं, यानी सीनेट के 80 प्रतिशत से ज्यादा सांसद इसके समर्थन में हैं।
- **रूसी तेल की वजह से भारत पर पहले से 25 प्रतिशत टैरिफ-** अमेरिका ने रूसी तेल की खरीद को लेकर पर पहले से 25 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया हुआ है। अगर यह बिल पास हो जाता है तो, दिल्ली के लिए नई मुश्किलें लेकर आ सकता है। अब तक भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लग चुका है।

टीएमसी आईटी सेल इंचार्ज के घर-ऑफिस पर ईडी के छापे

- कार्रवाई के बीच ममता फाइल उठाकर निकलीं, कहा- गृहमंत्री मेरी पार्टी के दस्तावेज उठवा रहे

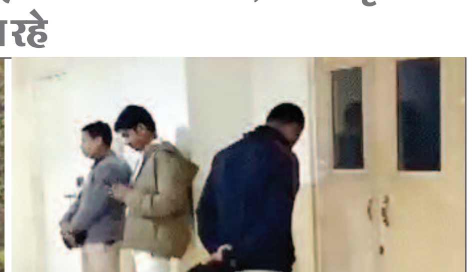

कोलकाता (एजेंसी)। इन्फोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) ने गुरुवार को मनी लॉन्ड्रिंग केस में पॉलिटिकल कंसलटेंट फर्म आई-पीएसी के ऑफिस और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर पर छापेमारी की। प्रतीक ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के आईटी सेल के हेड भी हैं।

पश्चिम बंगाल में कोलकाता समेत 6 और दिल्ली में 4 ठिकानों पर छापेमारी की गई। कोलकाता में प्रतीक छापेमारी के दौरान घर पर ही मौजूद रहे। यह कार्रवाई सुबह 6 बजे से शुरू हुई थी, लेकिन करीब 11:30 बजे के बाद मामला बढ़ा।

सबसे पहले कोलकाता पुलिस कमिश्नर प्रतीक के आवास पर पहुंचे। कुछ समय बाद सीएम ममता बनर्जी खुद लाउडन स्ट्रीट स्थित उनके घर पहुंच गईं। ममता वहां कुछ देर रुकीं। जब बाहर निकलीं, तो उनके हाथ में एक हरी फाइल दिखाई दी। इसके बाद वे आई पीएसी के ऑफिस भी गईं। उन्होंने कहा गृहमंत्री मेरी पार्टी के दस्तावेज उठवा रहे हैं।

ममता ने कहा-

यह कार्रवाई घटिया और शरारती गृह मंत्री करवा रहे

सीएम ममता ने कहा, क्या ईडी और अमित शाह का काम पार्टी की हार्ड डिस्क और उम्मीदवारों की सूची जब्त करना है? यह एक घटिया और शरारती गृह मंत्री है, जो देश की सुरक्षा नहीं कर पा रहा है। मेरी पार्टी के सभी दस्तावेज उठा ले जाया जा रहा है। एक तरफ वे पश्चिम बंगाल में एसआईआर के जरिए मतदाताओं के नाम हटाने का काम कर रहे हैं। दूसरी तरफ इस तरह की कार्रवाई की जा रही है।

मुझे माफ करें प्रधानमंत्री जी, कृपया अपने गृह मंत्री को कंट्रोल करें। अगर आप (भाजपा) हमसे लड़ नहीं सकते, तो आप बंगाल क्यों आ रहे हैं? हमें लोकतांत्रिक तरीके से हराइए।

यूपी में कोहरे से 6 सड़क हादसे, 7 की मौत

एमपी में पारा 2.7 डिग्री, कोहरे से 12 ट्रेनें लेट, उत्तराखंड में तापमान -21 डिग्री दर्ज

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ (एजेंसी)। पहाड़ों पर बर्फबारी के चलते मैदानी राज्यों में सर्दी बढ़ गई है। मध्य प्रदेश के शहडोल का कल्याणपुर सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 2.7 डिग्री दर्ज किया गया। कोहरे के चलते दिल्ली से एमपी आने वाली एक दर्जन से ज्यादा ट्रेनें रोजाना 2 से 6 घंटे लेट हो रही हैं।

उत्तर प्रदेश में कोहरे की वजह से गुरुवार सुबह 6 हादसे हुए। इनमें 14 गाड़ियां टकराईं और 7 लोगों की जान चली गई। पुलिस ने बताया कि इसमें 8 लोग घायल भी हुए हैं जिनका इलाज जारी है।

राजस्थान के 4 शहरों का न्यूनतम तापमान - उधर, राजस्थान के 4 शहरों का न्यूनतम तापमान बुधवार को 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। गुरुवार को 23 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। 25 जिलों में स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। उत्तराखंड के 3 शहरों का तापमान -21 डिग्री दर्ज किया गया है। इनमें पिथौरागढ़ का आदि कैलाश, रुद्रप्रयाग का केदारनाथ और उत्तरकाशी का यमुनोत्री धाम शामिल है। उधर उत्तर प्रदेश में वाराणसी-मेरठ और झांसी समेत 38 जिलों में घने कोहरे का अलर्ट है। लखनऊ-कानपुर समेत 26 जिलों में कोल्ड डे रहेगा।

आज पहाड़ी राज्यों में भारी बर्फबारी- पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश में घने कोहरे का अलर्ट, कड़ाके की सर्दी रहेगी। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बर्फबारी का अलर्ट।

आतिशी को लेकर सदन में हंगामा, वीडियो की होगी एफएसएल जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। विधानसभा की नेता प्रतिपक्ष आतिशी की कथित टिप्पणी को लेकर गुरुवार को भी सदन में भाजपा विधायकों का हंगामा जारी रहा। दो बार विधानसभा को आधे घंते के लिए जबकि तीसरी बार विधानसभा को शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने संबंधित मामले को विशेषाधिकार समिति को जांच करने और रिपोर्ट देने के लिए सौंपा है। उन्होंने वीडियो की एफएसएल जांच 15 दिन के भीतर पेश करने को कहा है ताकि सच्चाई सामने आ सके। एक दिन के लिए शीतकालीन सत्र को भी बढ़ाया गया है।

विधायी कार्य मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सदन में कहा कि विपक्ष द्वारा दो दिनों से कार्यवाही बाधित किए जाने के कारण सरकार का महत्वपूर्ण कार्य लंबित है। उन्होंने एलजी के अभिभाषण के प्रस्ताव पारित करने और प्रदूषण पर चर्चा कराने का उल्लेख करते हुए सदन की अवधि एक दिन बढ़ाने का अनुरोध किया। साथ ही, उन्होंने संबंधित प्रकरण को विशेषाधिकार समिति को भेजकर निर्धारित समय-सीमा में जांच कराने का भी निवेदन किया। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष आतिशी की वीडियो क्लिप की जांच स्टेट फॉरेंसिक साइंस लैब से होगी। उन्होंने विधानसभा सचिवालय को निर्देश दिए हैं कि संबंधित वीडियो क्लिप फॉरेंसिक विभाग को उपलब्ध कराए और फॉरेंसिक जांच की रिपोर्ट 15 दिनों के भीतर प्रस्तुत की जाए।

विपक्ष द्वारा यह आरोप लगाया गया था कि नेता प्रतिपक्ष की वीडियो क्लिप में छेड़छाड़ की गई है। इसलिए सत्ता पक्ष की सहमति से उक्त वीडियो को जांच के लिए भेजा गया है। नेता प्रतिपक्ष को बार-बार सदन में बुलाए जाने के बावजूद उन्होंने अभी तक अपना पक्ष सदन के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया है। इसी कारण वस्तुस्थिति स्पष्ट करने के लिए यह जांच कराई जा रही है। जरनैल सिंह को लेकर भी संज्ञान दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने विधायक हरीश खुराना द्वारा विधायक जरनैल सिंह के विरुद्ध विशेषाधिकार हनन एवं सदन की अवमानना से संबंधित की गई शिकायत पर संज्ञान लिया है।

एनसीआर में ठंडी हवाओं से कड़ाके की ठंड, प्रदूषण और कोहरे से मिली राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में इन दिनों ठिठुरन भरी तेज ठंडी हवाओं के चलते कड़ाके की सर्दी का अहसास बढ़ गया है। सुबह और शाम के समय सर्द हवाओं ने लोगों को गर्म कपड़ों में कैद रहने पर मजबूर कर दिया है। हालांकि, राहत की बात यह है कि इन्हीं तेज हवाओं की वजह से कोहरे और वायु प्रदूषण में आंशिक कमी दर्ज की जा रही है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और मौसम विभाग के विभिन्न मॉनिटरिंग स्टेशनों के आंकड़ों के अनुसार एनसीआर के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) ऑरेंज जोन यानी 'मध्यम से खराब' श्रेणी में पहुंच गया है। नोएडा के चार सक्रिय स्टेशनों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार सेक्टर-125 में एक्यूआई 284, सेक्टर-62 में 252, सेक्टर-1 में 291 और सेक्टर-116 में 307 दर्ज किया गया। इन आंकड़ों से साफ है कि कुछ इलाकों में हवा अभी भी खराब श्रेणी में बनी हुई है, जबकि कुछ क्षेत्रों में सुधार देखने को मिला है।

दिल्ली के कई हिस्सों में एक्यूआई अब भी खराब से बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया है। आनंद विहार में एक्यूआई 333, चांदनी चौक में 318, डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में 317, आर.के. पुरम में 324, श्रीफोर्ट में 319, विवेक विहार में 318 और वजीरपुर में 307 दर्ज किया गया। वहीं, कुछ इलाकों में अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति भी देखने को मिली, जैसे बवाना में एक्यूआई 173, लोधी रोड पर 217 और मंदिर मार्ग पर 202 रिकॉर्ड किया गया। आईटीओ क्षेत्र में एक्यूआई 269, पंजाबी बाग में 292, रोहिणी में 297 और नरेला में 275 दर्ज किया गया।

गाजियाबाद के स्टेशनों से मिले आंकड़ों के अनुसार इंदिरापुरम में एक्यूआई 237, संजय नगर में 249, लोनी में 336 और वसुंधरा में 345 रिकॉर्ड किया गया। लोनी और वसुंधरा जैसे क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता अब भी गंभीर श्रेणी के करीब बनी हुई है।

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार 8 जनवरी को अधिकतम तापमान 16 डिग्री और न्यूनतम 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस दौरान सुबह और दोपहर में मध्यम से घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई। 9 और 10 जनवरी को तापमान 17 से 7-9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, साथ ही मध्यम कोहरे की संभावना जताई गई है, हालांकि इन दिनों के लिए कोई विशेष चेतावनी जारी नहीं की गई है।

एनसीआर में तेज ठंडी हवाओं ने जहां सर्दी को और तीखा कर दिया है, वहीं वायु प्रदूषण और कोहरे से कुछ हद तक राहत दिलाई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों तक हवाओं की यही गति बनी रही तो एक्यूआई में और सुधार देखने को मिल सकता है।

झिलमिल कांग्रेस बैठक में जिला प्रभारी ने सुनी कार्यकर्ताओं की समस्याएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के निर्देशन में झिलमिल ब्लॉक की मासिक बैठक पुनीत मनचन्दा और झिलमिल वार्ड के ब्लॉक अध्यक्ष मदनपाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में दिल्ली प्रदेश से आए जिला प्रभारी प्रमोद कुमार जयंत ने झिलमिल ब्लॉक की जनता की समस्याएं सुनी और कहा कि वे हमेशा जनता के साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने 14 दिसंबर 2025 को हुई राहुल गांधी की 'वोट चोर गद्दी छोड़' महारैली में शामिल लोगों का आभार व्यक्त किया। वहीं, नेशनल कोऑर्डिनेटर एवं पूर्व निगम प्रत्याशी पुनीत मनचन्दा ने स्थानीय निवासियों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी और कहा कि पिछले वर्षों में क्षेत्रीय समस्याओं को सरकारी एजेंसियों तक पहुँचाने का कार्य जारी रहा है, और कुछ मामलों में बजट भी पास हो चुका है। बैठक में यूथ कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष संजू उमरवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी.आर. लूथरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शंकर लाल, वरिष्ठ नेता रवि वर्मा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष महेश यादव और पंकज गुप्ता, जमना प्रसाद, हरि लाल, अश्वनी पाठक, महिला उपाध्यक्ष सुनीता, कमल गुरानी, अशरफ, राजू महतो सहित अन्य सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संतों का अपमान बर्दाश्त नहीं, प्रदूषण पर राजनीति पर मंत्री ने किया प्रहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने कहा कि देश में संतों के लिए अपमानजनक शब्द बोलने वालों को न छोड़ा जाएगा और न माफ किया जाएगा। विधानसभा परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि संतों ने देश और धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है, ऐसे में उनके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां निंदनीय हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार भारतीय संस्कृति, परंपरा और सनातन मूल्यों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है और सनातनियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। रविन्द्र इंद्राज ने नेता प्रतिपक्ष की प्रदूषण पर संवेदनशीलता पर सवाल उठाते हुए कहा कि दिल्लीवासी देख रहे हैं कि गंभीर विषयों पर उनका रवैया कितना संवेदनशील है। उन्होंने आरोप लगाया कि 11 वर्षों तक प्रदूषण के मुद्दे पर लापरवाही बरतने वाली पिछली सरकार अब सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए सक्रिय है और वर्तमान सरकार जब समाधान की पहल करती है, उसी समय नेता प्रतिपक्ष गोवा टूर पर चले जाते हैं। अतिक्रमण मुद्दे पर भी प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने कहा कि धर्म या व्यक्तिगत लाभ के नाम पर अतिक्रमण को बढ़ावा देना उचित नहीं है। प्रशासन कोर्ट के आदेशों के अनुसार लोगों की परेशानियों को कम करने के लिए कार्य कर रहा है और इस प्रक्रिया में राजनीति करना गलत है।

डीएम ने 15 बीघा जमीन कब्जामुक्त कराई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण जिला के जिलाधिकारी कार्यालय ने बुधवार को गांव सैय्यूरपुर में लगभग 15 बीघा अधिग्रहित भूमि से अतिक्रमण हटाया। लंबे समय से कब्जे के कारण प्रशासनिक बाधाएं उत्पन्न हो रही थीं। कार्रवाई में पुलिस और संबंधित विभागों की मौजूदगी सुनिश्चित की गई। डीएम कार्यालय ने इसे शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न बताया और किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं दी। अतिक्रमण हटाने के बाद भूमि को विधिवत दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को सौंपा गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जिले की सभी अधिग्रहित सरकारी भूमि को सख्ती से कब्जामुक्त कराया जाएगा और उसका उपयोग नियमानुसार सुनिश्चित किया जाएगा। यह कदम सरकारी संपत्ति के संरक्षण और नियोजित विकास की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

वायुसेना प्रमुख का एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2026 में आगमन, कैडेटों को दिया राष्ट्रसेवा का संदेश

नई दिल्ली (शिखर समाचार) भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने 8 जनवरी को दिल्ली कैंट स्थित राष्ट्रीय कैडेट कोर के गणतंत्र दिवस शिविर 2026 का दौरा किया। इस अवसर पर तीनों सेनाओं थल सेना, नौसेना और वायुसेना से जुड़े एनसीसी कैडेटों ने उन्हें औपचारिक सलामी दी। इसके पश्चात राजस्थान के पिलानी स्थित बिड़ला बालिका विद्यालय की बालिका कैडेटों द्वारा सुमधुर वाद्य वृंद प्रस्तुति दी गई, जिसने वातावरण को देशभक्ति से सराबोर कर दिया।

दौरे के दौरान वायुसेना प्रमुख ने शिविर परिसर में स्थापित ध्वज क्षेत्र का अवलोकन किया, जिसे देशभर के सत्रह एनसीसी निदेशालयों के कैडेटों ने विभिन्न सामाजिक जागरूकता विषयों पर सजाया था। इसके बाद उन्होंने एनसीसी की उपलब्धियों और गौरवशाली इतिहास को दशार्ने वाले ह्यगौरव कक्षह्न का भी भ्रमण किया।

कैडेटों को संबोधित करते हुए एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने भारत के युवाओं पर गहरा विश्वास जताया और राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय कैडेट कोर की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं में अनुशासन, देशभक्ति और नैतिक मूल्यों का विकास कर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाती है। उन्होंने बताया कि देशभर में फैला एनसीसी विश्व का सबसे बड़ा वदीर्धारी युवा संगठन है, जिसमें बीस लाख से अधिक कैडेट सक्रिय हैं, जिनमें लगभग चालीस प्रतिशत बालिकाएं हैं। वायुसेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एनसीसी कैडेटों की सक्रिय सहभागिता तथा विभिन्न सरकारी जनकल्याण अभियानों में उनके योगदान की भी प्रशंसा की। उन्होंने कैडेटों से आह्वान किया कि वे वर्दी तक सीमित न रहकर जीवन के हर क्षेत्र में राष्ट्रप्रेम को आत्मसात करें और निरंतर आगे बढ़ने का जज्बा बनाए रखें। उन्होंने ह्यकभी हार न माननेह्न की सोच को जीवन का मूल मंत्र बनाने पर बल दिया।

गणतंत्र दिवस शिविर के महत्व को रेखांकित करते हुए एयर चीफ मार्शल ने वर्ष 2026 के शिविर के लिए चयनित कैडेटों को बधाई दी और कहा कि यह अवसर उन्हें अपने अपने निदेशालयों का प्रतिनिधित्व करने का गौरव प्रदान करता है। कार्यक्रम के अंत में एनसीसी कैडेटों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी का मन मोह लिया। सामूहिक गीत, नृत्य नाटिका और समूह नृत्य के माध्यम से भारत की विविध और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसकी वायुसेना प्रमुख सहित उपस्थित अतिथियों ने भूरि भूरि प्रशंसा की।

विश्व पुस्तक मेला का 53वां संस्करण 10 जनवरी से भारत मंडपम में

-पुस्तक मेला में प्रवेश निःशुल्क, वीर योद्धाओं को समर्पित होगा विश्व पुस्तक मेला

-आयोजन में 35 से अधिक देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक हजार से अधिक प्रकाशक लेंगे भाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। किताबों, विचारों और संवाद का बड़ा उत्सव नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 10 जनवरी से 18 जनवरी तक राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित होगा। इस मेला में प्रवेश पूरी तरह से निःशुल्क होगा। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) द्वारा आयोजित विश्व का सबसे बड़ा पुस्तक मेला इस बार भारतीय सशस्त्र सेनाओं को समर्पित रहेगा। इस बार पुस्तक मेले का थीम पवेलियन भारतीय सैन्य इतिहास ऱ शौर्य एवं विवेक है।

नेशनल बुक ट्रस्ट के निदेशक युवराज मलिक ने गुरुवार को कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि पहली बार पुस्तक मेले में प्रवेश निःशुल्क है। जो किताबों और ज्ञान को सभी के लिए ज़्यादा खुला और सुलभ बनाने की एनबीटी की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। मेले का उद्घाटन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, कतर और स्पेन के उच्च-स्तरीय गणमान्य व्यक्तियों के साथ करेंगे।

युवराज मलिक ने कहा कि विश्व पुस्तक मेले का मुख्य आकर्षण भारतीय सैन्य इतिहासऱ वीरता और ज्ञान ञ्च75 शीर्षक वाला थीम पवेलियन है, जो स्वतंत्रता के बाद से भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के साहस, बलिदान और राष्ट्र निर्माण में भूमिका का सम्मान करता है। 360 डिग्री अनुभव के रूप में डिजाइन किए गए इस पवेलियन में 500 से ज़्यादा किताबें, क्यूरेटेड प्रदर्शनियां, पोस्टर, डॉक्यूमेंट्री दिखाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि मुख्य आकर्षणों में अर्जुन टैंक, आईएनएस विक्रांत और एलसीए तेजस की प्रतिकृतियां, 21 परमवीर चक्र विजेताओं को श्रद्धांजलि और बुडगाम 1947 से ऑपरेशन सिंदूर तक प्रमुख युद्धों और सैन्य अभियानों पर सत्र शामिल हैं। 100 से ज़्यादा थीम-आधारित इवेंट होंगे, जिनमें पैनल डिस्कशन, बुक लॉन्च और रक्षा विशेषज्ञों, लेखकों और युद्ध दिग्गजों जैसे जनरल वीके सिंह, लेफ्टिनेंट जनरल सतीश दुआ, कर्नल एससी त्यागी, कैप्टन (डॉ.) सुनैना सिंह, एयर मार्शल विक्रम सिंह, स्क्वाड्रन लीडर राणा टीएस छिना, मेजर जनरल इयान कार्डोजो, एयर मार्शल नारायण मेनन के भाषण शामिल हैं। इसके साथ ही, मेले में वंदे मातरम और सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन के 150 साल पूरे होने पर विशेष प्रदर्शनियां भी लगाई जाएंगी।

युवराज मलिक ने कहा कि विश्व पुस्तक मेले में मजबूत अंतरराष्ट्रीय भागीदारी देखने को मिलेगी, जिसमें गेस्ट ऑफ ऑनर कतर और स्पेन जैसे देश पर मुख्य नजर होगी। इसके अलावा, रूस, जापान, पोलैंड, फ्रांस, अबू धाबी, ईरान, कजाकिस्तान, हंगरी, चिली जैसे अन्य देशों के प्रकाशक, लेखक और सांस्कृतिक संस्थान बुक लॉन्च, बहुभाषी कविता शाम, सांस्कृतिक प्रदर्शन, बच्चों के साहित्य सत्र और एआई, गेमिंग, प्रवासन और विरासत जैसे विषयों पर चर्चा के माध्यम से भाग लेंगे।

उन्होंने बताया कि जापान से 30 लोगों का एक प्रतिनिधिमंडल, जिसमें लेखक, प्रकाशक और चित्रकार शामिल होंगे, एनडीडब्ल्यूबीएफ में भारत-जापान प्रकाशक मीट एंड ग्रीट में भाग लेगा। रीडिंग इंडिया संवाद नामक दो दिवसीय राष्ट्रीय नेतृत्व संवाद, नीति निर्माताओं और शिक्षा नेताओं को एक साथ लाएगा ताकि एनईपी 2020 और विकसित भारतञ्च2047 के अनुरूप एक समावेशी, भविष्य के लिए तैयार रीडिंग इकोसिस्टम बनाने के लिए पढ़ने को एक राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में आगे बढ़ाया जा सके।

मेले में ये होगा खास- प्रतिदिन होगी सांस्कृतिक संध्या इस पुस्तक मेला में प्रतिदिन शाम को कोई न कोई सांस्कृतिक गतिविधि होगी। दर्शक भारत मंडपम में बने स्थल पर इसका आनंद ले सकते हैं।

बच्चों के लिए खास पवेलियन- बच्चों के लिए इस बार मेला खास है। राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र पुस्तकालय में बच्चों के लिए हजारों की संख्या में किताबें हैं। यहां पर लगे स्कैनर से बच्चे 6 हजार किताबें निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं। साथ बच्चे इसके सदस्य भी बन सकते हैं। यहां पर एजुकेशन वर्कशॉप भी आयोजित होगी। अंतरराष्ट्रीय भागीदारी कतर इस वर्ष गेस्ट ऑफ ऑनर और स्पेन फोकस कंट्री है। रूस, जापान, फ्रांस, ईरान, कजाकिस्तान सहित कई देशों की भागीदारी होगी। भारत-जापान प्रकाशक संवाद और अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों के निदेशकों की मौजूदगी भी रहेगी। लेखक, संस्कृति और परिवार मेले में प्रसिद्ध लेखक, कलाकार और वक्ता शामिल होंगे। सांस्कृतिक संध्याओं, बच्चों के लिए विशेष पवेलियन, कहानी सुनाना, कला-कला कार्यशालाएं और राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय के माध्यम से 6,000 से अधिक मुफ्त ई-बुक्स उपलब्ध होंगी।

हॉल विवरण हॉल 2-3: भारतीय भाषाओं के प्रकाशक हॉल 4: अंतरराष्ट्रीय पवेलियन हॉल 5: थीम पवेलियन हॉल 6: बच्चों और शैक्षणिक पुस्तकें कैसे करें प्रवेश- मेला में सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन के गेट संख्या 10 तथा गेट संख्या पांच और चार से प्रवेश होगा।

मेला प्रबंधन का कहना है कि मेला में प्रवेश के लिए टिकट नहीं लगाया गया है लेकिन आईटीपीओ सुरक्षा जांच और आवश्यक जांच तथा पूछताछ करेगी। मेट्रो के गेट संख्या 10 से शटल के माध्यम से भी दर्शक जा सकते हैं। यही नहीं बुजुर्गों के लिए अंदर भी गोल्फ कार्ट होंगे। गाड़ी दर्शक भारत मंडपम की पार्किंग में पार्क कर सकते हैं। इसका शुल्क देना होगा।

200 करोड़ रुपए की ठगी मामले में सुकेश चंद्रशेखर की समझौता याचिका पर टली सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। 200 करोड़ रुपए की ठगी और जबरन वसूली मामले में आरोपी सुकेश चंद्रशेखर की समझौता याचिका पर गुरुवार को पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई फिर से टाल दी गई। अदालत ने सुकेश के वकील को निर्देश दिया कि वे याचिका की कॉपी शिकायतकर्ता अदिति सिंह को उपलब्ध कराएं, क्योंकि शिकायतकर्ता के वकील ने कोर्ट को बताया कि उन्हें अब तक याचिका की कॉपी नहीं मिली है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 16 जनवरी की तारीख तय की है। सुकेश चंद्रशेखर ने अपनी याचिका में कहा है कि वह 217 करोड़ रुपए देने को तैयार हैं और अदिति सिंह के साथ समझौते का विकल्प तलाशने के लिए भी तैयार हैं। रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर शिविंदर मोहन की पत्नी अदिति सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनके पति शिवेंद्र मोहन सिंह अक्टूबर 2019 से जेल में बंद हैं। उनसे जून 2020 से 2021 तक 200 करोड़ की जबरन वसूली और ठगी की गई। शिकायत के अनुसार, 2020 और 2021 के दौरान सुकेश चंद्रशेखर ने अपने नेटवर्क के जरिए करोड़ों रुपए की ठगी और जबरन वसूली की। सुकेश ने खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय, गृह मंत्रालय और कानून मंत्रालय का अधिकारी बताकर लोगों को फंसाया। फर्जी पहचान के जरिए उसने भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी मदद कर रही है। इसके बदले भारी रकम की मांग की गई। शिकायत में बताया गया है कि पहले कॉल कर कहा गया कि कानून मंत्रालय के सचिव अनूप कुमार उनसे बात करेंगे। इसके बाद कॉल में कहा गया कि सरकार कोरोना काल में सहयोग चाहती है और उनके पति की रिहाई में मदद होगी। एक कॉल में यह भी दावा किया गया कि गृह मंत्री अमित शाह घटनास्थल पर मौजूद हैं। बाद में कॉलर आईडी पर पीएमओ के सलाहकार पीके मिश्रा का नाम दिखाई देने लगा, जिससे भरोसा बढ़ गया। इस तरह अदिति सिंह और अन्य लोगों को विश्वास दिलाया गया कि मामला बड़े सरकारी अधिकारियों के संज्ञान में है। दिल्ली पुलिस ने 200 करोड़ रुपए की ठगी और जबरन वसूली के मामले में सुकेश चंद्रशेखर और उनके सहयोगियों के खिलाफ केस दर्ज किया। आरोप है कि सुकेश ने हवाला और शेल कंपनियों के माध्यम से अवैध धन छुपाया। इसके अलावा महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट (एमसीओसीए) के तहत भी उस पर कार्रवाई चल रही है। सुकेश चंद्रशेखर प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत भी जांच के दायरे में हैं और प्रवर्तन निदेशालय इस मामले की जांच कर रहा है। इस पूरे मामले में सुकेश का नेटवर्क, पैसों की ट्रेल और फर्जी पहचान के इस्तेमाल की भी जांच की जा रही है।

दिल्ली पुलिस से मुठभेड़ में गैंगस्टर राजेश बवानिया गैंग का बदमाश घायल, गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के बवाना इलाके में गुरुवार सुबह पुलिस की स्पेशल सेल और गैंगस्टर राजेश बवानिया के गैंग से जुड़े बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान राजेश बवानिया के रिश्तेदार और गैंग के सदस्य अंकित मान के पैर में गोली लग गई। गोली लगने के बाद पुलिस ने उसे मौके पर ही काबू में ले लिया। घायल अवस्था में अंकित मान को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, स्पेशल सेल को अंकित मान के इलाके में छिपे होने की पुख्ता सूचना मिली थी। इसी इनपुट के आधार पर सुबह तड़के एक टीम को मौके पर भेजा गया। जैसे ही पुलिस ने उसे घेरने की कोशिश की। आरोपी ने खुद को बचाने के लिए फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी घायल हो गया और मौके पर ही काबू कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि अंकित मान लंबे समय से फरार चल रहा था और कई गंभीर मामलों में वांछित था। उस पर हत्या, फिरौती वसूली और जबरन पैसे मांगने यानी एक्सटॉर्शन जैसे संगीन आरोप हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी विदेश भागने की फिराक में था। उसकी योजना विदेश जाकर अपने गैंग का नेटवर्क खड़ा करने और वहीं से आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने की थी। राजेश बवानिया दिल्ली-एनसीआर का जाना-माना गैंगस्टर है, जो इस समय जेल में बंद है, लेकिन जेल से ही अपने गिरोह को चलाने के आरोप उस पर लगते रहे हैं। उसका नाम हत्या, लूट, गैंगवार और फिरौती के कई मामलों में सामने आ चुका है। पुलिस का मानना है कि अंकित मान, बवानिया गैंग के लिए अहम कड़ी था और बाहर रहकर गैंग के कामकाज को संभाल रहा था।

दिल्ली में दूषित जलापूर्ति पर कड़ी निगरानी, वाटर सैम्पलिंग बढ़ाने का निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में दूषित जलापूर्ति पर काबू पाने के लिए दिल्ली सरकार ने वाटर सैम्पलिंग बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। शाहदरा जिला भाजपा के वरिष्ठ नेता गुरमीत सिंह सूरा ने बताया कि इस निर्णय से दूषित पानी की आपूर्ति के मामलों में निश्चित रूप से कमी आएगी। उन्होंने कहा कि इंदौर में सीवर-मिक्स्ड पानी से लोगों की मौतों के बाद सरकार ने नई गाइडलाइन जारी की है। जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने जल बोर्ड अधिकारियों को रोजाना वाटर सैम्पलिंग बढ़ाकर वर्तमान 450-500 से लगभग 1,000 करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा पाइपलाइनों, अंडरग्राउंड वॉटर रिज़र्वॉयर और ट्रीटमेंट प्लांटों का रोजाना निरीक्षण किया जाएगा और शिकायतों का दो दिनों के अंदर निवारण सुनिश्चित किया जाएगा। गुरमीत सूरा ने बताया कि उन क्षेत्रों में जहां सप्लाई लाइनें और सीवर लाइनें पास-पास हैं, उनका विशेष ध्यान रखा जाएगा और किसी भी लीकेज, डैमेज या संभावित क्रॉस-कंटैमिनेशन का तुरंत समाधान किया जाएगा। दिल्ली जल बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कौशल राज शर्मा को निर्देश दिए गए हैं कि ट्रीटमेंट प्लांट से निकलने वाले पानी का परीक्षण के बाद ही सप्लाई किया जाए और किसी भी क्वालिटी, गंध या स्वाद संबंधी शिकायत पर तत्काल कार्रवाई की जाए। गुरमीत सूरा ने कहा कि दिल्ली सरकार इस मामले में पूरी तरह अलर्ट है और राजधानी में शुद्ध पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

दिल्ली में कचरा संकट पर एनजीटी सख्त, पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में ठोस कचरा प्रबंधन की बदहाल स्थिति को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने गहरी चिंता जताई है और चेतावनी दी है कि यदि हालात में शीघ्र सुधार नहीं हुआ तो यह जन-स्वास्थ्य आपातकाल का रूप ले सकता है। एनजीटी ने रिकॉर्ड पर लिया कि दिल्ली में प्रतिदिन 11,000 टन से अधिक ठोस कचरा उत्पन्न होता है, जबकि केवल लगभग 8,000 टन कचरे का ही उपचार हो पा रहा है और करीब 3,000 टन कचरा रोजाना बिना उपचार के जमा हो रहा है। ट्रिब्यूनल ने इस स्थिति को गंभीर मानते हुए दिल्ली सरकार को नियमित रूप से प्रगति रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यमुना प्रदूषण और सीवेज प्रबंधन पर भी एनजीटी ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि राजधानी के नौ सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतर रहे हैं, जिसके कारण विशेष रूप से वजीराबाद बैराज से असगरपुर गांव तक यमुना में अनुपचारित सीवेज बह रहा है। एनजीटी ने दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को सीवेज उत्पादन, सीवर कनेक्टिविटी और नालों में बहने वाले सीवेज व औद्योगिक अपशिष्ट पर विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश दिए हैं, वहीं दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति को यमुना नदी की जल गुणवत्ता से संबंधित आंकड़े प्रस्तुत करने को कहा गया है।

दिल्ली दंगों से जुड़े मामलों में सुप्रीम न्यायालय से जमानत, तिहाड़ जेल से रिहा हुए तीन आरोपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 08 जनवरी (वेब वार्ता)। वर्ष 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों को भड़काने और उसकी साजिश रचने के गंभीर आरोपों से जुड़े मामलों में सुप्रीम न्यायालय से जमानत मिलने के बाद गुलफिशा फातिमा, शिफा उर रहमान और मीरान हैदर को तिहाड़ जेल से रिहा कर दिया गया है। तीनों आरोपी लंबे समय से गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम सहित अन्य गंभीर धाराओं के अंतर्गत न्यायिक हिरासत में थे। शीर्ष न्यायालय ने जमानत आदेश देते हुए कहा कि यह संवैधानिक विवेक का संतुलित प्रयोग है, जिसे कड़ी शर्तों के साथ लागू किया गया है। वहीं, कड़कड़डूमा न्यायालय ने इसी प्रकरण से जुड़े एक अन्य आरोपी मोहम्मद सलीम खान की रिहाई के भी आदेश जारी किए हैं। हालांकि, इस मामले में मुख्य आरोपियों के रूप में नामजद उमर खालिद और शरजील इमाम को फिलहाल जमानत देने से न्यायालय ने इनकार कर दिया है। बताया गया है कि सभी आरोपियों पर संशोधित नागरिकता कानून के विरोध प्रदर्शनों के दौरान भड़काऊ गतिविधियों में शामिल होने और फरवरी 2020 में हुए दंगों की साजिश में भूमिका निभाने के आरोप हैं। रिहाई के बाद जेल के बाहर उनकी उपस्थिति को लेकर तस्वीरें भी सामने आई हैं, जिन्हें लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

नहटौर क्षेत्र में तड़के मौत का तांडव, अज्ञात वाहन ने पिकअप को रौंदा, दो युवकों की दर्दनाक मौत

बिजनौर (शिखर समाचार) नहटौर थाना क्षेत्र में गुरुवार अलसुबह एक भीषण सड़क दुर्घटना ने दो घरों के चिराग बुझा दिए। नहटौर नूरपुर मार्ग पर गांव सराय के समीप अज्ञात वाहन की तेज रफ्तार टक्कर से एक पिकअप वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसा इतना भयावह था कि पिकअप के लोहे के ढांचे के टुकड़े सड़क पर बिखर गए और उसमें सवार दो युवकों की मौके पर ही हालत गंभीर हो गई। जानकारी के अनुसार कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव सिखेड़ा निवासी 30 वर्षीय नितिन कुमार तथा 20 वर्षीय पिकअप चालक गोलू दुग्ध संग्रहण का कार्य करते थे। गुरुवार सुबह दोनों युवक पिकअप वाहन से विभिन्न स्थानों से दूध एकत्र कर अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही उनका वाहन नहटौर नूरपुर मार्ग पर गांव सराय के पास पहुंचा, तभी सामने से आए किसी अज्ञात वाहन ने तेज गति में पिकअप को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद घटनास्थल पर अफरा तफरी मच गई। आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहायता से क्षतिग्रस्त पिकअप में फंसे दोनों युवकों को बाहर निकाला। उन्हें तत्काल नहटौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के उपरांत दोनों को मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना की खबर मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना को अंजाम देने वाले अज्ञात वाहन की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए मार्ग के आसपास लगे निगरानी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाली जा रही है। मामले में आवश्यक रिपोर्ट दर्ज कर विधिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।

कुख्यात गैंग के सदस्य को अंकुर विहार पुलिस ने मुठभेड़ में किया गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना अंकुर विहार क्षेत्र में पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक बदमाश संजीत को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में संजीत के पैर में गोली लगी और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। संजीत के खिलाफ कई आपराधिक मुकदमे दर्ज है और पुलिस ने इसके पास से असलाह भी बरामद किया। एसीपी ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि क्षेत्र में पुलिस चेकिंग कर रही थी और चेकिंग के दौरान पुलिस ने जब स्विफ्ट कार को रुकने का इशारा किया तो कार सवार ने कार को तेज गति से भगाना शुरू कर दिया। पुलिस को जब कार चालक संदिग्ध लगा और पुलिस ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। कुछ दूर जाकर संदिग्ध की कार डिवाइडर से टकरा गई, जिसके बाद कार चालक कार से उतरकर भागने लगा लेकिन जब पुलिस ने उसका भागते हुए पीछा किया तो उसने अपने पास रखी हुई रिवाल्वर से पुलिस पर हमला कर दिया, जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई और बदमाश संजीत को गोली लगी। गोली लगने से बदमाश घायल हो गया और पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। संजीत के पास से एक रिवाल्वर, तीन जिंदा कारतूस, तीन खोखे कारतूस और एक स्विफ्ट कार बरामद हुई। पुलिस पूछताछ में संजीत ने बताया कि बीते दिनों ट्रॉनिका सिटी में उसके द्वारा एक घटना को अंजाम दिया गया था और तभी से पुलिस उसके पीछे पड़ी हुई थी।

श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन कृष्ण जन्मोत्सव की छाई धूम, नंदोत्सव में झूमे श्रद्धालु

हापुड़ (शिखर समाचार) नगर के जवाह गंज क्षेत्र में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग और नंदोत्सव का भावपूर्ण वर्णन किया गया, जिसके बाद पूरे पंडाल में भक्ति और आनंद का वातावरण छा गया। जैसे ही कथा में कृष्ण जन्म का प्रसंग आया, वैसे ही ह्लनंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लालह्व के जयघोष से परिसर गूंज उठा और श्रद्धालु भावविभोर होकर नृत्य में लीन हो गए। कथा व्यास डॉ. शैलबिहारी दास ने प्रसंग को विस्तार से रखते हुए कहा कि जब पृथ्वी पर अत्याचार और अनाचार अपने चरम पर था, चारों ओर हाहाकार मचा हुआ था, तब कंस के कारागार में वासुदेव और देवकी के यहां भाद्रपद मास की अष्टमी तिथि, रोहिणी नक्षत्र में भगवान श्रीकृष्ण का अवतार हुआ। उनका पालन पोषण नंद बाबा के घर हुआ, इसी कारण नंदगांव में जन्मोत्सव विशेष उत्साह के साथ मनाया जाता है। आगे उन्होंने बताया कि भगवान कृष्ण ने अत्याचारी कंस का अंत कर धरती को अन्याय से मुक्त कराया और अपने माता-पिता को कारावास से छुड़ाया। कथा के दौरान गुरुवार देर शाम जन्म प्रसंग के साथ ही श्रद्धालु झूम उठे। शुक्रवार को जन्मोत्सव की खुशी में कथा स्थल को विशेष रूप से सजाया गया, माखन मिश्री का प्रसाद वितरित किया गया और भक्तों ने नंदोत्सव मनाते हुए भक्ति नृत्य किया। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न बाल लीलाओं का भी सजीव वर्णन किया गया, जिसे सुनकर श्रोता भावमग्न हो गए। कार्यक्रम में सरस्वती शिशु मंदिर के प्रबंधक अनिल अग्रवाल, डॉ. राकेश अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, मनोज कर्णवाल, विकास गोयल, डॉ. सुमन अग्रवाल, यर्थाथ अग्रवाल, भावना अग्रवाल, चंद्र प्रकाश ठठेरे, पूनम कर्णवाल, शान्तुन सिंघल, राहुल सिंघल, संजीव रस्तोगी, बिट्टू वर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

193.82 करोड़ की रिकॉर्ड नीलामी से जीडीए की तिजोरी लबालब, शास्त्रीनगर हॉकी स्टेडियम पर लगी सबसे ऊंची बोली

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा वर्ष 2025 की पहली नीलामी में ही जबरदस्त सफलता दर्ज की गई। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत 8 जनवरी को लोहिया नगर स्थित हिन्दी भवन में आयोजित नीलामी में विभिन्न आवासीय व व्यवसायिक भूखंडों को लेकर बोलीदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस नीलामी के जरिए जीडीए को कुल 193.82 करोड़ रुपये की आय हुई, जो अपेक्षा से कहीं अधिक रही।

नीलामी के दौरान सभागार में माहौल बेहद प्रतिस्पर्धात्मक रहा। एक-एक भूखंड पर कई-कई बोलीदाता नजर आए और अंतिम समय तक ऊंची बोली लगाने की होड़ मची रही। जीडीए की संपत्तियों को खरीदने के लिए निवेशकों में इतना उत्साह था कि कई भूखंड अपने रिजर्व प्राइस से काफी अधिक कीमत पर बिके।

मधुबन-बापूधाम योजना रही सबसे आगे

नीलामी में सबसे ज्यादा आकर्षण मधुबन-बापूधाम आवासीय योजना का रहा, जहां ग्रुप हाउसिंग के कुल आठ भूखंड बेचे गए। योजना के पाकेट-ए में स्थित 2382.30 वर्गमीटर क्षेत्रफल वाले तीन ग्रुप हाउसिंग भूखंडों का रिजर्व प्राइस 52,500 रुपये प्रति वर्गमीटर तय था, लेकिन ये भूखंड क्रमशः 66,500, 67,100 और 67,300 रुपये प्रति वर्गमीटर की ऊंची दरों पर बिके। इन तीनों भूखंडों से ही जीडीए को करीब 47.86 करोड़ रुपये की आय हुई।

इसी योजना में 8875 वर्गमीटर का ग्रुप हाउसिंग भूखंड रिजर्व प्राइस से अधिक 53,200 रुपये प्रति वर्गमीटर की बोली पर 47.21 करोड़ रुपये में बिका, जबकि 8355 वर्गमीटर का भूखंड 53,000 रुपये प्रति वर्गमीटर की दर से 44.24 करोड़ रुपये में नीलाम हुआ।

इसके अलावा 1353 वर्गमीटर का कन्वीनियंट शॉपिंग भूखंड रिजर्व प्राइस से 300 रुपये अधिक की बोली पर 71.43 लाख रुपये, 1365 वर्गमीटर का व्यवसायिक भूखंड 79,000 रुपये प्रति वर्गमीटर की अधिकतम बोली पर 10.78 करोड़ रुपये और 3190 वर्गमीटर का मिक्स लैंड यूज भूखंड रिजर्व प्राइस से 2300 रुपये अधिक की बोली पर 23.06 करोड़ रुपये में बिका।

कुल मिलाकर मधुबन-बापूधाम योजना में ही आठ भूखंडों की बिक्री से लगभग 173.86 करोड़ रुपये की आय हुई।

इंदिरापुरम और शास्त्रीनगर में भी जमकर लगी बोली

इंदिरापुरम विस्तार योजना के बी-ब्लॉक में 260 वर्गमीटर का व्यवसायिक भूखंड 11 करोड़ 50 लाख रुपये में और 135 वर्गमीटर का व्यवसायिक भूखंड 23 करोड़ 33 लाख 55 हजार रुपये में नीलाम हुआ।

वहीं शास्त्रीनगर योजना में हॉकी स्टेडियम की नीलामी ने सबका ध्यान खींचा, जहां इसका रिजर्व प्राइस 3,99,300 रुपये से बढ़कर सीधा 8,99,000 रुपये तक पहुंच गया, जो इस नीलामी की सबसे बड़ी और चर्चित बोली रही।

कुल मिलाकर वर्ष की पहली ही नीलामी में मिले जबरदस्त प्रतिसाद से जीडीए उत्साहित है। अधिकारियों का मानना है कि आने वाली नीलामियों में भी निवेशकों का यही भरोसा बना रहा तो प्राधिकरण को राजस्व के मोर्चे पर और मजबूती मिलेगी।

चंद घंटों में सिहानी गेट पुलिस ने किया लूट का खुलासा, 3 लुटेरे गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना सिहानी गेट पुलिस ने एक नीजी होटल के कर्मचारी के साथ हुई लूट का खुलासा चंद घंटों में कर दिया है। पकड़े गए तीनों आरोपियों ने बीती रात 4 लूट की वारदात को एक के बाद एक अंजाम दिया था। पुलिस ने लूट का खुलासा करते हुए वीर, सोनू और अमन को गिरफ्तार करते हुए लूटे हुए 5 मोबाइल फोन भी बरामद किए है। होटल कर्मचारी से लूट की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। लूट की घटनाओं का खुलासा करने के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया और उसके बाद इन्हें गिरफ्तार किया गया। यह तीनों नौकरी करके रात को अपने घर लौट रहे लोगों को निशाना बनाकर लूटपाट की वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस ने इनके पास से एक तेज धार दांतों वाला चाकू भी बरामद किया है, जिससे यह लूटपाट के दौरान पीड़ित को डराया करते थे। खास बात यह है कि यह सभी नशे के आदी है और अक्सर नशा करके ही लूट की वारदात को अंजाम दिया करते थे। संवाददाता सम्मेलन में एसीपी प्रियाश्री पाल ने बताया कि थाना सिहानी गेट क्षेत्र में लूट की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जाँच शुरू की। पुलिस ने जब सीसीटीवी कैमरा खंगाले तो चोरों की शिनाख्त शुरू की गई। पुराने बस अड्डे के पास पुलिस चेकिंग कर रही थी और चेकिंग के दौरान इन तीनों को गिरफ्तार किया गया। जब इनसे पूछता शुरू की गई तो इन्होंने क्षेत्र में की गई लूट की वारदातों के बारे में जानकारी दी। यह तीनों नशे के आदी है और नशे का सेवन करने के लिए रात्रि में नौकरी से घर जा रहे कर्मचारियों को निशाना बनाकर लूट की वारदात को अंजाम देते। उन्होंने बताया कि यह तीनों क्राइम करने के आदी है और नशा करके ही लूट की वारदात को अंजाम देते थे। इनके पास से लूट हुए पांच मोबाइल फोन, एक चाकू व अन्य सामान बरामद किया गया है।

स्केटिंग यात्रा में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले भाई-बहन को डीएम ने किया सम्मानित

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। स्केटिंग यात्रा में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले भाई-बहन नंदनी और युग को को डीएम रविंद्र कुमार ने गुरुवार को अपने कार्यालय पर सम्मानित किया। भाई-बहन की इस जोड़ी ने गाजियाबाद से अयोध्या और अयोध्या से गाजियाबाद स्केटिंग करके इंफ्लुएंसर बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाया। दोनों ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर गाजियाबाद का नाम रोशन किया और उनका उत्साह वर्धन करने के लिए लगातार उन्हें सम्मानित किया जा रहा है। डीएम रविंद्र कुमार ने गाजियाबाद का नाम रोशन करने पर दोनों बच्चों को अपने कार्यालय में आमंत्रित किया था और स्वयं मेडल पहनाकर एवं प्रमाण पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर डीएम रविंद्र कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया अभियान को आगे बढ़ाने में ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे ह।। जिला प्रशासन खेल प्रतिभाओं को हर संभव सहयोग प्रदान कर रहा है ताकि युवा खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले और देश का नाम रोशन कर सकें। नन्हे स्केटर्स की इस उपलब्धि से गाजियाबाद सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है और यह यात्रा आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। इस मोके पर नन्हे स्केटर्स के पिता मुखिया मोहित गुर्जर गौरक्षक, कोच आकाश प्रताप सिंह एव समाजसेवी गौरव बंसल उपस्थित रहे।

बृजघाट टोल प्लाजा हटाने की मांग पर आंदोलन तेज, 18वें दिन भी जारी रहा धरना

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) गढ़मुक्तेश्वर नगर पालिका सीमा में संचालित बृजघाट टोल प्लाजा को हटाए जाने की मांग को लेकर गढ़ तहसील प्रांगण में चल रहा धरना 18वें दिन भी जारी रहा। जनहित से जुड़े इस आंदोलन को लगातार विभिन्न सामाजिक और किसान संगठनों का समर्थन मिल रहा है। गुरुवार को भारतीय पूर्व सैनिक संघ और भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी व कार्यकर्ता धरना स्थल पर पहुंचे और आंदोलन को अपना समर्थन देते हुए उपजिलाधिकारी श्रीराम यादव के माध्यम से जिलाधिकारी हापुड़ को ज्ञापन भेजा। धरना स्थल पर उपस्थित भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष इंद्रजीत सोलंकी ने कहा कि गढ़मुक्तेश्वर तहसील प्रांगण में चल रहा यह आंदोलन पूरी तरह जनता के हित में है और किसान संघ इसे पूर्ण समर्थन देता है। उन्होंने मांग की कि अति शीघ्र लाठीरा पुल का निर्माण कराया जाए तथा बृजघाट बाईपास को स्याना चौराहे से जोड़ा जाए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि श्मशान घाट के पास पुल बनाकर नगर पालिका क्षेत्र में लगे टोल प्लाजा की अवधि बढ़ाने का प्रयास किया गया, तो किसान संघ इसका कड़ा विरोध करेगा और बाईपास को टोल प्लाजा के पास से निकलने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि समस्त किसान संघ समाजसेवी पंकज लोधी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। वहीं भारतीय पूर्व सैनिक संघ ने भी धरना स्थल पर पहुंचकर आंदोलन को समर्थन दिया। पूर्व सैनिक संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि समाजसेवी पंकज लोधी द्वारा उठाई गई सभी मांगें जनहित और न्यायसंगत हैं। संगठन ने भरोसा दिलाया कि जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए वे हर समय इस आंदोलन के साथ खड़े रहेंगे और जब भी आवाज दी जाएगी, पूर्व सैनिक पूरी मजबूती से सहयोग करेंगे।

पूर्व सैनिक संघ के कैप्टन राजेश चौधरी ने कहा कि धरना दे रहे समाजसेवी अपने निजी हित के लिए नहीं, बल्कि आम जनता की सुविधा और अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में जनता को भी आगे आकर इस आंदोलन का समर्थन करना चाहिए और अपनी आवाज इनके साथ जोड़नी चाहिए। धरना स्थल पर पूर्व सैनिक संघ के वारंट अधिकारी मनवीर सिंह, कैप्टन राजेश चौधरी, गजेंद्र त्यागी, शाहिद अली, गोपीचंद, उमेश, बबलू, जय सिंह, राजेंद्र कुमार, मनीष कुमार, हर्ष, प्रमोद कुमार अग्रवाल, जगपाल, भगवान शाह, अखिलेश कुमार, आशीष, अवनीश चौहान, लोकेश सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। आंदोलनकारियों ने एक स्वर में टोल प्लाजा को नगर पालिका सीमा से हटाने और वैकल्पिक बाईपास मार्ग की मांग को शीघ्र पूरा करने की अपील की।

बीएसए की अध्यक्षता में हुई आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों की ओरिएंटेशन बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। रजापुर ब्लॉक में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को आरटीई योजना से संबंधित ओरिएंटेशन बैठक में बुलाया गया। प्रोग्राम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गाजियाबाद ओपी यादव, खंड शिक्षा अधिकारी रजापुर और जिला समन्वयक सामुदायिक सहभागिता ने आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को आरटीई योजना के बारे में जानकारी दी। आरटीई योजना के प्रचार प्रसार के लिए आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को हैंड पंपलेट और पोस्टर भी दिए गए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव ने आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में कोई अभिभावक अपने ग्राम पंचायत में स्थित निजी स्कूलों में आरटीई योजना में अपने बच्चे को निःशुल्क दाखिला करा सकता हैं। खंड शिक्षा अधिकारी कविता चौहान ने बताया कि गांव के लोगों को अधिक जानकारी दी जानी चाहिए, जिससे वह अपने बच्चे को निजी स्कूलों में दाखिला कराने के आवश्यक अभिलेख तैयार करवा लें। सूच्य है कि इस साल आरटीई योजना के फॉर्म जनवरी माह के अंत में शुरू होनी है।

विवेकानंद और वीर सावरकर के विचारों को अपनाकर ही बनेगा भारत : गोपाल राय

वाराणसी (शिखर समाचार) विश्व हिन्दू रक्षा परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने देशभर में विवेकानंद संदेश यात्रा शुरू करने की घोषणा की। यह यात्रा स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित की जा रही है। गोपाल राय ने साथ ही भारत सरकार से यह मांग भी की कि स्वामी विवेकानंद और वीर सावरकर को उनके योगदान के लिए मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया जाए।

कार्यक्रम के दौरान गोपाल राय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने विचारों, ओजस्वी भाषणों और आध्यात्मिक दृष्टि से पूरी दुनिया को भारतीय संस्कृति और हिन्दू धर्म की महानता से परिचित कराया। उन्होंने शिकागो में आयोजित विश्व धर्म सम्मेलन में दिया गया ऐतिहासिक भाषण आज भी देशवासियों के लिए गर्व का प्रतीक है। राय ने स्पष्ट किया कि ऐसे महान व्यक्तित्व को भारत रत्न देना केवल न्यायसंगत नहीं है, बल्कि राष्ट्र का नैतिक दायित्व भी है।

गोपाल राय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद केवल संत नहीं थे, बल्कि वे युवाओं के प्रेरणास्त्रोत, समाज सुधारक और राष्ट्रनिमार्ता भी थे। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे स्वामी जी के विचारों, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और चरित्र निर्माण के मार्ग पर चलें।

अपने संबोधन में उन्होंने वर्तमान सामाजिक चुनौतियों पर भी चिंता व्यक्त की। राय ने कहा कि आज भारत लव जिहाद, जबरन धर्मांतरण और अन्य सामाजिक कुरीतियों जैसी गंभीर समस्याओं का सामना कर रहा है। ऐसे समय में स्वामी विवेकानंद के विचार ही देश को सही दिशा दिखा सकते हैं। उन्होंने युवाओं से आगे आकर समाज को जागरूक करने और भारत को इन समस्याओं से मुक्त कराने का संकल्प लेने की अपील की।

कार्यक्रम में मनीष राय, कृष्णा पाण्डेय, प्रवीश कुमार पाण्डेय, पंकज सिंह, ओम प्रकाश कश्यप, ईशान राय, हिमांशु धवल, महेश सिंह प्रधान, आशीष सेठ, अंकुर राय, अखिएश कुमार, पीयूष कुमार पांडे, आनंद मौर्या, अनुज मौर्या, संदीप पटेल, अनिकेत पटेल, किशन सैनी, सौरभ गुप्ता, विपुल गुप्ता, मनोज कुमार एडवोकेट, मनोज जयसवाल, हर्ष देव सिंह, सुखदेव मिश्र, विष्णु सैनी, राकेश गुप्ता, ममता टंडन, अजीत सिंह एडवोकेट, अरुण श्रीवास्तव, शाहिद अख्तर आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

मां की हत्या करके दलित बेटी उठा ले गया दबंग

मेरठ में भड़के लोगों ने एंबुलेंस तोड़ी, गांव में तनाव, आरोपी का परिवार भागा

मेरठ। दबंग कंपाउंडर ने एक दलित महिला की हत्या कर दी। फिर उसकी बेटी को उठा ले गया। आरोपी राजपूत है। इस वारदात के बाद से गांव में तनाव है। महिला की लाश लेकर पहुंची एम्बुलेंस में गांव के लोगों ने तोड़फोड़ कर दी। पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजना चाहती है, लेकिन लोगों ने शव उठाने से मना कर दिया है। आरोपी और दलित परिवार एक ही गांव के हैं। अपहरण और हत्यारोपी के दादा-दादी को पुलिस ने हिरासत में लिया है। जबकि मां-पिता और भाई फरार हो गए हैं। गांव में पुलिस फोर्स तैनात है। इस वारदात पर सियासत भी शुरू हो गई है। सपा विधायक अतुल प्रधान ने अस्पताल पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की। कांग्रेस ने कानून-व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है। नगीना से सांसद चंद्रशेखर की भीम आर्मी के कार्यकर्ता गांव पहुंचे हैं। साथ ही पल्ल्वपुरम, दौराला और लालकुर्ती तीन थानों की फोर्स लगाई गई है। लगभग दो घंटे तक चले हंगामे के बाद अब मृतका के परिजनों ने अस्पताल के बाहर से डेडबॉडी को उठने दिया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। लगभग दो घंटे तक चले हंगामे के बाद अब मृतका के परिजनों ने अस्पताल के बाहर से डेडबॉडी को उठने दिया है। अब एम्बुलेंस में मृतका की लाश को पोस्टमॉर्टम हाउस ले जाया गया है। पुलिस की मौजूदगी में डेडबॉडी को पोस्टमॉर्टम हाउस ले जाया गया है। अस्पताल में पहुंची महिला ने कहा- हमारी मम्मी को मार दिया। उसके बाद उनकी डेडबॉडी को चोरी छिपे ले जा रहे थे। हमें इंसाफ चाहिए, हमारी मांग है कि उन्हें भी फांसी लगनी चाहिए, जिसने हमारी मां मार दी, फरसों से वार करके। गरीब आदमी चटनी से रोटी खाते थे, वहीं मजदूरी करते और वहीं रोटी खाते थे। जबरन उनकी बेटी को ले गए और मां को मार दिया। हमें लड़की भी चाहिए और आरोपियों को फांसी चाहिए। खून के बदले खून होगा, जैसे उन्होंने हमारी मां को मारा वैसे ही आरोपियों को मारेंगे। सरधना से सपा विधायक अतुल प्रधान ने मृतका के पति को सांत्वना दी तो पति विधायक के सामने ही रोने लगा। रोते हुए उसने कहा कि मेरा तो घर ही उसने बर्बाद कर दिया। पत्नी की हत्या कर दी, बेटी को लेकर चले गया। मेरी पत्नी, बेटी का क्या कुसूर था। अतुल प्रधान ने कहा कि धैर्य रखो पूरी मदद करेंगे। मृतका के सबसे बड़े बेटे नरसिंह ने रोते हुए बताया- आज सुबह मेरी मम्मी और बहन, पापा के लिए खाना लेकर खेत पर जा रहे थे। तभी वो पारस नाम का लड़का

आया। जंगल के बीच उसने मेरी बहन की कनपटी पर पिस्टल रखी और उसे उठाकर ले जाने लगा। जब मम्मी ने विरोध किया तो उसने मम्मी पर बलकटी से हमला कर दिया। उनके सिर में बलकटी मारी। बहन को लेकर फरार हो गया। मम्मी की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई है। हमने पुलिस कंपलेन की है, लेकिन अभी तक कोई आरोपी पकड़ा नहीं गया है। कहा कि मेरी बहन के पास फोन भी नहीं है, बहन का भी कुछ पता नहीं चल रहा। पुलिस, प्रशासन मेरी मां थोड़े वापस ला देगी। कपसाड़ गांव में लड़की की मां की मौत की सूचना मिलते ही मृतका के घर पर आस पड़ोस की महिलाओं का आना शुरू हो गया। पूरे गांव में शोक की लहर है। महिलाएं आपस में बातें करते हुए रो भी रही हैं। आजाद समाज पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री संजीव पाल ने कहा- कपसाड़ गांव में दलित महिला अपनी बेटी के साथ अपने पति के लिए खाना लेकर गांव से खेत जा रही थी। तभी महिला पर हमला करके गांव के कुछ दबंगों ने उसकी बेटी का अपहरण कर लिया। महिला की अस्पताल में मौत हो चुकी है। हमसे एसपी आरए ने कहा था कि शाम तक लड़की की बरामदगी कराके आरोपियों को अरेस्ट कर लेंगे, लेकिन अब तक पुलिस ऐसा कुछ नहीं कर पाई है। प्रशासन चोरी से डेडबॉडी लेकर जा रहा था, ताकि परिवार को मौत का भी पता नहीं चल सके। बिना पंचनामा भरे ही पुलिस डेडबॉडी ले जा रही थी। उनको हमने रोकने का प्रयास किया। पोस्टमॉर्टम होना चाहिए, न्याय भी तभी मिलेगा जब पोस्टमॉर्टम हो, लेकिन बिना पंचनामा के चोरी छिपे डेडबॉडी लेकर जाना गलत है। कपसाड़ गांव में काफी संख्या में पुलिस बल लगाया गया है। पुलिस बड़ा दी गई है। क्योंकि आरोपी युवक और पीड़िता लड़की दोनों ही कपसाड़ गांव के दो गैर बिरादरी के हैं। इसलिए गांव में तनाव का माहौल है। जिस तरह से लड़का दिनदहाड़े लड़की को लेकर गया है, उससे लोगों में काफी नाराजगी है। अस्पताल में मृतका के परिजनों को शांत कराने के लिए मौके पर सीओ सरधना आशुतोष कुमार, सीओ दौराला प्रकाश चंद अग्रवाल, एसपी देहात अभिजीत कुमार, एसडीएम सरधना पहुंचे हैं। साथ ही पल्ल्वपुरम, दौराला और लालकुर्ती तीन थानों की फोर्स लगाई गई है। गांव में भारी संख्या में पुलिस लगी है। मृतक के परिजनों ने महिला की डेडबॉडी उठाने से इनकार कर दिया है। अस्पताल के बाहर खड़ी एम्बुलेंस के कांच तोड़ दिए हैं। मौके पर हंगामा हो गया है। एसडीएस ग्लोबल अस्पताल में भीम आर्मी के कार्यकर्ता भी पहुंच गए हैं। आजाद समाज पार्टी, भीम आर्मी पार्टी के नेताओं ने अस्पताल के बाहर हंगामा कर दिया। उन्होंने कहा कि पूरे मामले में पुलिस तुरंत आरोपी को अरेस्ट करके बच्ची को सकुशल बरामद करे। एसडीएस ग्लोबल अस्पताल में मृतका के परिजनों ने जमकर हंगामा कर दिया है। मृतका के बेटों ने कहा कि जब तक पुलिस आरोपियों को नहीं पकड़ेगी तब तक हम बॉडी नहीं ले जाएंगे। उन्होंने एंबुलेंस में तोड़फोड़ कर दी है। सरधना थाना क्षेत्र के कपसाड़ गांव निवासी सत्येंद्र कुमार मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। परिवार में पत्नी सुनीता के अलावा तीन बेटे और एक बेटी रुबी है। रुबी के सबसे बड़े भाई की शादी हो चुकी है। वह बाहर काम करता है, जबकि उसकी पत्नी और दो बेटियां गांव में ही रहती हैं। दूसरे नंबर पर एक और भाई है, उसकी भी शादी हो चुकी है और वह परिवार के साथ गांव में ही रहता है। तीसरे नंबर पर रूबी है। इसके बाद चौथे नंबर पर एक छोटा भाई है। इन दोनों की अभी शादी नहीं हुई है। गरीब होने के कारण लड़की ने करीब ढाई साल पहले पढ़ाई छोड़ दी थी। फिलहाल परिवार में उसके रिश्ते को लेकर बातचीत चल रही थी। सुनीता अपनी बेटी रूबी के साथ सुबह करीब 8 बजे खेत जा रही थी। रास्ते में पहले से बैठे कंपाउंडर ने दोनों रोक लिया। मां और बेटी से बदतमीजी की। जब मां ने विरोध किया तो आरोपी गाली-गलौज करने लगा। तभी कंपाउंडर महिला के सिर पर फरसे से हमला कर दिया। इसके बाद आरोपी लड़की को जबरन बाइक पर बिठाकर भाग गया। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल सुनीता को मोदीपुरम के एसडीएस ग्लोबल हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। उसके सिर में गहरा घाव था। डॉक्टर ऑपरेशन करने की तैयारी कर रहे थे। लेकिन मौत हो गई।

संक्षिप्त डायरी

पुलिस ने चार चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 14 मोटरसाइकिलें बरामद करने में बड़ी कामयाबी हासिल की

संवाददाता

हमीरपुर। अपराधों की रोकथाम के साथ ही अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत जरिया पुलिस के साथ ही एस ओजी और सर्विलांस टीम ने मिली जुली कार्यवाही के दौरान राठ कोतवाली के चिल्ली निवासी 22 वर्षीय हरिमोहन राजपूत पुत्र जयकरन, जबकि जरिया के ग्राम अमूंद निवासी 19 वर्षीय हिमान्शु सेन पुत्र लक्ष्मीप्रसाद, वही जलालपुर के ग्राम न्यूलीबासा के 27 वर्षीय राहुल पुत्र टीकाराम अहिरवार, जबकि मौदहा के ग्राम सिचौली निवासी 22 वर्षीय गुलाम वारिस पुत्र मोहम्मद जलील सहित चार शातिर चोरों को गिरफ्तार करने के साथ ही उनके कब्जे से चोरी की 14 मोटरसाइकिलें बरामद करने में बड़ी कामयाबी हासिल की । पुलिस ने चारों शातिर चोरों के खिलाफ मु0अ0सं0 09/2026 धारा 317(2)/317(4)/317(5)/345(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर चारों को अदालत में पेश किया गया। जरिया पुलिस ने बताया कि पकड़े गये शातिर चोरो ं में से हरिमोहन राजपूत के खिलाफ पहले से भी राठ कोतवाली में संगीन धाराओं में दो अपराधिक मामले दर्ज हैं। शातिर बाईक चोरों को दबोचने वाली टीम में खासतौर से एस एस आई शान्तनु चतुर्वेदी, एस आई दिलीप श्रीवास्तव, एस आई रोहित यादव, एस आई मानवेन्द्र सिंह, एस आई सचिन शर्मा प्रभारी एस०ओ०जी०, हैड कांस्टेबल शिवेन्द्र सिंह,कांस्टेबल अभिनव प्रताप सिंह, कांस्टेबल धनेश कुमार, कांस्टेबल बृजेश यादव,कांस्टेबल सूरज सिंह, कांस्टेबल अतुल कुमार एस०ओ०जी०,कांस्टेबल सुरेन्द्र कुमार मिश्रा एस०ओ०जी०, कांस्टेबल रवि कुमार पटेल सर्विलांस सेल सहित कांस्टेबल शक्ति सिंह एस०ओ०जी० शामिल रहे।

एनएसयूआई के छात्र जोड़ो अभियान" का हुआ शुभारंभ

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर कसया नगर के एक रिसॉर्ट में ' छात्र जोड़ो अभियान" का शुभारंभ किया गया। गुरुवार को एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष ऋषभ पाण्डेय एवं एनएसयूआई प्रदेश महासचिव आदित्य शुक्ला ने कहा कि यह अभियान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी द्वारा शुरू किया गया एक जन आंदोलन है। जिसका उद्देश्य नई दिल्ली में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कथित विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ देश को एकजुट करना है। जिला कांग्रेस कमेटी के जिला उपाध्यक्ष अरुण कुमार चौबे, वरिष्ठ नेता अमित मिश्रा ने कहा कि एनएसयूआई के कार्यकर्ता विद्यार्थियों से सीधा सम्बंध स्थापित कर उनके छात्र जीवन में आने वाली विभिन्न चुनौतियों का मिल जुलकर सामना करेंगे और समाधान निकालने के लिए संघर्ष करेंगे। कार्यक्रम में एनएसयूआई कुशीनगर के जिला अध्यक्ष अनुज कुमार मिश्रा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान कसया ब्लॉक अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह एवं एनएसयूआई के रेहान अहमद, सैफ पठान, विन्देश्वर गुप्ता, सिकन्दर चौहान, निक्कू शुक्ला, अमन शर्मा, शिव कुमार कुशवाहा, यशवंत भारती, साजिद अली, प्रियांशु शर्मा, नंदलाल गुप्ता एवं अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सहारनपुर में रोडवेज कर्मचारियों ने बाप-बेटों को घसीटकर पीटा

सहारनपुर। रास्ते पर गाड़ी खड़ी करने को लेकर बस और कार सवार में झड़प हो गई। कार सवार युवक ने रास्ते से बस हटाने को कहा। आरोप है कि गुस्से में बस के ड्राइवर और क्लीनर ने उसकी गाड़ी के सामने बस खड़ी कर दी। गाली देते हुए कार से बाप और उसके दो बेटों को खींचकर डिपो ले गए। गेट बंद कर दिया। उसके बाद बाप-बेटों को जमीन पर धक्का देकर गिरा दिया। दोनों खुद को छोड़ने के लिए गुहार लगाने लगे। लेकिन उन्होंने नहीं छोड़ा। जमीन पर घसीट-घसीटकर पीटा। शोर सुनकर आधे घंटे बाद डिपो पहुंचे। गेट का ताला खुलवाकर दोनों को बाहर निकलवाया। उसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। घायलों को अस्पताल पहुंचाया। आरोपी बस ड्राइवर और क्लीनर को पकड़कर पूछताछ के लिए थाने लेकर आई। घटना गुरुवार को थाना फतेहपुर क्षेत्र की है। सोनू सैनी छुटमलपुर के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया- वह आज सुबह में अपने बेटों हर्ष सैनी और मुकुल सैनी के साथ सहारनपुर के पंजाबी मार्केट में खरीदारी करने आए थे। कार बेटा चला रहा था। उसने शनिदेव मंदिर के पास कार खड़ी की थी। इसी दौरान एक रोडवेज बस ने उनकी कार में साइड से टक्कर मार दी। उसके बाद रास्ते पर गाड़ी खड़ी कर दी। सोनू सैनी और उनके बेटों ने जब विरोध किया तो बस ड्राइवर और क्लीनर गाली देने लगे। कहासुनी बहस में तब्दील हो गई। इसके बाद बस ड्राइवर और क्लीनर गाड़ी से उतरकर उनके पास पहुंच गए। उनके साथ कुछ साथी भी थे। वे तीनों को खींचकर डिपो ले गया। आरोप है कि वहां पर उन्हें लाठी-डंडों से पीटा। सोनू सैनी का आरोप है कि आधे घंटे से अधिक देर तक उनकी पिटाई की गई। वे दर्द से काफी देर तक तक चिल्लाते रहे। उनकी आवाज सुनकर राहगीर मौके पर पहुंचे। उन्होंने डिपो के गेट का दरवाजा खुलवाया। उसके बाद तीनों को रोडवेज कर्मियों से छुड़ाकर बाहर ले आए।उसके बाद पुलिस को सूचना दी। थोड़ी ही देर में पुलिस पहुंच गई। लोगों से घटना की जानकारी ली। घायल बाप -बेटों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर में भर्ती कराया। उसके बाद आरोपी ड्राइवर और क्लीनर को पकड़कर थाने लेकर आई। वहां पर उनसे पूछताछ की जा रही है।

पडौली शेखपुरवा में 400 सौ जरूरतमंदों में बंटा कम्बल

संवाददाता

कुशीनगर । कप्तानगंज तहसील क्षेत्र के गांव पडौली शेखपुरवा में गुरुवार को ठंडक से बचने के लिए ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह के सौजन्य से ग्राम सभा के 400 जरूरत मंदों को कम्बल वितरण किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीएम बिनोद गुप्ता रहे । बता दें कि उक्त ग्राम सभा में हाड कंपा देने वाली ठंडक को लेकर ग्रामीणों को ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह के सौजन्य से चार सौ जरूरत मंद लोगों को कम्बल वितरण किया गया इस दौरान उप जिलाधिकारी बिनोद गुप्ता ने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार ठंडक से बचने के लिए गांव गांव अलाव और कम्बल वितरण कर रही है समाज में अग्रणी भूमिका निभाने वाले लोग भी अपने अपने सुविधा के अनुसार कम्बल वितरण कर रहे हैं इस ग्राम सभा में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह के सौजन्य से जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरण किया गया है जो सराहनीय कदम है कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि मेरा प्रयास है कि गांव में कोई जरूरत मंद न छुटे कम्बल से सभी जरूरत मंद लोगों को कम्बल दिया गया गांव के बिकास के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान व संचालन अवधेश मिश्रा ने किया इस अवसर पर राजकुमार पाण्डेय, वृंदावन पाण्डेय, संतोष पाण्डेय, जोखू शर्मा, मिथिलेश मिश्रा, नेबुलाल कन्नौजिया, दीनदयाल सिंह, रामज्ञान सिंह, अमित कुमार, प्रभात चन्द कन्नौजिया, दीनदयाल प्रसाद, गोविंद, मुरलीधर आदि मौजूद रहे

वरिष्ठ पत्रकार राकेश मोहन गोयल का निधन, मुरादनगर में आज होगा अंतिम संस्कार

मुरादनगर (शिखर समाचार) पत्रकारिता और चिंतन जगत में एक प्रेरणास्पद व्यक्तित्व आज हमसे विदा हो गया। मुरादनगर के वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और समाजिक विचारक राकेश मोहन गोयल का यशोदा अस्पताल, संजय नगर में देर शाम निधन हो गया। सोमवार को उन्हें मस्तिष्क पक्षाघात का दौरा पड़ा था, जिसके चलते उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। इस खबर ने मुरादनगर और आसपास के समाज में गहरा शोक फैलाया। राकेश मोहन गोयल ने अपने 55 वर्षों के पत्रकारिता जीवन में समाज, राजनीति, व्यापार और धार्मिक मामलों पर लगातार काम किया। उन्होंने 19 वर्ष दैनिक जागरण के संवाददाता के रूप में समाचार जगत में अपनी पहचान बनाई और इसके बाद राष्ट्रीय सहारा में संवाददाता के रूप में कार्य करते हुए पत्रकारिता की सेवा जारी रखी। उनके लेखों और रिपोर्टों ने न केवल खबरों तक सीमित रहते हुए जानकारी दी, बल्कि समाज और मानव जीवन पर उनके

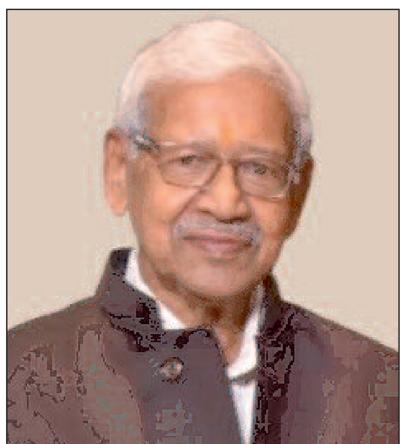

राकेश मोहन गोयल

प्रभाव को भी उजागर किया। राकेश मोहन गोयल को धार्मिक लेखन में विशेष रुचि थी। वे अक्सर समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक जागरूकता फैलाने वाले लेख लिखते रहे, जिनमें जीवन मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला गया। उनके लेखन ने पाठकों को सोचने, समझने और समाज में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उनके पुत्र मनीष गोयल भी पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं और वर्तमान में राष्ट्रीय शिखर के मुरादनगर संवाददाता के रूप में कार्यरत हैं। पिता पुत्र दोनों की पत्रकारिता में गहरी समझ और समर्पण ने मुरादनगर के समाचार जगत में एक मिसाल कायम की है। राकेश मोहन गोयल के निधन की सूचना मिलते ही सामाजिक, राजनीतिक और व्यापारिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निवास पर उनके शुभचिंतकों, मित्रों और सहयोगियों की भीड़ जमा हो गई। लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे और उनके योगदान को याद कर भावविभोर हो गए। मुरादनगर में उनके अंतिम संस्कार की तैयारियाँ पूरी कर दी गई हैं। शुक्रवार को परिवारजन, मित्र और शुभचिंतक उनके अंतिम संस्कार में शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। राकेश मोहन गोयल के निधन से पत्रकारिता और समाज दोनों को अपूरणीय क्षति हुई है।

ई-रिक्शा को टक्कर मारते हुए पलटा अनियंत्रित ट्रक, एक ही गांव के 13 लोग घायल, पांच गंभीर

श्रीवस्त। यूपी के श्रावस्ती में बृहस्पतिवार की दोपहर ई-रिक्शा को टक्कर मारते हुए अनियंत्रित ट्रक पलट गया। टक्कर से ई-रिक्शा भी सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। उसमें सवार बलरामपुर के 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से पांच की हालत नाजुक बताई जा रही है। उन्हें हायर सेंटर के लिए रेफर किया गया है।हादसा इकौना क्षेत्र के बौद्ध परिपथ पर दुबे दोनक्का के पास हुआ। बलरामपुर जिले के लालिया थाना क्षेत्र के कमदी गांव निवासी कुमकुम वर्मा (35), रोहित (14), शशि (13), प्रिंस (6), अशफाक (7), शहजादी (30), अनीता (35), रेखा (40), कौशल(9), प्रिंशु वर्मा (7) व नेहा चौधरी

(8) गांव निवासी ई-रिक्शा चालक मुस्लिम (55) के साथ आधार बनवाने के लिए इकौना ब्लॉक सभागार आए थे। आधार कार्ड बनवाने के बाद दोपहर में सभी लोग ई-रिक्शे से वापस घर लौट रहे थे। इस दौरान नेशनल हाईवे 730 (बौद्ध परिपथ)पर दुबे दोनक्का के पास बहराइच से बलरामपुर जा रहे तेज रफ्तार ट्रक ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। इससे ई-रिक्शा कई पलटियां खाते हुए सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। वहीं, ट्रक भी अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा सवार सभी लोग व ट्रक चालक बस्ती के गुड़िया जोत कलवारी निवासी जगराम (38) गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में घायल सभी लोगों को सीएचसी, इकौना में भर्ती कराया गया। जहां कुमकुम, शहजादी, अनीता, रोहित व ट्रक चालक जगराम की हालत नाजुक देख चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें जिला अस्पताल, भिनगा के लिए रेफर कर दिया। मौके पर मौजूद राहगीरों ने बताया कि बहुत बड़ा हादसा टल गया।

अगर, अनियंत्रित ट्रक की टक्कर से ई-रिक्शा गड्ढे में नहीं जाता और ट्रक, ई-रिक्शा पर पलट जाता तो कई जानें जा सकती थीं। राहगीरों ने बताया कि गनीमत रही कि ई-रिक्शा गड्ढे में चला गया। हादसे का शिकार हुए ई-रिक्शा में क्षमता से ज्यादा लोग बैठे थे। चार यात्रियों व एक चालक के लिए अधिकृत ई-रिक्शे में चालक सहित 12 लोग सवार थे। वहीं, राहगीरों ने बताया कि ट्रक का टायर फटने से हादसा होने की संभावना है।

कोतवाली परिसर में दंपती और पुलिस के बीच खींचतान का वीडियो वायरल

औरेया। सदर कोतवाली परिसर में बृहस्पतिवार को वायरल वीडियो में एक दंपती को खींचते हुए पुलिस ले जाती दिखी। बाद में पुलिस ने पति को खींचकर गाड़ी में डाल लिया और पत्नी का मोबाइल लेने के बाद खींचते हुए मुंशी कक्ष में ले गई। यह पूरी घटना एसपी के आने से करीब पांच मिनट पहले हुई। यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। संवाद न्यूज एजेंसी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करती है।शहर के मोहल्ला गढ़िया निवासी अरविंद तिवारी कुछ दिन पहले शहर में हुई हत्या के बाद आरोपी नगर पंचायत अध्यक्ष अनूप गुप्ता के खिलाफ फेसबुक पर लगातार पोस्ट कर रहा था। बृहस्पतिवार को कोतवाली पुलिस उसे घर से उठाकर कोतवाली ले गई। जानकारी पर उसकी पत्नी कोतवाली पहुंची और पति के बारे में पुलिस से पूछा। पुलिस को अनसुना देख पत्नी ने हंगामा शुरू किया।पुलिस आनन-फानन पति को बाहर लाई और उसका मेडिकल कराने के लिए जिला अस्पताल ले जाने लगे। इसी दौरान दंपती और पुलिस के बीच खींचतान हो गई।

ढाढ़ा चीनी मिल ने किया 103 .83 लाख गन्ना मूल्य भुगतान किया : अधिशासी अध्यक्ष

संवाददाता

कुशीनगर। ढाढ़ा चीनी मिल गेट क्षेत्र में बसंतकालीन गन्ना बुवाई का क्षेत्रफल बढ़ाने तथा चीनी मिल द्वारा गन्ना विकास के लिए "क्रान्तिकारी कदम उठाया है। चीनी मिल 27 दिसंबर तक 103 करोड़ 83 लाख रुपया गन्ना मूल्य भुगतान किसानो के खातों में भेज दिया है। यह जानकारी अधिशाषी अध्यक्ष श्री आर. के. गुप्ता ने चीनी मिल में किसानो को दी।

उन्होंने बताया कि हाटा गन्ना समिति के किसानो को 20 करोड़ 25 लाख, कसया गन्ना समिति के किसानों को 5 करोड़ 75 लाख तथा सर्वाधिक भुगतान पडरौना

गन्ना समिति के कृषकों को 31 करोड़ 29 लाख, कुल 12 गन्ना समिति के कृषकों को 103 करोड़ 43 लाख रुपया गन्ना मूल्य भुगतान खाते में भेज दिया गया है। आप सभी से अपील है कि अधिक क्षेत्रफल में गन्ने की बुवाई करें। चीनी मिल कृषकों को जैविक खाद, ट्राइकोडर्मा, कीटनाशक, कृषि यंत्र अनुदान पर दे रही है। विशेष प्रशिक्षण अभियान चलाया जायेगा। किसान अनिल यादव, ओम प्रकाश राय, रामचंदर यादव, ग्राम-धरमौली के कमला प्रधान आदि ने पूछा जिन कृषको के पास बुवाई के लिए बीज गन्ना नही है तथा वे गन्ना बोना चाहते हैं, उनको चीनी मिल क्या सुविधा देगी। अधिशासी अध्यक्ष आर के गुप्ता ने मुस्कुराते हुए बताया कि उस किसान को 10 कुन्तल बीज गन्ना 50 प्रतिशत अनुदान पर चीनी मिल दे रही है। हाटा गन्ना समिति के कृषको को सर्वाधिक लाभ मिलना चाहिए क्योंकि यहाँ चीनी मिल लगी है। गन्ना क्षेत्रफल बढ़ाना, क्षेत्र व किसान के सर्वांगीण विकास का रास्ता खोलेगा। छोटा ट्रैक्टर किसानों के लिए वरदान सिद्ध होगा। इस अवसर पर गन्ना प्रशिक्षण संस्थान पिपराइच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक व गन्ना विशेषज्ञ ओम प्रकाश गुप्ता ने बताया कि बसंतकालीन गन्ना बुवाई का उचित समय खिचड़ी से होली तक है। गन्ने की दो पंक्ति के बीच खाली स्थान में अपनी सुविधा अनुसार प्याज, भिंडी, लोबिया, लौकी, कोहड़ा, उर्द, मूंग, मिर्च 15 जनवरी से बुवाई करें। गन्ने की पत्तियां न जलायें। 120 सेमी की दूरी पर गन्ने की बुवाई करें, आय बढ़ेगी। गन्ना

और प्याज किसानों की तस्वीर बदल देगी। उपाध्यक्ष 'गन्ना' रविन्द्र सिहं ने बताया गन्ने की खेती में लागत को कम करने, मजदूरो की समस्या दूर करने के लिए 20 से 30% अनुदान दे रहे हैं। जो किसान अपना गन्ना 15 मार्च तक बुवाई के लिए चीनी मिल के माध्यम से रखेगा उसको 50 रुपया कुन्तल तथा 15 मार्च के बाद 75 रुपया कुन्तल अनुदान देगी। चीनी मिल में गन्ना बेचने में कोई समस्या हो तो गन्ना विकास कार्यालय चीनी मिल में हमसे मिले। नियमानुसार तत्काल समस्या दूर होगी। सहायक उपाध्यक्ष श्री मनोज विश्नोई ने कहा बीज गन्ना आरक्षित किया जा रहा है।

नई अनाज मंडी में शौचालय विवाद का पटाक्षेप, वैकल्पिक स्थल पर बनेगा अस्थायी शौचालय

जेवर (शिखर समाचार)
नई अनाज मंडी में सार्वजनिक शौचालय को लेकर बीते करीब दस दिनों से चला आ रहा विवाद गुरुवार को समाप्त हो गया। जिला पंचायत अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया और व्यापारियों व संबंधित पक्षों से संवाद के बाद सर्वसम्मति से समाधान निकाल लिया गया। तय हुआ कि शौचालय को टॉयलेट गेट की दूसरी ओर अस्थायी रूप से स्थापित किया जाएगा, जिसका निर्माण कार्य शुक्रवार से शुरू होगा।
जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी के निर्देश पर अपर जिला अधिकारी ऋतू मिश्रा गुरुवार दोपहर लगभग दो बजे अपनी टीम के साथ नई अनाज मंडी पहुंचीं। उन्होंने पूरे क्षेत्र का जायजा लिया और मंडी के

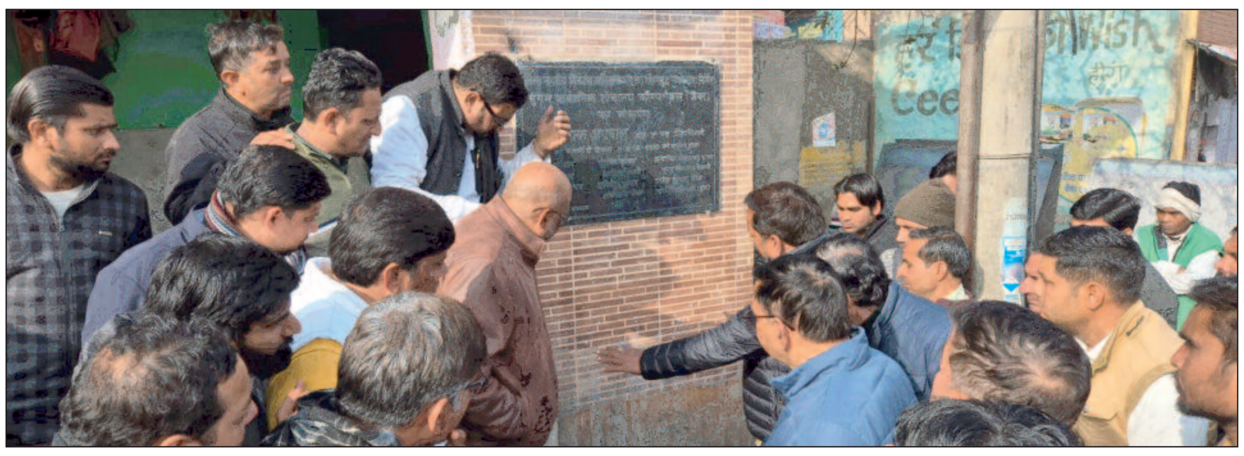

व्यापारियों से विस्तार से बातचीत की। निरीक्षण के दौरान भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष संजीव शर्मा भी मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों के साथ चर्चा कर सहमति बनाने में भूमिका निभाई।
बैठक के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष पहलवान नारायण माहेश्वरी से दूरभाष पर भी वार्ता की गई। उन्होंने शुक्रवार सुबह से ही अस्थायी शौचालय के निर्माण कार्य को शुरू कराने का आश्वासन दिया, जिसके बाद स्थिति पूरी तरह शांत हो गई।
उल्लेखनीय है कि नई अनाज मंडी में बने सार्वजनिक शौचालय को कुछ लोगों द्वारा तोड़ दिया गया था। उनका आरोप था कि शौचालय के कारण पास स्थित मंदिर के आसपास गंदगी फैल रही है। वहीं गल्ला मंडी व्यापार संघ का कहना था कि शौचालय हटने से व्यापारियों, मजदूरों और मंडी में आने वाले किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए इसका शीघ्र समाधान आवश्यक है। गल्ला मंडी व्यापार संघ के संरक्षक कुलदीप पंडित ने कहा कि शौचालय की सुविधा बहाल की जाए और साथ ही मंदिर का सौंदर्यीकरण भी कराया जाए, ताकि दोनों पक्षों की भावनाओं का सम्मान हो सके।
इस अवसर पर गल्ला मंडी व्यापार संघ के अध्यक्ष जैनेंद्र जैन, प्रभात, पुनीत, सतपाल तालान (सांसद प्रतिनिधि), नरेंद्र गोयल, संजय माहेश्वरी, सुरेंद्र कौशिक, पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय रावत, शिव कुमार शर्मा, विपिन बंसल, मोनू कौशिक, राम बंसल, प्रमोद गोयल, अनिल गर्ग, मुकेश जैन, चमन सिंघल सहित अनेक व्यापारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न कानून 2013 : आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की मारिको प्लस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में हुई संपन्न

नोएडा (शिखर समाचार)। कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न कानून 2013 के सम्बन्ध में आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की मारिको प्लस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में संपन्न हुई, जिसमे एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की तरफ से रीचा कंचन ने कंपनी की सभी महिला और पुरुषो को कानून के बारे जानकारी दी। कार्यस्थल पर आंतरिक शिकायत समीती के सदस्यों को समझाया कि यदि किसी महिला कर्मचारी को इस प्रकार की कोई शिकायत है तो वह घटना घटित होने के तीन माह के अंदर अपनी लिखित शिकायत समिति के समक्ष प्रस्तुत करेगी। समिति का दायित्व होगा कि वह तत्काल इस सम्बन्ध मे आवश्यक बैठक बुलाकर प्राप्त शिकायत पत्र में उल्लिखित बिन्दुओ पर छानबीन करके, उसका समाधान करने का प्रयास करेगी। यदि समिति का प्रयास विफल हो जाता हो तो तत्काल इस शिकायत के सम्बन्ध मे प्रबंधक / प्रबंधन के उच्चाधिकारी को संपर्क करके उसका समाधान का प्रयास कराया जायेगा। यदि समस्या का समाधान नहीं हो तो प्रबंधक / प्रतिष्ठान के उच्चाधिकारी इस सम्बन्ध मे आवश्यक कार्यवाही लागू सेवा शर्तो / स्थायी आदेश के प्राविधानों के अनुसार समुचित कार्यवाही करेगा।

यह भी आवश्यक होगा कि इस प्रकार की शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण क्षेत्र के जिला अधिकारी के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष की 15 जनवरी तक जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है। मिनिस्ट्री ऑफ महिला एव बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार की (SHE BOX PORTAL) पर रजिस्ट्रेशन करवाना और शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण अपलोड करना अनिवार्य है।

जीडीए का बड़ा एक्शन : जोन 01 और जोन 04 में अवैध निमार्णों पर बुलडोजर, अतिरिक्त मंजिलें ध्वस्त, कॉलोनियां उजाड़ीं

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए गुरुवार को जोन 01 और जोन 04 के विभिन्न इलाकों में व्यापक ध्वस्तीकरण एवं सीलिंग की कार्रवाई की। प्राधिकरण की इस कार्रवाई से अवैध निर्माणकताओं में हड़कंप मच गया।
प्रवर्तन जोन 04 के अंतर्गत प्रताप विहार सेक्टर 12 स्थित भूखंड संख्या जे-38 पर स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण पाए जाने पर एक बार फिर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। निर्माणकर्ता द्वारा स्वीकृत बेसमेंट + स्टिल्ट + 3 तल के स्थान पर बिना बेसमेंट के स्टिल्ट + 4 तल का निर्माण कर लिया गया था। पूर्व में नोटिस, सीलिंग और दो बार ध्वस्तीकरण के बावजूद अतिरिक्त तल को हटाया नहीं गया था। गुरुवार को पुनः कार्रवाई करते हुए अतिरिक्त तल को अनुपयोगी बना दिया गया।
इसी क्षेत्र में भूखंड संख्या एल 285 पर स्वीकृत मानचित्र के विरुद्ध एक अतिरिक्त तल का निर्माण पाए जाने पर पहले ही निर्माण सील किया जा चुका था। निर्माणकर्ता द्वारा कोई संतोषजनक जवाब न देने के चलते सीलिंग की कार्रवाई को प्रभावी बनाए रखा गया। भूखंड संख्या एम 01, सेक्टर 12, प्रताप विहार में सभी सेटबैक कवर करते हुए अवैध निर्माण किया गया था। निर्माणकर्ता द्वारा नई शमन उपविधि 2025 के तहत शमन कराने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन लगभग दो माह बीत जाने के बावजूद

कोई आवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके चलते प्राधिकरण ने अवैध हिस्से पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई कर दी। उधर प्रवर्तन जोन 01 में करीब 25 बीघा क्षेत्र में विकसित की जा रही तीन अवैध कॉलोनियों पर भी जीडीए का बुलडोजर चला। कॉलोनाइजर द्वारा बनाई गई सड़कें, बाउंड्री वॉल, साइट ऑफिस समेत अन्य संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया गया। पूरी कार्रवाई प्रवर्तन जोन 01 और जोन 04 के स्टाफ तथा प्राधिकरण पुलिस बल की मौजूदगी में की गई। जीडीए अधिकारियों का साफ कहना है कि अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ ध्वस्तीकरण और सीलिंग की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

महिला आयोग की जनसुनवाई में महिलाओं की समस्याओं पर हुई सीधी सुनवाई

बिजनौर (शिखर समाचार) उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य अवनी सिंह के नेतृत्व में विकास भवन के सभागार में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आई करीब 85 महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान 20 महिलाओं ने अपनी व्यक्तिगत व पारिवारिक समस्याओं से जुड़े प्रार्थना पत्र आयोग की सदस्य के समक्ष प्रस्तुत किए। महिला आयोग की सदस्य ने जनसुनवाई के दौरान प्राप्त सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र किया जाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की समस्याओं का समयबद्ध समाधान शासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जनसुनवाई कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी सौरभ सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी विमल सिंह चौबे, जिला विकास अधिकारी रचना गुप्ता, जिला मिशन समन्वयक रविता राठी सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। इस अवसर पर अधिकारियों ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और अधिक से अधिक महिलाओं व बच्चों को इन योजनाओं का लाभ दिलाने पर जोर दिया। इसके पश्चात महिला आयोग की सदस्य द्वारा जिला अस्पताल एवं जिला कारागार का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया और आवश्यक सुधार के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए।

कोर्ट के आदेश पर घर में घुसकर जानलेवा हमले के आरोप में केस दर्ज

रबूपुरा (शिखर समाचार)। एरिया के गांव तिरथली खेड़ा निवासी एक व्यक्ति ने गांव के ही लोगों पर रंजिश के चलते जानलेवा हमले का आरोप लगाया है। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एरिया के गांव तिरथली खेड़ा निवासी वीरेंद्र ने कोर्ट में सौंपे प्रार्थना पत्र में कहा है कि, 28 नवंबर 2025 को वह अपने परिवार वालों के साथ घर पर था। इसी दौरान गांव निवासी अनुज तेवतिया जयंत, रघुराज व एक अज्ञात व्यक्ति तमंचा लेकर उनके घर में घुस आए और गाली गलौंच करने लगे। आरोप है कि विरोध करने पर अज्ञात आरोपी ने पीड़ित के ऊपर तमंचे से फायर करने की कोशिश की लेकिन गोली चल नहीं पाई। शोर शराबा सुनकर मौके पर पहुंचे लोगों को देखकर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक से मारपीट, जान से मारने की धमकी

जेवर (शिखर समाचार) जेवर की आर एंड आर कॉलोनी के एक व्यक्ति ने चार लोगों पर उसके पुत्र के साथ बुरी तरह मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।पीड़ित के पिता की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आर एंड आर कॉलोनी के गांव दयानतपुर खेड़ा निवासी राजेंद्र प्रसाद शर्मा ने पुलिस में शिकायत देते हुए बताया कि उनका बेटा देवेंद्र शर्मा मंगलवार को बाइक से मंगरौली रोड पर कही जा रहा था, तभी रास्ते मे उसे सोनू, गौरव, दीपांशु व गुलशन ने उसे रोक लिया और बेवजह उसके साथ बुरी तरह मारपीट शुरू कर दी। जब पीड़ित ने इसकी शिकायत पुलिस में करने की बात कही तो आरोपितों ने उसे जान से मारने की धमकी दी और फरार हो गए। पीड़ित ने बताया कि ये घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वहीं पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जनता को दूषित जल एवं भोजन संबंधी सावधानी बरतने की सलाह

नोएडा (शिखर समाचार)। जनजनित रोगों के बढ़ते मामलों को देखते हुए, डॉक्टरों ने जनता को दूषित जल एवं भोजन संबंधी सावधानी बरतने की सलाह दी है। दूषित जल का सेवन करने से डायरिया, उल्टी, बुखार, पेट दर्द, पानी की कमी, जॉन्डिस, टायफायड, कॉलरा, हेपेटाइटिस ए एवं ई के अलावा एमीबियॉसिस जैसी स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं।ऐसे रोगी अक्सर दस्त, उल्टी, कमजोरी महसूस होने, ऐंठन, कम पेशाब, मुंह सूखने और कुछ मामलों में आंखों एवं त्वचा में पीलेपन जैसी तकलीफ से भी ग्रस्त होते हैं।यदि ऐसे में उपचार न किया जाए, तो ये कंडीशंस तेजी से बिगड़ सकती हैं और जीवनघाती भी हो सकती हैं, खासतौर से बच्चों एवं बुजुर्गों तथा पहले से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों की हालत तेजी से बिगड़ सकती है।डॉक्टरों का कहना है कि जलजनित रोगों से बचाव के लिए शरीर में पानी की कमी (डीहाइड्रेशन) नहीं होने दें। शरीर में पानी की पर्याप्त मात्रा सुनिश्चित करने के लिए, ओआरएस घोल, नारियल पानी, नींबू शिकंजी और सुरक्षित पेयजल का सेवन करते रहें। मरीजों को आसानी से पचने वाला भोजन जैसे खिचड़ी, कर्ड राइस, और केले खाने की सलाह दी जाती है, तथा स्ट्रीट फूड या बिना ढके भोज्य पदार्थों का सेवन करने से बचना चाहिए। इसके अलावा, उन्हें केवल उबला हुआ या सही तरीके से फिल्टर किए गए पानी को ही पीने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए।

सिम्भावली पुलिस ने जानलेवा छुरा हमला करने वाले आरोपी को दबोचा

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) हापुड़ जिले के सिम्भावली थाना क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और वांछित अभियुक्तों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने एक खतरनाक आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ा सफलता हासिल की है। थाना प्रभारी श्री सुरेश कुमार ने बताया कि जनपद में लगातार बढ़ते अपराध और आम जनता की सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस द्वारा विशेष कार्रवाई की गई। इस अभियान के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि शाहेआलम, निवासी ग्राम कुशलिया, थाना मसूरी, जनपद गाजियाबाद, स्थानीय इलाके में छिपा हुआ है। तुरंत टीम गठित कर उसे पकड़ने के लिए ग्राम बड़डा नहर पुल के पास छापेमारी की गई। प्रयास सफल रहा और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से उस घटना में प्रयुक्त जानलेवा छुरा भी बरामद हुआ है, जिसे आरोपी ने सीधे तौर पर घटना में इस्तेमाल किया था।

थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी पर सिम्भावली थाना में धारा 115(2), 333, 352, 109 एवं 351(3) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि आरोपी के खिलाफ अब अग्रीम विधिक कार्रवाई जारी है और उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। इस गिरफ्तारी में उपनिरीक्षक अजीत सिंह और कांस्टेबल आकाश चौहान की सक्रिय भागीदारी रही। पुलिस अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि जिले में अपराध नियंत्रण के लिए इस प्रकार की कार्रवाई नियमित रूप से चलती रहेगी, ताकि आम नागरिक सुरक्षित महसूस कर सकें और किसी भी प्रकार के हिंसक अपराध पर सख्त नियंत्रण रखा जा सके। गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र की जनता ने इस कार्रवाई पर राहत व्यक्त की और पुलिस को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे कदम अपराधियों के मनोबल को तोड़ते हैं और स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाते हैं।

शारदा विश्वविद्यालय में उद्योग शिक्षा संवाद सम्मेलन, नवाचार और रोजगारोन्मुख अध्ययन पर हुआ मंथन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान एवं जैव रसायन विज्ञान विभाग द्वारा उद्योग शिक्षा संवाद सम्मेलन का भव्य एवं सार्थक आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य शिक्षण संस्थानों, उद्योग जगत, शोधकताओं और विद्यार्थियों के बीच आपसी समन्वय को मजबूत करना तथा व्यवहारिक ज्ञान के माध्यम से शिक्षा को रोजगार से जोड़ना रहा। कार्यक्रम में शिक्षा और उद्योग के बीच सेतु बनाने पर विशेष जोर दिया गया। सम्मेलन के दौरान विभिन्न सत्रों में देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों और उद्योग विशेषज्ञों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने नवीन अनुसंधान, उभरती वैज्ञानिक तकनीकों, कौशल संवर्धन, नवाचार, औद्योगिक आवश्यकताओं और पाठ्यक्रमों में व्यावहारिकता जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा को केवल सैद्धांतिक न रखकर उद्योग की जरूरतों के अनुरूप ढालना आवश्यक है, ताकि विद्यार्थी भविष्य की चुनौतियों का

आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें। कार्यक्रम में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रोफेसर राम विश्वकर्मा, इमामी हेल्थकेयर लिमिटेड के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी चंद्रकांत कटियार, केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक प्रोफेसर रविनारायण आचार्य तथा वीसीए हेल्थकेयर के प्रबंध निदेशक वीके त्रिपाठी ने मुख्य वक्ता के रूप में सहभागिता की। सभी वक्ताओं ने विद्यार्थियों को उद्योग की कार्यप्रणाली, करियर की संभावनाओं और शोध के व्यावहारिक उपयोग की गहन जानकारी दी। सम्मेलन के माध्यम से शिक्षकों और उद्योग प्रतिनिधियों के बीच भविष्य में संयुक्त अनुसंधान, प्रशिक्षण कार्यक्रम, इंटर्नशिप तथा ज्ञान साझाकरण को लेकर सकारात्मक संवाद हुआ। इससे विद्यार्थियों को न केवल रोजगार की दिशा में मार्गदर्शन मिला, बल्कि शिक्षकों को भी पाठ्यक्रमों को अधिक प्रभावी और आधुनिक बनाने के लिए नए दृष्टिकोण प्राप्त हुए। विभागाध्यक्ष अनुपम अग्रवाल ने सभी अतिथियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और उद्योग के अनुरूप दक्ष मानव संसाधन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ, जिसमें भविष्य में सहयोग और साझेदारी को लेकर सभी ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर भुवनेश कुमार, एन बी सिंह, श्यामल बनर्जी, अनुपम अग्रवाल, संदीप सिंह, गीता दुर्गा, विनय वर्मा, प्रीति जैन, विवेक श्रीवास्तव, शशांक शर्मा, नूपुर श्रीवास्तव, मृदुला, सुरेन्द्र, आशीष, गौरव, मणिदीपा, प्रिया दास, शिवानी प्रिया, शयन्ति मण्डल सहित अनेक शिक्षक, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहें।

डेल्टा वन में दूषित जलापूर्ति की शिकायत पर प्राधिकरण की त्वरित कार्रवाई, एसीईओ ने मौके पर पहुंचकर संभाली कमान

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। सेक्टर डेल्टा वन में दूषित जलापूर्ति की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने जल विभाग की टीम के साथ क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वयं जलापूर्ति व्यवस्था का परीक्षण किया और शिकायत दर्ज कराने वाले निवासियों से बातचीत कर वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। निवासियों ने बताया कि प्राधिकरण की कार्रवाई के बाद अब उनके घरों में स्वच्छ और साफ पानी की आपूर्ति हो रही है, जिससे उन्हें राहत मिली है।
अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने सेक्टर की आवासीय कल्याण समिति के पदाधिकारियों से भी मुलाकात की और जलापूर्ति से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। समिति के पदाधिकारियों ने प्राधिकरण की तत्परता की सराहना करते हुए संतोष व्यक्त किया। प्राधिकरण की ओर से

एहतियातन दूषित पानी की शिकायत करने वाले कुछ घरों से पानी के नमूने भी एकत्र किए गए, जिन्हें उसी दिन जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया गया। इसके साथ ही जिन दो स्थानों पर पाइपलाइन में रिसाव और कनेक्शन में तकनीकी खामी पाई गई थी, उन्हें भी तत्काल ठीक करा दिया गया।
जल विभाग ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि यदि ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में कहीं भी दूषित जलापूर्ति की समस्या सामने आती है तो वे वरिष्ठ प्रबंधक जल के मोबाइल नंबर 9205691408 तथा प्रबंधक जल के मोबाइल नंबर 8937024017 पर तुरंत सूचना दें, ताकि समस्या का शीघ्र समाधान कराया जा सके। उधर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार ने पूरे क्षेत्र में जलापूर्ति की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सभी सेक्टरों में पानी की आकस्मिक जांच कराने के निर्देश दिए हैं। जल विभाग द्वारा इसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। जिन क्षेत्रों में प्राधिकरण द्वारा सीधे जलापूर्ति की जाती है, वहां पानी की जांच प्राधिकरण स्वयं कराएगा, जबकि बिल्डर आधारित आवासीय परिसरों और आवासीय समितियों में यह जिम्मेदारी संबंधित प्रबंधन समिति की होगी। जांच रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्राधिकरण के जल विभाग में जमा करानी होगी। इसी प्रकार औद्योगिक, व्यावसायिक, सूचना प्रौद्योगिकी तथा संस्थागत क्षेत्रों में भी जल गुणवत्ता की जांच कराने के निर्देश जारी किए गए हैं।

लखनऊ में होने वाले विराट सर्वण ब्राह्मण सम्मेलन को लेकर जुटे समाज के पदाधिकारी, कई अहम मांगों पर बनी सहमति

मेरठ (शिखर समाचार)
स्वाद गांव स्थित बम्बू ढाबा, राष्ट्रीय राजमार्ग 58 दिल्ली देहरादून मार्ग पर दांतल जटोली कट के समीप भारतीय मतदाता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित आदेश फौजी के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा (रा.) के तत्वावधान में आगामी 28 फरवरी 2026 को लखनऊ में प्रस्तावित विराट सर्वण ब्राह्मण सम्मेलन की तैयारियों को लेकर बुलाई गई थी। बैठक में समाज से जुड़े अनेक संगठनों के राष्ट्रीय, प्रांतीय एवं जनपद स्तर के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र नाथ त्रिपाठी, पंडित ईश्वर नंद शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा सहित जितेन्द्र शर्मा, बिजेंद्र शर्मा, सोनू शर्मा, अमरदीप

शर्मा, दिलबर शर्मा, पंकज शर्मा, अमित शर्मा, ओमकार शर्मा, पवन शर्मा तथा नीरज शर्मा ने अपने विचार रखे। मंच संचालन प्रदीप शर्मा ने किया, जबकि कार्यक्रम का आयोजन दीपक शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। सभा को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित आदेश फौजी ने ब्राह्मण समाज की वर्तमान स्थिति पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समाज की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक मजबूती के लिए संगठित प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार से मांग की कि अक्षय तृतीया के दिन भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए। इसके साथ ही ब्राह्मण आयोग एवं सर्वण आयोग के गठन की आवश्यकता पर जोर दिया। पंडित आदेश फौजी ने कमजोर आर्थिक स्थिति वाले ब्राह्मणों के लिए आरक्षण की सीमा बढ़ाने, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम के दुरुपयोग को रोकने के लिए सख्त प्रावधान बनाने तथा सोशल मीडिया पर ब्राह्मण समाज को अपमानित करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि मंदिरों में परंपरागत पूजा पद्धति निभाने वाले ब्राह्मणों को वेतन और भत्ता देकर उनका सम्मान बढ़ाया जाना चाहिए। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया। उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकताओं को समाजहित में एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प दिलाया। बैठक में लखनऊ सम्मेलन को ऐतिहासिक और सफल बनाने के लिए व्यापक जनसंपर्क और सहभागिता पर भी चर्चा की गई।

संपादकीय

मतदाता परीक्षण सूची : लोकतंत्र की शुचिता की अनिवार्य कसौटी

लोकतंत्र की जड़ें मतदाता से जुड़ी होती हैं और मतदाता की पहचान मतदाता सूची से। ऐसे में मतदाता परीक्षण सूची को लेकर देशभर में चल रही चर्चा केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की विश्वसनीयता से जुड़ा एक गंभीर राष्ट्रीय मुद्दा बन चुकी है। 8 जनवरी 2026 को यह विषय इसलिए भी सबसे अधिक प्रासंगिक है क्योंकि आने वाले समय में कई राज्यों में चुनाव संभावित हैं और चुनावी व्यवस्था की पारदर्शिता पर उठते सवालों का केंद्र मतदाता सूची ही है।

मतदाता सूची का उद्देश्य स्पष्ट है हर योग्य नागरिक को मतदान का अधिकार मिले और कोई भी अयोग्य व्यक्ति इस अधिकार का दुरुपयोग न कर सके। लेकिन बीते वर्षों में यह तथ्य बार-बार सामने आया है कि मतदाता सूचियों में मृत व्यक्तियों के नाम, स्थानांतरित मतदाताओं की दोहरी प्रविष्टियां, अवैध या अपात्र नाम और एक ही व्यक्ति के एक से अधिक स्थानों पर पंजीकरण जैसी गड़बड़ियां लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करती रही हैं। इन्हीं आशंकाओं के बीच मतदाता परीक्षण सूची की प्रक्रिया को सख्ती से लागू करने की जरूरत महसूस की गई है।

समर्थकों का तर्क है कि मतदाता परीक्षण सूची लोकतंत्र को मजबूत करेगी। इससे न केवल फर्जी मतदान पर रोक लगेगी, बल्कि चुनाव परिणामों की वैधता पर उठने वाले सवाल भी स्वतः समाप्त होंगे। आज जब तकनीक ने प्रशासन को नए औजार दिए हैं, तब मतदाता सूची का सत्यापन अधिक सटीक और प्रभावी बनाया जा सकता है। आधार, जनसंख्या रजिस्टर, मृत्यु पंजीकरण और अन्य सरकारी डाटाबेस के साथ समन्वय कर सूची को अद्यतन करना एक तार्किक कदम माना जा रहा है।

लेकिन इस प्रक्रिया को लेकर चिंताएं भी कम नहीं हैं। आशंका यह है कि कहीं मतदाता परीक्षण के नाम पर वास्तविक और योग्य नागरिकों को मतदान अधिकार से वंचित न कर दिया जाए। देश के ग्रामीण क्षेत्रों, शहरी झुग्गियों, प्रवासी मजदूरों, बुजुर्गों और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के पास कई बार ऐसे दस्तावेज नहीं होते, जो प्रशासन की कसौटी पर तुरंत खरे उतर सकें। यदि परीक्षण प्रक्रिया संवेदनशील नहीं हुई तो लोकतंत्र का सबसे कमजोर तबका ही सबसे अधिक प्रभावित होगा।

एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि मतदाता सूची केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि नागरिक विश्वास का दस्तावेज होती है। यदि लोगों को यह महसूस होने लगे कि सूची में नाम जोड़ना या बनाए रखना कठिन होता जा रहा है, तो मतदान के प्रति उत्साह घट सकता है। पहले से ही शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत चिंता का विषय है। ऐसे में किसी भी प्रकार की प्रशासनिक कठोरता लोकतांत्रिक भागीदारी को नुकसान पहुंचा सकती है। मतदाता परीक्षण सूची को सफल बनाने के लिए पारदर्शिता और संवाद सबसे आवश्यक तत्व हैं। जनता को यह स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि परीक्षण क्यों किया जा रहा है, इसकी प्रक्रिया क्या है और नागरिकों के अधिकार कैसे सुरक्षित रहेंगे। केवल आदेश जारी कर देना पर्याप्त नहीं है। जमीनी स्तर पर जागरूकता अभियान, सहायता केंद्र, मोबाइल सत्यापन इकाइयां और पर्याप्त समय-सीमा दिए बिना यह प्रक्रिया अविश्वास को जन्म दे सकती है। तकनीक के उपयोग में भी संतुलन जरूरी है। डिजिटल सत्यापन जहां एक ओर प्रक्रिया को तेज बनाता है, वहीं दूसरी ओर डिजिटल खाई की सच्चाई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश का बड़ा वर्ग आज भी तकनीकी संसाधनों से पूरी तरह जुड़ा नहीं है। ऐसे में ऑफलाइन विकल्प, मानवीय सत्यापन और स्थानीय प्रशासन की सक्रिय भूमिका अनिवार्य हो जाती है। राजनीतिक दृष्टि से भी मतदाता परीक्षण सूची एक संवेदनशील मुद्दा है।

~ मौलिक चिंतन ~

यदि लोग अपने साथ, अपनों के हितों की भी चिंता करने लगें, तो कोई दुःखी न रहे।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

वेनेजुएला पर ट्रंप की सख्ती- नया वैश्विक टकराव

सनत जैन

वेनेजुएला को लेकर डोनाल्ड ट्रंप की हालिया आक्रामक कार्रवाई ने एक बार फिर वैश्विक राजनीति एवं सामरिक तनाव को तेज कर दिया है। प्रतिबंधों को सख्ती से लागू करना, समुद्री मार्गों पर निगरानी बढ़ाना और कथित तौर पर रूस से जुड़े जहाज की जप्ती जैसे कदम केवल वेनेजुएला तक सीमित नहीं हैं। इनके दूरगामी अंतरराष्ट्रीय प्रभाव जल्द ही देखने को मिल सकते हैं। यह घटनाक्रम स्पष्ट संकेत देता है, अमेरिका, लैटिन अमेरिका क्षेत्र में अपने वर्चस्व को आर्थिक एवं सामरिक दृष्टिकोण अपनाते हुए ट्रम्प कब्जा करना चाहते हैं। भले ही इसके लिए रूस और चीन के साथ सीधा टकराव लेने की ट्रंप की सोच है। अमेरिका और वैश्विक स्तर पर आर्थिक मंदी और अर्थव्यवस्था पर जो संकट देखने को मिल रहे हैं उसके बाद यह कहने में कोई संकोच नहीं हो रहा है, आने वाले दिनों में अमेरिका अपनी डॉलर मुद्रा तथा वैश्विक व्यापार के वर्चस्वको बनाए रखना चाहता है। उसके लिए ट्रंप अंतिम लड़ाई लड़ रहे हैं। ट्रम्प ने टेरिफ के बहाने जो नया खेल खेला था। उसमें वह असफल हो गए है। अमेरिका में मंहगाई और आर्थिक स्थिति पर इसके दुष्परिणाम दिखने लगे है। इससे बचने के लिये अब ट्रम्प ने वेनेजुएला का मुद्दा खड़ा करके अमेरिका में अपनी स्थिति को मजबूत करना चाहते है? वेनेजुएला लंबे समय से रूस और चीन का रणनीतिक साझेदार है। रूस ने वहां ऊर्जा, हथियार और सैन्य सहयोग किया है। जबकि चीन ने कर्ज, बुनियादी ढांचा और तेल समझौतों के जरिए अपनी गहरी पैठ बनाई है। रूस और चीन के हथियार भी वेनेजुएला में है। ऐसे में किसी रूसी जहाज की जप्ति केवल एक कानूनी या तकनीकी कार्रवाई के रूप में नहीं देखी जा सकती है। इस कार्रवाई को रूस के प्रभाव को खुली चुनौती के रूप में ही देखा जाएगा। मॉस्को ट्रंप की इस कार्रवाई को अपनी संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय व्यापार स्वतंत्रता पर हमला बताकर कूटनीतिक विरोध, जवाबी प्रतिबंध या समुद्री सुरक्षा को बढ़ाने जैसे कदम उठा सकता है। हालांकि रूस सीधे सैन्य टकराव से बचता हुआ दिख रहा है। समय आने पर इसकी प्रतिक्रिया बड़े रूप में हो सकती है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। दुनिया के देशों में अमेरिका, विरोधी मंचों पर इस मुद्दे का जोर-शोर से उठना तय है। चीन का रुख अपेक्षाकृत संतुलित होते हुए भी व्यापारिक दृष्टिकोण से दीर्घकालिक होगा। बीजिंग आमतौर पर प्रत्यक्ष टकराव से बचते हुए अंतरराष्ट्रीय कानून, बहुपक्षवाद और संप्रभुता के सिद्धांतों की बात करते हुये इस समस्या के समाधान की कोशिश करेगा, ऐसी संभावना देखने को मिलती है। अमेरिका की कार्रवाई को चीन ह्लएकतरफा दबाव नीतिह्व करार देकर वैश्विक मंच पर अमेरिका को अलग-थलग करने की कोशिश करेगा। संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न मंचों तथा वैश्विक व्यापार संधिकरण की नीति को लेकर अपना विरोध दर्ज करा सकता है। इसके साथ चीन वेनेजुएला में अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों, गुप्त या अप्रत्यक्ष रूप से वेनेजुएला की मदद रूस के साथ तालमेल कर ट्रंप की दादागिरी को चुनौती देने का काम कर सकता है। इस पूरे घटनाक्रम का वैश्विक प्रभाव तेल बाजारों,समुद्री व्यापार, वैश्विक व्यापार और विकासशील देशों की आर्थिक एवं विदेश नीति पर पड़ना तय है। वह देश जो अमेरिकी प्रतिबंधों से असहमत हैं। वह चीन-रूस खेमे की नीतियों की और झुक सकते हैं। अमेरिका समर्थक देश भी ट्रंप की इस तरह की कार्यवाही के खुले समर्थक नहीं है। इसका असर नाटो देश और यूरोपियन संगठन में भी देखने को मिल रहा है। वह ट्रंप की इन नीतियों का कितना समर्थन करेंगे, वर्तमान में कहना मुश्किल है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जिस तरह की नीतियां आ रही हैं। उसके बाद दुनिया एक बार फिर आर्थिक एवं सामरिक ध्रुवीकरण की ओर बढ़ती हुई दिख रही है। विकासशील देश एवं वेनेजुएला जैसे देश

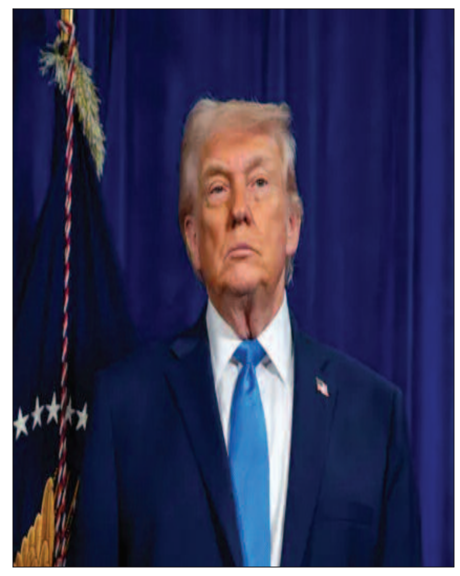

महाशक्तियों की रस्साकशी का मैदान बन रहे हैं। यह स्थिति वैश्विक शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बनकर सारी दुनिया के सामने है। अमेरिका की इस कार्रवाई से वैश्विक व्यापार संधि के बाद जो आर्थिक परिवर्तन सारी दुनिया के देशों में देखने को मिला था। निश्चित रूप से वह तेजी के साथ सिमटने लगेगा। जिसका दुष्प्रभाव आर्थिक मंदी के रूप में जल्द ही सामने आ सकता है। इसको लेकर तरह-तरह की वैश्विक चिंताएं सामने आने लगी हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्षों की कहानी

'तत्वमसि' में है प्रचारकों की जिंदगी का बयान

-प्रो.संजय द्विवेदी

देश में हुए सामाजिक राजनीतिक परिवर्तनों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रति सामान्यजन की जिज्ञासा बढ़ा दी है। इस बीच अपनी यात्रा के 100 साल संघ ने पूरे कर लिए हैं। इसलिए संघ की संपर्क गतिविधियां भी सामान्य दिनों से ज्यादा हैं। ऐसे समय में संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्रीधर पराड़कर का उपन्यास ह्यतत्वमसिह्न बड़ी सरलता से आरएसएस के बारे में बताता है। यह उपन्यास एक आत्मकथात्मक उपन्यास भी कहा जा रहा है, जिसके केंद्र में खुद लेखक और उसके अनुभव हैं। बावजूद इसके एक प्रचारक की जिंदगी के बहाने संघ को समझाने में यह उपन्यास पूरी तरह सफल है।

कहानियों से चीजों को बताना आसान होता है, विचार कई बार भ्रमित भी करते हैं और उन्हें समझना सबके बस की बात नहीं। उसे वही ग्रहण कर सकता है जिसकी उस विचार विशेष में रुचि हो। शायद इसीलिए पूज्य सरसंघचालक डा. मोहन भागवत इस बात को रेखांकित करते रहे हैं कि ह्लसंघ को संघ के भीतर आकर ही समझा जा सकता है।ह्व अपनी स्थापना के समय से ही संघ कुछ शक्तियों के निशाने पर रहा है। खासकर आजाद भारत में उसे इसके दंश कई बार भोगने पड़े। श्रीधर पराड़कर का यह उपन्यास उनके अर्जित अनुभवों का बयान भी है। इसलिए इस कृति की विश्वसनीयता बढ़ जाती है। सही मायनों में यह भोगा हुआ सत्य है, जिसकी अनुभूति इसे पढ़ते समय सहज ही होती है।

हम जानते हैं कि श्रीधर पराड़कर, संघ प्रेरित अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री रहे हैं और लंबे समय से सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय हैं। एक लेखक, चिंतक, विचारक और संगठनकर्ता के नाते वे राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध हैं। ऐसे सरोकारी व्यक्ति का लेखन निश्चित ही बहुत सारे सवालों के जवाब लेकर आता है। किसी भी उपन्यास या कहानी की सबसे बड़ी सफलता है उसकी रोचकता। कहानी को सुनने पढ़ने का मन होना। कथारस में बहते चले जाना। विचार और संगठन जैसी बोझिल समझी जाने वाली कथा को भी पराड़करजी ने जिस अंदाज में व्यक्त किया है उसने पुस्तक की पठनीयता बनाए रखी है। यह किताब न सिर्फ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचार तत्व, प्रचारकों की जीवन शैली, संघ के समावेशी चरित्र का बयान करती है बल्कि किस तरह वह समाज परिवर्तन को व्यक्ति परिर्वतन के माध्यम से संभव कर रहा है इसे भी बताती है।

उपन्यास के मुख्य पात्र परितोष बाबू संघ के प्रचारक हैं। प्रचारक परंपरा के बारे में समाज में न्यूनतम जानकारियां हैं। इस किताब में ह्यप्रचारक परंपराह्न जो सामान्य वस्त्रों में रहकर भी ह्यसाधु परंपराह्न का पालन करती है का विषद वर्णन है। समाज जीवन में काम करते हुए आने वाली कठिनाइयों से लेकर, समाज के प्रश्नों का उत्तर भी प्रचारक खोजते हैं। भाषा की रवानी और कथा शैली ऐसी कि संगठन शास्त्र जैसे विषयों को किस्सागोई के साथ कहने में लेखक सफल रहे हैं। पत्रकार अनंत विजय ने किताब के फ्लैप पर ठीक ही लिखा है कि मेरे जानते हिंदी के किसी लेखक ने किसी संगठन को केंद्र में रखकर इस तरह का उपन्यास नहीं लिखा है। यह अभिनव प्रयोग है, जिसके मोहजाल में पाठक का पड़ना तय है।

पुस्तक के आरंभ में ही अपनी रेलयात्रा के माध्यम से परितोष बाबू न सिर्फ अपना स्वभाव, विचार रख देते हैं बल्कि समाज को लेकर अपनी सोच को भी प्रकट करते हैं। पहले दृश्य से बांध लेना इसे ही कहते हैं। यह उपन्यास एक कर्मनिष्ठ प्रचारक की जिंदगी से गुजरते हुए समाज के अनेक प्रश्नों के

उत्तर भी देता चलता है। इसमें जो पात्र हैं वे बहुत सुनियोजित तरीके से कथा के उद्देश्य को पूरा करने में सहयोग करते हैं। विभिन्न पंथों और विचारों से जुड़े पात्रों का संवाद भी परितोष बाबू से होता है। यहां यह भी प्रकट होता है कि वे व्यक्ति से व्यक्ति का संवाद पसंद करते हैं। मुस्लिम युवा अफरोज से संवाद का अवसर आता है तो वे अपने सहयोगी से कहते हैं कि उन्हें बुलाना नहीं हम उनसे मिलने उनके घर जाएंगें। इससे पता चलता है कि संघ की कार्यपद्धति क्या है। जहां वह व्यक्ति से नहीं बल्कि परिवार से जुड़ता है ताकि उनसे सच्चा जुड़ाव हो सके। उनके सुख-दुख अपने हो जाएं।

यह उपन्यास इस अर्थ में विशिष्ठ है कि यह अपने समय और उसके सवालों से जूझता है। उसके ठोस और वाजिब हल खोजने की कोशिशें भी करता है। संवाद के माध्यम से यह उपन्यास जो कहता है उसे बहुत बड़े वक्तव्यों से नहीं समझाया जा सकता। प्रो. संजय कपूर, विदेशी मूल की युवती नोरा, महेश बाबू, अफरोज,सदानंद, अनिता और स्नेहल जैसे पात्रों के बहाने जो ताना-बाना बुना गया है वह अप्रतिम है। सदानंद,अमित और स्नेहल से हुए संवाद में परितोष बाबू जिस तरह संघ से जुड़े सवालों के उत्तर देते हैं,वैसे ही वे समाज और परिवार के मुद्दों पर राय रखते हैं। वे एक ऐसे बुजुर्ग की तरह पेश आते हैं जिस पर सबकी आस्था है। भारतीय परिवारों में बुजुर्गों की भूमिका क्या होनी चाहिए, क्या है इसे भी परितोष बाबू की छवि में देखा जा सकता है। परितोष बाबू जैसे लोग जिन्होंने अपना परिवार नहीं बनाया, उसकी मनोभूमि कैसे तैयार होती है। कैसे वे सब कुछ त्यागकर अपने समाज और देश की बेहतरी के स्वयं को आत्मार्पित कर देते हैं। यह सीखने वाली बात है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में बहुत से बने हुए भ्रमों, दुष्प्रचारों को यह उपन्यास एक जवाब है। भगवा ध्वज को गुरू मानना और सरसंघचालक परंपरा जैसे विषय भी सहज संवाद से सरल लगने लगते हैं।

समकालीन कथासाहित्य में प्रायः एक ही तरह की कहानियां और उपन्यास पढ़कर जिस तरह के मनोविकार और अवसाद उपजते हैं, उसके बीच में यह उपन्यास एक ठंडी हवा के झोंके की तरह है। यह पाठकों को एक संगठन और उसके प्रचारक की कथा तो सुनाता ही है, नए भारत के निर्माण में जुटे राष्ट्रप्रेमियों से भी परिचित कराता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भारतीय समाज के पुनर्गठन की वह प्रयोगशाला है, जो विचार, सेवा और अनुशासन के आधार पर एक सांस्कृतिक राष्ट्र का निर्माण कर रही है। 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की अनोखी भारतीय दृष्टि से उपजा यह संगठन आज अपनी शताब्दी मना रहा है। यह केवल संगठन विस्तार की नहीं, बल्कि भारत के सामाजिक सांस्कृतिक पुनरुत्थान की एक अनवरत यात्रा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को सही निगाहों से देखना और उसका उचित मूल्यांकन किया जाना अभी शेष है, यह उपन्यास उस दिशा में एक सार्थक प्रयास है। (लेखक भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी), नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक हैं और संप्रति माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

लौह पुरुष

एक लौह पुरुष एक जमाने में वो भी था, जिसने देश के बिखरे टुकड़ों को समेटा ,और वर्षों अनंत वर्षों के लिए भारतवर्ष बना दिया ।
एक लौह पुरुष आज का है जो हर दम लोहे, टीनो से घिरा रहता है और उतारू है भारत के टुकड़े-टुकड़े करने को ।
एक लौह पुरुष वो भी था जिसने नकार दिया मृत्यु समाचार को भी और अंत तक लड़ता रहा इंसाफ की लड़ाई ।
एक लौह पुरुष आज का है जो जब तक ना बिकवाई, इज्जत जमीन जायदाद और फिर भी झूठी कहानी गड़ सजा फांसी की कार्रवाई ।
कितना सुंदर होगा वह गुलाम जम्मूदीप जब लड़ते थे, लोग दुश्मन से एक जुट होकर ।
कितना भी बेरंग है आज का भारत जब लड़ते हैं लोग अपनों से ही अलग अलग झुंडों में होकर क्यों ना पीटे मां आज अपनी ही कोख अपनी ही छाती को, क्यों ना रोये वो आंगन वो चूल्हा जब चार बेटों ने बाटी अपनी अपनी कटोरी अपनी अपनी थाली।
बाप बड़ा बेबस है, कमजोर पड़ी हर नस नस है, नजर के चश्मे से भी कुछ नजर अब नहीं आता, इन सफेद, सूखे पड़े बालों का किसी को लिहाजा, तरस नहीं आता।
वाह रे दुनिया, वाह रे इन्सान तू चला है इस सोने कि चिड़िया को बनाने जंग का मैदान,

अनसुनी अनुराधा

अवैध कब्जे और बेघर होता भारतः एक अंतहीन राष्ट्रीय संकट

सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण की समस्या भारत में न तो नई है और न ही किसी एक क्षेत्र तक सीमित। यह एक ऐसी जटिल और बहुआयामी चुनौती है, जो शहरीकरण, पलायन, राजनीतिक स्वार्थ, प्रशासनिक लापरवाही और सामाजिक मजबूरियों के सम्मिलित परिणाम के रूप में सामने आती है। देश के लगभग हर राज्य, हर बड़े शहर और अनेक कस्बों में सरकारी जमीन पर मकान, दुकानें, झुग्गियां, गोदाम, यहां तक कि बड़े-बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान और संस्थान खड़े मिल जाते हैं। वर्षों तक यह सब कुछ खुलेआम होता रहता है, लेकिन जिम्मेदार तंत्र या तो आंखें मूंदे रहता है या जानबूझकर चुप्पी साधे रहता है। जब अचानक विकास परियोजनाओं, सड़क चौड़ीकरण, रेलवे, मेट्रो, औद्योगिक गलियारों या स्मार्ट सिटी योजनाओं की जरूरत सामने आती है, तब सरकार की नींद खुलती है और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू होती है। इस प्रक्रिया में सबसे बड़ा संकट उन लोगों पर टूटता है, जो वर्षों से वहां रह रहे होते हैं और जिनका जीवन, आजीविका, शिक्षा और स्वास्थ्य उसी जमीन से जुड़ चुका होता है। हाउसिंग एंड लैंड राइट्स नेटवर्क जैसे संगठनों के आंकड़े इस समस्या की भयावहता को उजागर करते हैं। वर्ष 2017 से 2023 के बीच साढ़े तीन लाख से अधिक मकानों पर बुलडोजर चलाए गए और करीब सोलह लाख लोग बेघर हुए। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि आने वाले समय में लगभग 1.7 करोड़ लोग ऐसे दायरे में हैं, जिनके घर विकास परियोजनाओं या अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के कारण टूट सकते हैं। इनमें से बड़ी संख्या उन लोगों की है, जिन्होंने अपनी जीवनभर की पूंजी लगाकर घर बनाए, बच्चों को स्कूल में डाला, आसपास रोजगार तलाशा और एक स्थायी जीवन की कल्पना की। जब ये घर टूटते हैं तो केवल दीवारें नहीं गिरतीं, बल्कि पूरे परिवार की सामाजिक और आर्थिक संरचना ढह जाती है।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को प्रायः एक आवश्यक प्रशासनिक कदम के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन इसके मानवीय पक्ष को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। बेघर होना केवल सिर से छत छिनने की समस्या नहीं है, बल्कि यह शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, सम्मान और भविष्य की संभावनाओं पर सीधा प्रहार है। बच्चों की पढ़ाई बीच में छूट जाती है, महिलाएं असुरक्षा और अस्थिरता के भय में जीने लगती हैं, बुजुर्ग इलाज और सहारे से वंचित हो जाते हैं और पुरुष वर्ग बेरोजगारी तथा मानसिक तनाव से जूझने लगता

है। पुनर्वास योजनाएं कागजों पर तो आकर्षक लगती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में वे या तो अधूरी होती हैं या इतनी दूरस्थ जगहों पर लागू की जाती हैं कि वहां रोजगार और बुनियादी सुविधाओं का अभाव रहता है। इस पूरी समस्या का एक कड़वा सच यह भी है कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण एक दिन या एक रात में नहीं हो जाता। यह एक लंबी प्रक्रिया होती है, जिसमें प्रशासनिक उदासीनता, स्थानीय स्तर पर मिलीभगत और राजनीतिक संरक्षण की बड़ी भूमिका होती है। जब गांवों से पलायन कर गरीब परिवार शहरों की ओर आते हैं, तो उन्हें सबसे पहले सस्ती या खाली जमीन की तलाश होती है। सरकारी जमीन इस दृष्टि से सबसे आसान निशाना बनती है। पहले अस्थायी झोपड़ियां खड़ी होती हैं, फिर धीरे-धीरे पक्के मकान, दुकानें और अन्य निर्माण होने लगते हैं। सरकारी एजेंसियां एवं जिम्मेदार तो तब ही हरकत में आते हैं जब या तो कोई हादसा होता है या फिर विकास कार्यों के दौर में इन्हें हटाने की जरूरत पड़ती है। महज सात साल में 16 लाख लोगों के बेघर होने का आंकड़ा छोटा नहीं है। इनमें भी 58 प्रतिशत से ज्यादा के बेघर होने की वजह अतिक्रमण ही है। सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के मामलों की मिलीभगत से अनदेखी होती है, यह भी किसी से छिपा नहीं है। बिजली, पानी, राशन कार्ड और वोटर आईडी जैसी सुविधाएं भी किसी न किसी रास्ते से मिल जाती हैं, जिससे यह अतिक्रमण धीरे-धीरे ह्यवैधताह्न का भ्रम पैदा करने लगता है।

इस पूरी प्रक्रिया में भू-माफिया की भूमिका भी बेहद खतरनाक है। वे सरकारी जमीनों की पहचान कर गरीबों को वहां बसाते हैं, उनसे पैसे वसूलते हैं और बाद में राजनीतिक संरक्षण के जरिए उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रखते हैं। चुनाव आते ही ये बस्तियां वोट बैंक में बदल जाती हैं। इस राजनीतिक खेल में न तो कानून की प्रतिष्ठा बचती है और न ही आम नागरिकों का भविष्य सुरक्षित रहता है। अतिक्रमण हटाने के बाद होने वाले नुकसान को यदि समग्र रूप से देखा जाए तो यह केवल प्रभावित परिवारों का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे देश का नुकसान है। एक ओर लोग अपने सीमित संसाधनों से घर बनाते हैं, दूसरी ओर सरकार अतिक्रमण हटाने पर भारी खर्च करती है। यदि शुरूआत में ही सरकारी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, समय पर निगरानी हो और अवैध कब्जे को बढ़ने से रोका जाए, तो यह दोहरा नुकसान टाला जा सकता है। दुर्भाग्य से हमारे यहां किसी परियोजना की घोषणा और उसके क्रियान्वयन के बीच लंबा अंतराल रहता है, जिसका फायदा अतिक्रमणकारी उठाते हैं। वर्षों तक जमीन खाली पड़ी रहती है और देखते ही देखते वहां एक पूरी बस्ती खड़ी हो जाती है।

विकास के लिए कई बार राह में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए विध्वंस की कार्रवाई जरूरी हो जाती है। लेकिन इस समस्या के समाधान के लिए केवल बुलडोजर चलाना पर्याप्त नहीं है। जरूरत एक ऐसी दूरदर्शी नीति की है, जिसमें अतिक्रमण रोकने की व्यवस्था शुरूआत से ही सख्त और प्रभावी हो। सरकारी जमीनों का डिजिटल रिकॉर्ड, नियमित सर्वेक्षण, स्थानीय प्रशासन की जवाबदेही और दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई इस दिशा में जरूरी कदम हो सकते हैं। साथ ही शहरी गरीबों के लिए सस्ती आवास योजनाओं को वास्तविक जरूरतों के अनुरूप और रोजगार के करीब लागू करना भी उतना ही जरूरी है, ताकि वे मजबूरी में अवैध कब्जे की ओर न जाएं। राजनीतिक दलों को भी इस मुद्दे पर ईमानदार आत्ममंथन करना होगा। वोट बैंक की राजनीति के लिए अवैध अतिक्रमण को संरक्षण देना अंततः समाज और शासन दोनों के लिए घातक सिद्ध होता है। यदि कानून का पालन सभी के लिए समान रूप से हो और अवैध कब्जे को किसी भी स्तर पर समर्थन न मिले, तो ऐसी स्थितियां स्वतः कम होंगी। सरकारी भूमि जनता की साझा संपत्ति है और इसका उपयोग योजनाबद्ध विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के लिए होना चाहिए, न कि अव्यवस्था और अवैध कब्जों के लिए। अंततः सवाल यही है कि क्या हम समस्या के मूल कारणों पर गंभीरता से विचार करेंगे या हर बार बुलडोजर के बाद कुछ दिनों की संवेदना दिखाकर आगे बढ़ जाएंगे। यदि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की प्रवृत्ति को समय रहते नहीं रोका गया, तो आने वाले वर्षों में बेघर होने वालों की संख्या और बढ़ेगी, सामाजिक असंतोष गहराएगा और विकास का दावा खोखला साबित होगा। जरूरत इस बात की है कि सरकार, प्रशासन, राजनीतिक दल और समाज मिलकर इस जटिल समस्या का मानवीय, न्यायपूर्ण और दूरगामी समाधान तलाशें, ताकि विकास भी हो और किसी का जीवन उजड़ने से भी बच सके।

समुचित देश एवं विभिन्न प्रांतो में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके लोगों ने न केवल अपने मकान बने कुछ भी खड़े कर लिए हैं कुछ व्यापारिक संस्थान और कुछ संस्थाएं भी संचालित हो रही है जब सरकार की नींद खुलती है तो इन सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण करके बनाए गए मकान में रहने वाले लोगों को बेघर किया जाता है या उन्हें अन्यत्र बसाने की योजनाएं लागू की जाती है जिससे इन परिवारों और उनके सदस्यों की न केवल बेघर होने की समस्या खड़ी होती है बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं भी खड़ी होती है इन गतिविधियों को संचालित करने में विभिन्न राजनीतिक दलों को अपना वोट वोट बैंक दिखाई देता है और यह राजनीतिक दल ही ऐसी सरकारी भूमि पर लोगों को बचाने के षड्यंत्र करते हैं फिर उन्हें विस्थापित होने पर आंदोलन खड़े किए जाते हैं और अन्यत्र बसाने की मांग की जाती है यह भारत की एक जटिल समस्या है। क्यों नहीं सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा होने की स्थितियों को सरकार पहले से ही गंभीरता से लेती?

संक्षिप्त समाचार

सीमेंट व्यापारी को खोज रहे थे बदमाश पहुंच गए रिटायर्ड लेखपाल के घर- दो संदिग्ध हिरासत में

गोरखपुर , एजेंसी। घटना के बाद से आसपास के लोग भी सहमे हुए हैं। पीड़ित के पटीदार राजेश सिंह ने बताया कि उनकी सीमेंट की दुकान है। अब ऐसी आशंका जताई जा रही है कि बदमाश संभवत उनकी सीमेंट की दुकान को निशाना बनाने आए थे क्योंकि दोनों मकानों के गेट एक जैसे ही हैं। एम्स थाना क्षेत्र के रजही मौर्या टोला में सोमवार शाम रिटायर्ड लेखपाल बालेंद्र सिंह व परिवार को बंधक बनाकर लूट से इलाके में दहशत है। बताया जा रहा है कि बदमाश किसी सीमेंट व्यापारी के बारे में पूछ रहे थे। घटना के बाद से पीड़ित परिवार डरा हुआ है। पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मामले में चार अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट की धारा में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पीड़ित बालेंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि सोमवार शाम करीब छह बजकर 42 मिनट पर दो बाइकों से चार बदमाश उनके घर पहुंचे और गेट की घंटी बजाई। उन्हें लगा कि कोई कुरियर वाला आया है। जैसे ही गेट खोला, बदमाशों ने सीमेंट का रुपया मांगना शुरू कर दिया। बताया कि उनकी कोई दुकान नहीं है, तभी एक बदमाश ने उनके सिर पर पिस्टल की बट से वार कर फोड़ दिया। अन्य तीन बदमाश जबरन उन्हें घर के अंदर ले गए। इसके बाद उन्हें एक कमरे में बंद कर दिया।बदमाशों ने मकान के तीन कमरों में रखीं अलमारियों की चाबियां लेकर जेवर और करीब चार लाख रुपये नकद निकाल लिए। इस दौरान परिवार की महिलाओं के पहने हुए जेवर भी ले लिए और उन्हें भी एक कमरे में बंद कर दिया। एक अलमारी के लॉकर की चाबी नहीं मिलने पर बदमाशों ने दबाव बनाना शुरू कर दिया। आरोप है कि बदमाशों ने डेढ़ साल के पोते के गले पर तमंचा और चाकू सटाकर धमकी दी कि चाबी नहीं मिली तो बच्चे को मार देंगे। मजबूरी में बालेंद्र सिंह ने लॉकर तोड़ने की बात कही। इसके बाद बदमाशों ने लॉकर तोड़कर उसमें रखा सामान भी लूट लिया। बदमाशों ने जाते-जाते धमकी दी कि यदि पुलिस को सूचना दी गई तो पूरे परिवार को जान से मार दिया जाएगा।बालेंद्र सिंह ने बताया कि यदि उन्होंने जरा भी विरोध किया होता तो शायद बदमाश पूरे परिवार की हत्या कर देते। बताया कि बदमाशों की भाषा और लहजा पूरी तरह स्थानीय था। इससे वे आसपास के ही रहने वाले हो सकते हैं।

टेंपो में गाने पर विवाद के बाद की दोस्ती...फिर शराब पिलाकर मारा

मेरठ , एजेंसी। यूपी के मेरठ में टेंपो में गाना बजाने से मना करने पर टेंपो चालक और उसके साथियों ने मुजफ्फरनगर शहर के हनुमान चौक किला मोहल्ला निवासी रोहित उर्फ रोनू (28) पुत्र सुरेंद्र की हत्या कर दी। आरोपियों ने साक्ष्य मिटाने के इरादे से शव को रार्धना-अक्खेपुर मार्ग पर स्कूल के पास जला दिया। हालांकि शव पूरी तरह जल नहीं सका। परिजनों ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर उसकी पहचान की। रोहित की मौसी मदनवती की तहरीर पर सरधना थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने टेंपो को कब्जे में लेकर कुछ युवकों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। सरधना थाना क्षेत्र के गांव ज्वालागढ़ निवासी अंकित कश्यप के अनुसार, उसका मौसेरा भाई रोहित मुंबई में शादी समारोह में हलवाई का काम करता था। सोमवार को वह मुंबई से घर लौटा था और शाम को मौसी के घर ज्वालागढ़ जाने के लिए गांव दादरी से टेंपो में बैठा था। रास्ते में टेंपो में नाबालिग चालक ने गाना चलाया तो उसने मना किया। इस बात पर उसका चालक से विवाद हो गया। बाद में समझौता हो गया और दोनों ने सलावा में शराब खरीदी। शराब पीने और चाउमीन खाने के बाद वे रार्धना चौराहे पहुंचे, यहां फिर से शराब पी। इसी दौरान दोनों के बीच फिर से दोबारा कहासुनी और मारपीट हो गई। आरोप है कि चालक ने ईंट या किसी भारी वस्तु से सिर पर वार कर रोहित की हत्या कर दी। इसके बाद शव को अक्खेपुर-रार्धना मार्ग स्थित किसान पब्लिक स्कूल के पास जला दिया। चौकीदार ने शव जलता देख मचाया शोर सोमवार देर रात स्कूल के चौकीदार जनक सिंह ने दीवार के पास आग जलती देखी। पास जाकर देखने पर एक युवक की लाश जलती मिली। इसके बाद शोर मचाया। सूचना पर ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आग से शव बाहर निकाला लेकिन तब तक उसका ऊपरी हिस्सा जल चुका था। सिर से खून निकलने के निशान मिलने पर ग्रामीणों ने हत्या से पहले मारपीट की आशंका जताई। मौके से शराब की बोतलें और अन्य सामान भी बरामद हुआ। सूचना पर रात में ही एसपी देहात अभिजीत कुमार, सीओ सरधना आशुतोष कुमार और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। स्कूल के सीसीटीवी कैमरे में कोहरा छाया होने के कारण कोई ठोस सुराग नहीं मिला। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हत्या के बाद हत्यारोपियों ने इंसानियत की सारी हदें पार कर दीं। आसपास खड़े पेड़ों से सूखे पत्ते इकट्ठा किए गए और कपड़ों की कतरनों के साथ रोहित के शव को आग के हवाले कर दिया गया। मौके की स्थिति देखकर साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह सब कुछ सोच-समझकर साक्ष्य मिटाने के इरादे से किया गया।

केजीएमयू की महिला डॉक्टर केस में नया खुलासा

डा. रमीज के पिता ने कहा- छांगुर से प्रभावित था वह

लखनऊ , एजेंसी। केजीएमयू की महिला रेजीडेंट के यौन शोषण और धर्मांतरण के प्रयास के मामले में चौकाने वाला खुलासा हुआ है। आरोपी डॉ. रमीज के माता पिता को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में आरोपियों ने बताया है कि रमीज धर्मांतरण गिरोह के सरगना बलरामपुर निवासी छांगुर से प्रभावित था। छांगुर के पकड़े जाने के बाद से रमीज परेशान था।

पुलिस अब रमीज और छांगुर के कनेक्शन की छानबीन कर रही है। सूत्रों का कहना है कि रमीज की एक मौलवी के माध्यम से छांगुर से मुलाकात हुई थी। बताया जा रहा है कि उस मौलवी ने भी पीड़िता पर धर्मांतरण के लिए दबाव बनाया था। चौक पुलिस ने छांगुर के कनेक्शन को ध्यान में रखते हुए खुफिया एजेंसियों को मामले की जानकारी दी है। पुलिस पिछले एक साल में रमीज कहां-कहां गया, इसके बारे में पता लगा रही है। आरोपी की कॉल डिटेल रिकॉर्ड से कई अहम सुराग मिले हैं। रमीज के विदेश में भी कुछ लोगों से बातचीत के साक्ष्य मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद रमीज विदेश भाग गया है। पुलिस को आरोपी की अंतिम लोकेशन लखनऊ में ही मिली थी। हालांकि, आरोपी का फोन दोबारा ऑन नहीं हुआ, जिसके कारण उसकी लोकेशन का पता नहीं चल पा रहा है।

काजी के पकड़े जाने के बाद खुलेंगे राज

सूत्रों का कहना है कि रमीज ने साजिश के तहत पहली पीड़िता का धर्मांतरण कराया था। इस मामले में पुलिस रमीज के पिता उत्तराखंड उधमसिंह नगर खटीमा निवासी सलीमुद्दीन, मां खदीजा को गिरफ्तार करने के बाद पीलीभीत निवासी निकाह करने वाले काजी सैय्यद जाहिद हसन की तलाश कर रही है। माना जा रहा है कि काजी के पकड़े जाने के बाद गिरोह का खुलासा होगा। काजी ने और कितनी महिलाओं का धर्मांतरण कराया है, इसके बारे में भी जानकारी की जाएगी। उधर, पुलिस की एक टीम धर्मांतरण के गवाह शारिक खान की तलाश में दबिश दे रही है।

आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से उठे सवाल

इस मामले में आरोपी के नहीं पकड़े जाने से पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस ने एफआईआर दर्ज होने के बाद आरोपी को पूछताछ के लिए हिरासत में भी नहीं लिया था। आरोपी केजीएमयू में मौजूद था, लेकिन उसे नहीं पकड़ा गया। इसके बाद रमीज मौका पाकर भूमिगत हो गया। आरोपी के नहीं पकड़े जाने से कई संगठनों ने नाराजगी जताई है।

केजीएमयू में रेजिडेंट डॉक्टर पर शादी से पहले धर्म बदलने का दबाव बनाने के आरोपी डॉ. रमीज मलिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो चुकी है। उसकी पहली पत्नी के बयान के आधार पर उसके माता-पिता को भी धर्मांतरण करवाने के आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी रेजिडेंट डॉ.रमीज मलिक की पोल तब खुली जब केजीएमयू की ही रेजिडेंट डॉक्टर ने उस पर शादी करने से पहले उस पर धर्म बदलने का दबाव बनाने का आरोप लगाया। पुलिस ने जब आरोपी डॉक्टर की कॉल डिटेल निकाली तो पता चला कि वह अन्य धर्म की 15 अन्य रेजिडेंट डॉक्टर के संपर्क में था। इसके पीछे असल कहानी धर्मांतरण के बदले मोटी रकम मिलने की भी है।

केजीएमयू में चर्चा है कि दिल्ली निवासी डॉक्टर का धर्मांतरण करवाने के एवज में उसे 15 लाख रुपये मिले थे। नॉन मेडिकोज का धर्मांतरण करवाने पर महज पांच लाख रुपये ही मिलते हैं। इसी वजह से रमीज एक साथ काफी रेजिडेंट डॉक्टरों के संपर्क में था। कॉल डिटेल में सामान्य कामकाज वाले समय के बाद भी इन रेजिडेंट से लंबी बातचीत मिली है।

उपलब्धि: काशी में पहली बार 1.07 लाख वर्ग मीटर का स्वीकृत किया गया लेआउट

वाराणसी , एजेंसी। काशी में पहली 1,07,528.47 वर्ग मीटर क्षेत्रफल का लेआउट स्वीकृत किया गया। वीडीए उपाध्यक्ष पुर्ण बोरा ने बताया कि डॉक्टर्स कॉलोनी के निर्माण के लिए मौजाङ्कोइराजपुर और शहाबुद्दीनपुर, परगनाङ्कअठगवां में लेआउट को मात्र सात दिन में स्वीकृति दी गई। कहा कि शहर के सुव्यवस्थित और नियोजित विकास को गति देते हुए वीडीए ने महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है।

वीडीए से अब तक 10 हजार वर्ग मीटर क्षेत्रफल के लेआउट स्वीकृत कराते थे। ऐसा पहली बार हुआ है। यह लेआउट डॉ. संजय कुमार राय ने श्री कृष्णा धन्वंतरी सहकारी आवास समिति लिमिटेड की ओर से प्रस्तुत किया था। मानकों और प्राधिकरण के नियमानुसार प्रस्तुत किए गए अभिलेखों के परीक्षण के बाद त्वरित और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत स्वीकृति दी गई।

फेरी दुकानदार की झोपड़ी में लगी आग

मोहनलालगंज, एजेंसी। पचौरी गांव में मंगलवार सुबह फेरी दुकानदार की झोपड़ी में अचानक आग लग गई। इसकी चपेट में आकर गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। समय रहते परिवार के सभी सदस्य झोपड़ी से बाहर आ गए, जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

पचौरी गांव के सूरज गांव-गांव फेरी लगाकर रेडीमेड कपड़े बेचते हैं। सूरज के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब पांच बजे वह पिता बेचालाल, मां विशुनदेई और बहन पूनम के साथ टिनशेड की झोपड़ी में सो रहे थे। अचानक वहां आग लग गई। परिवार के लोग शोर मचाते हुए बाहर निकल आए।

आसपास के ग्रामीणों की मदद से बाल्टी और सबमर्सिबल पंप के जरिये पानी डालकर आग पर काबू पाया गया। टिनशेड के नीचे रखा रेडीमेड कपड़े, अनाज और अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गया। ग्राम प्रधान नीता यादव की सूचना पर पहुंचे लेखपाल ने नुकसान का आकलन कर तहसील प्रशासन को रिपोर्ट भेज दी है। सूरज ने आग की घटना में साजिश की आशंका जताई है।

एसडीएम पवन पटेल ने बताया कि घटना में गृहस्थी का सामान जलने से आर्थिक नुकसान हुआ है। लेखपाल की रिपोर्ट के आधार पर पीड़ित परिवार की यथासंभव सहायता की जाएगी। हुलास खेड़ा चौकी इंचार्ज अनूप सिंह के मुताबिक आग लगने का कारण पता नहीं चल सका है। जांच की जा रही है। दुकानदार ने तहरीर नहीं दी है।

चीफ इंजीनियर के घर के पोर्च में लगी आग, दो कारें व बाइक जली

लखनऊ, एजेंसी। आशियाना के सेक्टर-के में मंगलवार शाम 6~30 बजे विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह आवास के पीछे मर्चेंट नेवी में चीफ इंजीनियर प्रत्यूष दीक्षित के घर के पोर्च में आग लगने से वहां खड़ी दो कारें व हार्ले डेविडसन बाइक जल गई। सूचना पर पहुंची आलमबाग फायर स्टेशन की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

प्रत्यूष दीक्षित वर्तमान में चेन्नई में कार्यरत हैं। घर पर उनकी पत्नी सोनल और दो बच्चों थे। मुख्य अग्निशमन अधिकारी मंगेश कुमार का कहना था कि संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी है। कोई जनहानि नहीं हुई है।

पदोन्नति सहित 17 सूत्रीय मांगों पर अमल न होने पर हड़ताल की चेतावनी

लखनऊ, एजेंसी। निशातगंज स्थित बेसिक शिक्षा निदेशक कार्यालय पर मंगलवार को यूपी एजुकेशनल मिनिस्ट्रियल ऑफिसर्स एसोसिएशन के बैनर तले कर्मचारियों ने धरना-प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने शासन स्तर पर लंबित 18 प्रकरणों और निदेशालय स्तर पर पदोन्नति सहित 17 सूत्रीय मांगों पर शीघ्र निर्णय की मांग की। मांगें पूरी न होने पर आंदोलन और हड़ताल की चेतावनी दी गई।

एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष विवेक यादव ने कहा कि जिला और मंडल स्तर पर किए गए प्रदर्शन के बावजूद विभाग ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। ऐसे में कर्मचारियों को मजबूरन निदेशालय स्तर पर धरना देना पड़ रहा है। प्रांतीय उपाध्यक्ष अवधेश यादव ने बताया कि प्रधान सहायक, प्रशासनिक अधिकारी, वैयक्तिक सहायक ग्रेड-एक एवं ग्रेड-दो के पदों पर पदोन्नति आदेश जारी करने में अनावश्यक विलंब किया जा रहा है। मंडल और जिला स्तर पर पद सृजित नहीं किए गए हैं, जबकि कर्मचारियों से संबद्ध कर कार्य लिया जा रहा है। इसके अलावा राजकीय सेवाओं को पेंशन सेवा में न जोड़कर कर्मचारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है।

कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर संज्ञान नहीं लिया गया तो 12 जनवरी को शिक्षा निदेशक (माध्यमिक), 19 जनवरी को महानिदेशक स्कूल शिक्षा कार्यालय तथा 28 जनवरी से अनिश्चितकालीन आंदोलन किया जाएगा। आंदोलन की संपूर्ण जिम्मेदारी शासन और विभाग के उच्चाधिकारियों की होगी। धरने में बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

कल्याण सिंह कैंसर संस्थान में पीईटी स्कैन जांच की मशीन लगी

लखनऊ , एजेंसी। कल्याण सिंह अति विशिष्ट कैंसर संस्थान में पीईटी स्कैन जांच की मशीन लग गई है। निदेशक प्रो. एमएलबी भट्ट ने बताया कि संस्थान में यह जांच करीब 11 हजार रुपये में होगी। निजी केंद्र पर इसकी फीस 20 हजार रुपये के करीब है।

संस्थान के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वरुण विजय ने बताया कि डिजिटल पेट सीटी स्कैनर से कैंसर रोगियों में कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी के प्रति रोग की प्रतिक्रिया का आकलन ज्यादा सटीक और प्रभावी ढंग से किया जाता है। अभी तक संस्थान में इस जांच की सुविधा न होने से मरीजों को निजी केंद्रों पर भेजा जाता था।

पेट स्कैन जांच के लिए आयुष्मान भारत के लाभार्थियों के लिए फीस 10,450 रुपये रखी गई है। अन्य योजनाओं के लिए फीस करीब 11 हजार रुपये है। मौके पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से डॉ. आरएस यादव के साथ संस्थान के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विजेंद्र कुमार और न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

माघ मेले में काम दिलाने के नाम पर खुलवाए 48 बैंक खाते, 29 में लेनदेन का शक ; जांच में हुआ खुलासा

मिर्जापुर , एजेंसी। साइबर ठगी के करोड़ों रुपये ठिकाने लगाने के लिए यूको बैंक में मलाधरपुर गांव के 48 लोगों के खाते खोले गए। 29 खातों में ठगी के रुपयों के लेनदेन का शक है। ग्रामीणों को माघ मेले में अच्छा काम दिलाने व मजदूरी का झांसा दिया गया था। जांच में पता चला कि कुछ खातों में एक से तीन लाख रुपये तक जमा किए गए और उसके बाद निकासी की गई। इस मामले में चील्ह थाने में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

थाने में तहरीर देने वाले क्षेत्र पंचायत सदस्य भारतेंदु यादव ने बताया कि दिसंबर 2025 में एक व्यक्ति ने कुछ मजदूरों को माघ मेले में अच्छा काम दिलाने और मजदूरी का लालच देकर उनके नाम से सिम लिए और फिर यूको बैंक में खाते खुलवाए।

सिम, एटीएम कार्ड और पासबुक अपने पास रख ली। विश्वास हासिल करने के लिए आरोपी ने अपना फर्जी आधार कार्ड ग्रामीणों को दिया। आरोपी ने ग्रामीणों को अपने अलग अलग नाम ताए थे। गांव के कुछ युवाओं ने शक होने पर खुद के आधार कार्ड से दोबारा उसी नंबर का सिम लिया तो पता चला कि उनके खाते में रुपयों का लेन-देन हो रहा है।

साइबर ठगी के लिए पहले से ही मिर्जापुर के विभिन्न थानों में प्राथमिकी दर्ज है। प्राथमिक जांच में विभिन्न खातों में करोड़ों रुपये के लेन-देन के सुबूत मिले हैं। कटरा कोतवाली, शहर कोतवाली और चुनार थाने में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई। चील्ह क्षेत्र में आए नए मामले के तार चुनार क्षेत्र में सक्रिय पुराने गैंग से तो नहीं जुड़ रहे हैं। पुलिस जांच में जुटी है। मिर्जापुर में 10 से ज्यादा खातों में ठगी से अर्जित 20 करोड़ से ज्यादा के लेन देन मामले में पहले ही संदीप सिंह पटेल सहित सात लोगों के खिलाफ देहात कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज है। दिलीप विश्वकर्मा की तहरीर पर पांच अक्तूबर को संदीप सिंह पटेल निवासी टकटकपुर खैरा निवासी कछवां, रजनीश मिश्रा निवासी भुईली पांडेय थाना पड़री, विकास यादव निवासी दुबेपुर थाना पड़री, शिवम सिंह निवासी प्रेमापुर थाना चुनार, निखिल सिंह, अरमान सिंह, सोनू और अज्ञात पर मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

पेट में छोड़ा सर्जिकल औजार: 13 डॉक्टरों पर एफआईआर

लखनऊ , एजेंसी। लखनऊ के ठाकुरगंज स्थित एरा मेडिकल कॉलेज के 13 डॉक्टरों और दो मालिकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों ने सर्जिकल औजार महिला के पेट में ही छोड़ दिया और शिकायत के बावजूद इस गंभीर भूल को नजरअंदाज किया। पीड़िता ने बाद में दूसरे अस्पताल से औजार निकलवाया।

आईआईएम क्रॉसिंग स्थित एल्डिको सिटी ब्रिज अपार्टमेंट निवासी रूपा शर्मा के अनुसार जनवरी 2023 में पेट दर्द की शिकायत पर वह एरा मेडिकल कॉलेज पहुंचीं। डॉक्टरों ने 27 फरवरी 2023 को ऑपरेशन किया। आरोप है कि टांके पक जाने से 17 मार्च 2023 को दोबारा ऑपरेशन किया और 23 मार्च को डिस्चार्ज कर दिया गया। घर आने पर भी पेट दर्द दूर नहीं हुआ। उन्होंने फिर से एरा में डॉक्टरों को दिखाया तो दर्द निवारक दवा दे दी गई।

आरोप है कि दो अगस्त को अस्पताल में अल्ट्रासाउंड में पेट में सर्जिकल औजार होने का पता चला, लेकिन डॉक्टरों ने इस बात को दबाकर झूठी रिपोर्ट बना दी। आठ अगस्त को रूपा ने दूसरे अस्पताल में दिखाया। सीटी स्कैन में पेट में सर्जिकल औजार होने की पुष्टि हुई। 20 अगस्त को ऑपरेशन कर इसे निकाला गया। पीड़िता का आरोप है कि एरा मेडिकल कॉलेज ने इलाज के नाम पर उनसे पांच लाख रुपये भी ऐंठ लिए।

डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर ठाकुरगंज थाने में सोमवार को एरा की डॉ. सुमन, डॉ. नूपुर सर्जन, असिस्टेंट जेआर डॉ. श्रित्या कश्चि, डॉ. आयुष वर्मा, कंसल्टेंट डॉ. अहमद अंसारी, डॉ. ओसामान मूसा हिंगोरा, डॉ. वकार, डॉ. सिद्दीकी, डॉ. पृथ्वी, डॉ. देसना, डॉ. जमाल मसूद, डॉ. सुरजीत बासु, डॉ. फरजाना के अलावा मालिक मोहसिन अली खान और मीसम अली खान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। जल्द पीड़िता का बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

जिम्मेदारों ने नहीं सुनी तो ली कोर्ट की शरण: रूपा वर्मा ने एफआईआर में आरोप लगाया है कि मामले में उन्होंने 27 अगस्त को पुलिस आयुक्त और 28 अगस्त को थानाध्यक्ष, सीएमओ और जिलाधिकारी को शिकायत भेजी थी। इस पर अधिकारियों ने कोई सुनवाई नहीं की। आखिर में मजबूर होकर उन्हें कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। अदालत ने एफआईआर दर्ज कराने का आदेश दिया।

एरा लखनऊ मेडिकल कॉलेज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ब्रिगेडियर डॉ. सुरजीत बासु (सेवानिवृत्त) का कहना है कि आरोप निराधार है। जांच में सच सामने आ जाएगा। एरा मेडिकल कॉलेज उपचार और चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता से समझौता नहीं करता है। कोरोना कालखंड में देशभर ने एरा की कार्यशैली की सराहना की थी।

एसबीआई फोकस्ड फंड, लंबी अवधि का निवेश बनाता है करोड़पति

नई दिल्ली । म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले कई लोग जल्दी रिटर्न की उम्मीद करते हैं, लेकिन असली फायदा लंबे समय तक निवेश बनाए रखने से मिलता है। एसबीआई फोकस्ड फंड इसका बेहतरीन उदाहरण है। यह फंड लगातार बेहतर प्रदर्शन करता आया है और निवेशकों को समय के साथ मजबूत कॉर्पस बनाने में मदद करता है। अगर किसी निवेशक ने 20 साल पहले हर महीने 10,000 रुपए की एसआईपी शुरू की होती, तो आज उसका निवेश लगभग 1.54 करोड़ रुपए बन चुका होता। यह साबित करता है कि नियमित निवेश और कंपाउंडिंग समय के साथ कितना प्रभावशाली हो सकता है। बीते 3, 5, 10 और 20 वर्षों में फंड ने एसआईपी निवेशकों को औसतन 16 फीसदी से अधिक का सालाना रिटर्न दिया। 3 साल की एसआईपी पर 18.56, 5 साल पर 16.04 और 10 साल पर 16.09 फीसदी सीएजीआर मिला। फंड का लंपसम निवेश में भी मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि आम निवेशकों के लिए एसआईपी ज्यादा सुरक्षित और बेहतर तरीका है, क्योंकि यह बाजार की उतार-चढ़ाव के असर को कम करता है।

भारत फंसे कर्ज घटाने में दुनिया में सबसे आगे

नई दिल्ली ।

जुलाई-सितंबर 2025 की तिमाही में भारतीय बैंकों का फंसा कर्ज (एनपीए) घटकर 2-4 फीसदी पर आ गया है। 2015 में यह 5.9 फीसदी था। पिछले एक दशक में 3.5 प्रतिशत अंकों की गिरावट दर्ज की गई है, जो वैश्विक स्तर पर किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तुलना में तेज है। बैंकों ने कर्ज वसूली और एनपीए प्रबंधन के लिए कड़े उपाय अपनाए हैं। साथ ही आरबीआई की निगरानी, वित्तीय संस्थानों की सुधार प्रक्रिया और स्वच्छ कर्ज नीति ने भी योगदान दिया। एनपीए में गिरावट न केवल बैंकिंग क्षेत्र की वित्तीय सेहत सुधारती है, बल्कि यह पूरी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत भी है। विशेषज्ञ इसे बैंकिंग सुधार का सबसे बड़ा उदाहरण मान रहे हैं।

आरबीआई का बैंक पर्यवेक्षण सूचकांक बढ़ा

मुंबई ।

भारतीय` रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सितंबर तिमाही में अपने बैंक पर्यवेक्षण आंकड़ा गुणवत्ता सूचकांक (एसडीक्यूआई) को 90.7 बताया, जो अप्रैल-जून तिमाही के 89.9 की तुलना में बढ़ा है। यह संकेत है कि बैंकों ने वित्तीय आंकड़े अधिक सटीक, समय पर और पूर्णता के साथ जमा किए। एसडीक्यूआई का उद्देश्य यह जांचना है कि बैंक आरबीआई के पर्यवेक्षण रिटर्न नियमों का कितना पालन कर रहे हैं। यह सूचकांक बैंकों की निगरानी और जांच में केंद्रीय बैंक के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है। आरबीआई के अनुसार एसडीक्यूआई स्कोर का वर्गीकरण इस प्रकार है- 70 से कम गंभीर चिंता, 70-80 सुधार की जरूरत, 80-90 स्वीकार्य एवं 90 से अधिक अच्छा। सितंबर 2025 तिमाही में किसी भी बैंक का स्कोर 80 से कम नहीं था, जो सकारात्मक संकेत है। यह सूचकांक 87 बैंकों के आंकड़ों को शामिल करता है, जिसमें ऋण की गुणवत्ता, जोखिम प्रबंधन, नकदी स्थिति और पूंजी पर्याप्तता शामिल हैं।

दिसंबर 2025 में सोना-चांदी के ईटीएफ में एयूएम 2 लाख करोड़ के पार

साल की शुरुआत में एयूएम केवल 57,000 करोड़ रुपए थी

नई दिल्ली । सोने और चांदी के एक्सचेंज ट्रेडेड फंडों (ईटीएफ) की संयुक्त प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) दिसंबर 2025 में पहली बार 2 लाख करोड़ रुपये के पार चली गईं। साल की शुरुआत में यह केवल 57,000 करोड़ रुपये थी, जो सितंबर तक लगभग दोगुनी होकर 1 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। केवल चार महीनों में एयूएम में इतनी तेजी रिकॉर्ड निवेश और कीमती धातुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि के कारण हुई। दिसंबर में गोल्ड ईटीएफ में 11,700 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि सिल्वर ईटीएफ में निवेश दोगुना से अधिक बढ़कर 4,700 करोड़ रुपये हुआ। 2025 में कुल शुद्ध निवेश गोल्ड ईटीएफ में 43,000 करोड़ रुपये और सिल्वर ईटीएफ में 24,200 करोड़ रुपये रहा। गोल्ड ईटीएफ की निवेश दर म्युचुअल फंड श्रेणियों में फ्लेक्सी कैप फंड के बाद दूसरे स्थान पर रही। 2025 में सोने की कीमत में 75 फीसदी और चांदी की कीमत में 168 फीसदी की वृद्धि हुई। भू-राजनीतिक

तनाव, ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद, डॉलर का नरम होना सोने की मांग बढ़ाने वाले मुख्य कारण रहे। चांदी की कीमतों को मजबूत औद्योगिक मांग और आपूर्ति बाधाओं ने सहारा दिया। सोने के ईटीएफ फोलियो में पहले 11 महीनों में 53 फीसदी वृद्धि, जबकि चांदी में चार गुना वृद्धि दर्ज हुई। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश की यह तेजी दीर्घकालिक संरचनात्मक कारणों से प्रेरित है, और कीमती धातुओं की कीमतों में उछाल लंबे समय तक कायम रह सकता है।

भारत के ट्रैक्टर उद्योग ने 2025 में दर्ज की मजबूत बिक्री

996,633 ट्रैक्टरों की रिटेल बिक्री हुई, 2026 में भी मजबूत मांग की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारत का ट्रैक्टर उद्योग वित्त वर्ष कैलेंडर वर्ष 2025 को मजबूती के साथ समाप्त करने में सफल रहा। फाडा रिसर्च के अनुसार इस दौरान 996,633 ट्रैक्टरों की रिटेल बिक्री हुई, जो 2024 की 893,706 यूनिट की बिक्री से 11 प्रतिशत से अधिक है। बिक्री लगभग 10 लाख यूनिट तक पहुंच गई, जिससे उद्योग की स्थिर मांग का संकेत मिलता है। मजबूत कृषि अर्थव्यवस्था, बेहतर ग्रामीण नकदी प्रवाह और अनुकूल फसल उत्पादन ने इस वृद्धि में योगदान दिया। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमऐंडएम) ने अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाकर 23.88 प्रतिशत कर ली, जबकि इसके स्वराज डिवीजन की हिस्सेदारी 18.72 प्रतिशत रही। दोनों ब्रांडों ने मिलकर साल भर उद्योग की बिक्री में 42 प्रतिशत से अधिक योगदान दिया। इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स (सोनालिका) ने 126,741 यूनिट बेचीं, लेकिन उसकी बाजार हिस्सेदारी 12.72 प्रतिशत पर सीमित रही।

भारत में ईवी बाजार 2025 में तेजी से बढ़ा, बाजार मे प्रतिस्पर्धा बढ़ी

-यात्री वाहनों की बिक्री में 77 फीसदी की वृद्धि देखी गई

नई दिल्ली ।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खुदरा बिक्री 2025 में मजबूत बढ़त दर्ज कर रही है। फाडा के आंकड़ों के अनुसार इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री 2024 के 99,875 से बढ़कर 176,817 हो गई, यानी 77.04 प्रतिशत की वृद्धि। हालांकि, नए मॉडल और कंपनियों के प्रवेश से बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। टाटा मोटर्स ने 70,004 इलेक्ट्रिक कारें बेचीं, जो पिछले साल से 13.28 फीसदी अधिक हैं। इसके बावजूद, उसकी बाजार हिस्सेदारी 61 फीसदी से घटकर 39.6 फीसदी रह गई। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर की बिक्री दोगुनी से अधिक बढ़कर 51,387 वाहन हो गई, जिससे उसकी हिस्सेदारी 21.8 फीसदी से 29.1 फीसदी तक पहुंची। महिंद्रा × महिंद्रा ने सबसे तेज वृद्धि दर्ज की, बिक्री लगभग 5 गुना बढ़कर 33,513 वाहन हुई। प्रीमियम सेगमेंट में ह्युंडै, बीवाईडी, बीएमडब्ल्यू और किआ ने तीन अंकों में वृद्धि की, जबकि स्टेलेंटिस और वॉल्वो की बिक्री में गिरावट आई। दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में टीवीएस मोटर 298,881 वाहनों के साथ आगे रही, और उसकी बाजार हिस्सेदारी 23.35 फीसदी तक बढ़ी। बजाज ऑटो दूसरे स्थान पर रही। एथर एनर्जी की बिक्री 58.91 फीसदी बढ़कर 200,797 वाहन हो गई। इसके विपरीत, ओला इलेक्ट्रिक की बिक्री आधी होकर 199,318 रह गई और बाजार हिस्सेदारी 35.47 फीसदी से घटकर 15.57 फीसदी हो गई। विश्लेषकों का कहना है कि 2026 में और बदलाव संभव हैं, क्योंकि मारुति सुजूकी जैसे दिग्गज भी ईवी बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। 15 लाख रुपये से कम वाले सेगमेंट में नए विकल्पों ने मांग बढ़ाई है, जिससे दोनों यात्री और दोपहिया ईवी की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ रही है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 780 अंक, निफ्टी 263 अंक नीचे आया

निवेशकों के 4 दिन में 7 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा डूबे

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को भारी गिरावट रही। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले-जुले संकतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 780.18 अंक नीचे आकर 84,180.96 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 263.90 अंक फिसलकर 25,876.85 पर पहुंच गया। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार , निवेशकों के 4 दिन में ही 7 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा डूब गये। बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4 दिन में 7.19 लाख करोड़ रुपये नीचे आकर 474 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से , टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील और ट्रेंट के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर लाभ में रहे। आज वेदांता के शेयरों में सबसे अधिक 3.01 फीसदी की गिरावट रही और ये 603.55 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुस से तेल खरीदने पर 500 फीसदी शुल्क लगाने वाले बिल को लेकर भी निवेशकों में घबराहट है ओर वे बाजार से दूरी बनाये हुए हैं। यह, साथ ही अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के संबंध में कोई ठोस घोषणा न होने से, निवेशक घबरा रहे हैं। इससे भी बाजार गिरा है। इसी कारण बाजार में लगातार चौथे दिन गिरावट रही है। पिछले 4 दिन में ही सेंसेक्स में 1565 अंक से ज्यादा की गिरावट आई है। वहीं, निफ्टी 50 में 1.70 फीसदी से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। सरकार की तरफ से कई कदम उठाए जाने के बावजूद विदेशी संस्थागत निवेशक बाजार से रकम निकालते जा रहे हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों की तरफ से कोई समर्थन न मिलने की वजह से गुरुवार को बाजार में गिरावट देखने को मिली। कमोडिटी कीमतों में भी गिरावट आई, जिससे कमोडिटी स्टॉक्स में बिकवाली देखने को मिली। हिन्दुस्तान जिंक के शेयर गुरुवार को 6 फीसदी से ज्यादा गिरे हैं। पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयरों में एक दिन में आई यह सबसे बड़ी गिरावट है। रूस प्रतिबंध अधिनियम ने नए सिरे से ट्रेड वार का डर खड़ा कर दिया है। बिल में रूस से क्रूड ऑयल का आयात करने वाले देशों पर कम से कम 500 फीसदी तक टैरिफ लगाने का प्रावधान है। मेगाकैप स्टॉक्स में गुरुवार को भी बिकवाली का दबाव देखने को मिला। एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट आई। इस हफ्ते की शुरुआत में इन दोनों दिग्गज स्टॉक्स में 4 फीसदी तक की गिरावट आई थी।

इससे पहले आज सुबह बाजार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ खुले। सुबह बीएसई सेंसेक्स 100 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 84,778.02 के स्तर पर खुला। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी कमजोरी के साथ 26,106 के स्तर पर खुला और खुलते ही 26,100 के नीचे फिसल गया।बाजार में फिलहाल चुनिंदा शेयरों में ही गतिविधि देखने को मिल रही है। वैश्विक स्तर पर बाजारों की नजर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वेनेजुएला से जुड़े हालिया कदमों पर टिकी हुई है।

सोना 251 रुपए टूटकर 1,37,758 व चांदी 2,50,400 के पार

सोना 251 रुपए टूटकर 1,37,758 व चांदी 2,50,400 के पार
वैश्विक बाजार में भी सोने और चांदी में मिला-जुला रुख रहा

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत गुरुवार को घरेलू बाजार में कमजोरी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना करीब 1,37,750 रुपये जबकि चांदी 2,50,400 रुपये के आसपास कारोबार कर रही थी। निवेशक वैश्विक संकेतों और डॉलर में उतार-चढ़ाव पर नजर बनाए हुए हैं। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट गुरुवार को 13 रुपये की गिरावट के साथ 1,37,996 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। पिछला बंद भाव 1,38,009 रुपये था। शुरुआती कारोबार के दौरान इसमें और दबाव देखने को मिला और यह 251 रुपये टूटकर 1,37,758 रुपये तक फिसल गया। दिन के कारोबार में सोने ने 1,37,996 रुपये का उच्च और 1,37,522 रुपये का निचला स्तर छुआ। गौरतलब है कि पिछले साल सोना 1,40,465 रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर तक पहुंचा था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का मार्च कॉन्ट्रैक्ट 436 रुपये की बढ़त के साथ 2,51,041 रुपये प्रति किलो पर खुला। हालांकि शुरुआती तेजी ज्यादा देर टिक नहीं पाई और बाद में यह 184 रुपये

की गिरावट के साथ 2,50,421 रुपये पर कारोबार कर रही थी। दिन के दौरान चांदी ने 2,51,889 रुपये का उच्च और 2,50,286 रुपये का निचला स्तर देखा। इस साल चांदी 2,59,692 रुपये प्रति किलो के उच्च स्तर तक पहुंच चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी में मिला-जुला रुख रहा। कॉमेक्स पर सोना 4,467.10 डॉलर प्रति औंस पर खुला, लेकिन बाद में 11.20 डॉलर की गिरावट के साथ 4,451.30 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। इस साल सोने ने 4,584 डॉलर प्रति औंस का उच्च स्तर छुआ है। वहीं कॉमेक्स पर चांदी 77.96 डॉलर प्रति औंस पर खुलकर 0.30 डॉलर की तेजी के साथ 77.91 डॉलर प्रति औंस पर

कुछ रणनीतिक क्षेत्रों में स्वदेशीकरण जरूरी, पर आसान नहीं- सीईए

सात क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता जरूरी, तीन हाई-टेक क्षेत्रों में चुनौतियां बरकरार

नई दिल्ली ।

भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि देश के लिए कुछ रणनीतिक क्षेत्रों में स्वदेशीकरण अत्यंत आवश्यक है, हालांकि सभी क्षेत्रों में इसकी व्यावहारिकता समान नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (आरईपीएम), बैटरी सेल व कैथोड मैटेरियल्स तथा सोलर वेफर्स और सोलर सेल्स जैसे तीन क्षेत्रों में स्वदेशीकरण जरूरी तो है, लेकिन इसकी व्यवहारिकता फिलहाल कम से मध्यम स्तर की है। आरईपीएम के वैश्विक उत्पादन में चीन का लगभग 90 प्रतिशत नियंत्रण है। इन मैग्नेट्स का उपयोग विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों के ट्रैक्शन मोटर सहित ऑटोमोबाइल कलपुर्जों में होता है। अप्रैल 2025 से चीन द्वारा भारत को आरईपीएम के निर्यात पर रोक लगाए जाने से घरेलू ऑटो उद्योग प्रभावित हो रहा है। सीईए ने सात ऐसे क्षेत्रों की पहचान की है जहां स्वदेशीकरण अत्यधिक जरूरी और अत्यधिक व्यावहारिक है। इनमें दालें, खाद्य तेल व तिलहन, एक्टिव फार्मास्युटिकल इनग्रेडिएंट्स (एपीआई) और उर्वरक इनपुट्स के विकल्प शामिल हैं।

दो नए स्मार्टफोन्स लॉन्च करने की तैयारी वीवो कंपनी

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में चाइनीज कंपनी वीवो जल्द ही अपने दो नए स्मार्टफोन्स लॉन्च करने की तैयारी में है। वीवो के दो डिवाइस, जिनके मॉडल नंबर वी237 और वी2561 बताए जा रहे हैं। ब्लूटूथ लिस्टिंग के मुताबिक इन स्मार्टफोन्स के नाम वीवो एक्स300 एफई और वीवो एक्स200 टी हो सकते हैं।

हालांकि कंपनी की ओर से अभी लॉन्च डेट को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन बीआईएस लिस्टिंग से यह साफ है कि भारत में इनकी एंट्री ज्यादा दूर नहीं है। लीक रिपोर्ट्स की मानें तो वीवो एक्स300 एफई को चीन में लॉन्च हुए एस50 प्रो

मिनी का रीब्रैंडेड वर्जन बताया जा रहा है। इस फोन में 6.31 इंच का 1.5के रेजॉलूशन वाला ओलेड एलटीपीओ डिस्प्ले मिल सकता है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट करेगा। परफॉर्मेंस के लिए इसमें स्नैपड्रेगन 8 जेन 5 प्रोसेसर दिए जाने की उम्मीद है। कैमरा सेटअप में 50 मेगापिक्सल का मेन कैमरा, 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड लेंस और 50 मेगापिक्सल का 3गुणा पेरिस्कोप कैमरा शामिल हो सकता है, जबकि फ्रंट में 50 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा मिलने की संभावना है। कैमरा सेटअप में तीनों सेंसर 50 मेगापिक्सल के हो सकते हैं।

कीमत की बात करें तो वीवो एक्स 300 एफई करीब 60 हजार रुपये और एक्स200 टी लगभग 55 हजार रुपये के प्राइस रेंज में लॉन्च हो सकता है। वहीं वीवो एक्स200 टी को एक्स200एस का रीब्रैंडेड वर्जन माना जा रहा है, जिसे चीन में अप्रैल 2025 में लॉन्च किया गया था। इसमें 6.31 इंच का 1.5के ओलेड एलटीपीओ डिस्प्ले, 120एचझेड रिफ्रेश रेट, डायमेंसिटी 9400 प्लस चिपसेट और 6200 एमएएच की बैटरी मिल सकती है, जो 90वॉट वायर्ड और 40वॉट वायरलेस चार्जिंग को सपोर्ट करेगी।

युवाओं में 150-200सीसी बाइक सेगमेंट खासा लोकप्रिय

नई दिल्ली । भारतीय युवाओं में 150सीसी से 200सीसी मोटरसाइकिल सेगमेंट खासा लोकप्रिय रहा है। नवंबर 2025 में इस सेगमेंट ने एक बार फिर मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया। नवंबर 2025 में इस सेगमेंट में कुल 1,75,805 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई। नवंबर 2024 के मुकाबले यह करीब 20.44 प्रतिशत की सालाना बढ़त को दर्शाता है।

वहीं, अक्टूबर 2025 में दर्ज 2,10,831 यूनिट्स की तुलना में नवंबर में लगभग 16.61 प्रतिशत की मासिक गिरावट देखी गई। यह गिरावट त्योहारों के बाद मांग के सामान्य स्तर पर लौटने का संकेत मानी जा रही है।

ब्रांड्स की बात करें तो टीवीएस अपाचे ने नवंबर में भी अपनी नंबर-1 पोजिशन बरकरार रखी। इसकी बिक्री 48,764 यूनिट्स रही और सालाना आधार पर करीब 37 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। हालांकि, अक्टूबर के मुकाबले इसकी बिक्री में 20 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई। बजाज पल्सर ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए 45,246 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की और यह मजबूत नंबर-2 बनी रही। अपाचे और पल्सर मिलकर इस सेगमेंट की आधे से ज्यादा बिक्री पर कब्जा जमाए हुए हैं। होंडा यूनिकॉर्न ने 32,968 यूनिट्स की बिक्री के साथ तीसरा स्थान बनाए रखा। इसकी बिक्री सालाना और मासिक दोनों स्तर पर स्थिर रही, जो इसकी भरोसेमंद छवि को दर्शाती है।

यामाहा की नई बाइक एक्सएसआर ने 16,359 यूनिट्स की बिक्री के साथ शानदार एंट्री की, जबकि एफझेड, आर 15 और एमटी-15 जैसे पुराने मॉडल्स की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा होंडा एसपी 160, हीरो एक्सपल्स 200 और होंडा हॉर्नेट 2.0 ने भी सालाना आधार पर अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं केटीएम, हीरो, सुजुकी और कावासाकी की बाइकों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। कुल मिलाकर, नवंबर 2025 में यह सेगमेंट सालाना मजबूती के साथ आगे बढ़ता नजर आया। हालांकि, त्योहारों वाले अक्टूबर महीने के मुकाबले बिक्री में कुछ गिरावट जरूर आई, लेकिन सालाना आधार पर ग्रोथ ने बाजार की मजबूती को साफ तौर पर दिखाया।

राहत की उम्मीद- 60 डॉलर के नीचे गिरा कच्चा तेल,

घटेंगे पेट्रोल और डीजल के दाम

नई दली।

भारतीय अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब के लिए नए साल की शुरुआत एक बड़ी खुशखबरी के साथ हुई है। कई वर्षों के लंबे अंतराल के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत द्वारा खरीदे जाने वाले कच्चे तेल की औसत लागत 60 डॉलर प्रति बैरल के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे आ गई है। नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2026 में अब तक भारतीय कच्चा तेल बास्केट का औसत भाव 59.92 डॉलर प्रति बैरल दर्ज किया गया है। फरवरी 2021 के बाद यह पहला अवसर है जब कच्चे तेल की कीमतें इस निचले स्तर तक पहुंची हैं।

इससे पहले दिसंबर 2025 में यह औसत 62.2 डॉलर प्रति बैरल के करीब था। वैश्विक बाजार में आपूर्ति की अधिकता और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मांग की सुस्ती ने कीमतों को नीचे धकेलने में बड़ी भूमिका निभाई है।

बाजार विशेषज्ञों और शोध संस्थानों का मानना है कि कच्चे तेल के दामों में आई यह गिरावट महज एक अस्थायी दौर नहीं है, बल्कि यह एक दीर्घकालिक रुझान की ओर इशारा कर रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार के मौजूदा संकेतों का विश्लेषण करने वाली विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, भारतीय कच्चा तेल बास्केट में आगे भी नरमी बनी रहने की प्रबल संभावना है। अनुमान जताया गया है कि मार्च 2026 तक कीमतें गिरकर 53 डॉलर और जून 2026 तक यह 50 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को भी तोड़ सकती हैं। यदि यह अनुमान सही साबित होते हैं, तो सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों के पास पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में बड़ी कटौती करने का पर्याप्त आधार होगा। इससे न केवल परिवहन लागत घटेगी, बल्कि रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में भी कमी आने की उम्मीद है।

भारत अपनी कच्चे तेल की कुल आवश्यकता का लगभग 88 प्रतिशत हिस्सा आयात के जरिए पूरा करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाला मामूली बदलाव भी देश की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डालता है। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल महज 1 डॉलर की कमी आने से भारत के सालाना तेल आयात बिल में करीब 13 हजार करोड़ रुपये की भारी बचत होती है।

दुनिया का पहला 130-इंच माइक्रो आरजीबी टीवी लॉन्च

नई दिल्ली।

साल 2026 में सैमसंग कंपनी ने दुनिया का पहला 130-इंच माइक्रो आरजीबी टीवी लॉन्च कर दिया है। कंपनी का दावा है कि यह टीवी अब तक की सबसे बड़ी और सबसे एडवांस्ड डिस्प्ले तकनीक के साथ उपलब्ध है। टेलीविजन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सैमसंग ने एक बार फिर अपनी बढ़त साबित की है।

यह टीवी केवल साइज में बड़ा नहीं है, बल्कि कलर, कंट्रास्ट, शैडो डिटेल और ऑडियो एक्सपीरियंस के मामले में भी एक नया बेंचमार्क सेट करता है। सैमसंग का यह नया मॉडल नेक्सट जेनरेशन कलर प्रोसेसिंग, एचडीआर10 प्लस एडवांस्ड सपोर्ट, एआई-एक्सीलरेटेड कलर और ग्लारे फ्री टेक्नोलॉजी से लैस है, जो हर तरह के कंटेंट को ज्यादा रियल और इमर्सिव बनाता है। सैमसंग का 130-इंच माइक्रो आरजीबी टीवी, मॉडल आर95एच, कंपनी की माइक्रो आरजीबी सीरीज का अब तक का सबसे बड़ा और प्रीमियम वर्जन है। इसमें इंडिविजुअली कंट्रोल होने वाली माइक्रो आरजीबी एलईडी का इस्तेमाल किया गया है, जिससे पारंपरिक मिनी एलईडी या एलसीडी की तुलना में ज्यादा सटीक रंग और गहरा कंट्रास्ट देखने को मिलता है।

एआई-आधारित प्रोसेसिंग की मदद से खासतौर पर डार्क और लो-लाइट सीन में तस्वीरें ज्यादा नैचुरल और डिटेल्ड नजर आती हैं।

विजन एआई कॉमेनियन जैसे फीचर्स टीवी को स्मार्ट एंटरटेनमेंट हब में बदल देते हैं,

जहां एआई-बेस्ड सजेशन, लाइव ट्रांसलेशन और एडवांस साउंड कंट्रोल जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

साउंड सिस्टम भी टीवी के फ्रेम में इंटीग्रेटेड है, जिससे पिक्चर और ऑडियो का तालमेल और ज्यादा प्रभावशाली बनता है।यह टीवी 100 प्रतिशत बीटी.2020 वाइड कलर गमट को सपोर्ट करता है, जिसे सटीक कलर रिप्रोडक्शन के लिए सर्टिफिकेशन भी मिला है।

सिडनी टेस्ट के साथ ही ख्वाजा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

मुम्बई (एजेंसी)। सिडनी (ईएमएस)। सिडनी में एशेज सीरीज के अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा का 15 साल का अंतरराष्ट्रीय करियर भी समाप्त हो गया है। सिडनी क्रिकेट मैदान में हुए पांचवें और अंतिम टेस्ट में ख्वाजा असफल रहे और दोनो पारियों में 17 और 6 रन ही बना पाये हालांकि उसने लिए खुशी की बात ये रही कि टीम की जीत के साथ हीउनका संन्यास हुआ। इस मैच से पहले ही इस क्रिकेटर ने संन्यास की घोषणा कर दी थी।

विदायी टेस्ट के पांचवें दिन जब ख्वाजा मैदान पर उतरे, तो वह अपनी टीम के आगे-आगे चलते नजर आए और उनके साथी खिलाड़ी पीछे थे। वहीं जब वह अंतिम बार बल्लेबाजी करने उतरे, तो इंग्लैंड की टीम ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया।

मैच में जीत के बाद ख्वाजा ने कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ी जीत है। इस क्रिकेट सफर में सफर में बहुत कुछ लगा है। क्रिकेट एक शानदार खेल है। मैंने आज सुबह रैफरी से कहा था कि बस खेल का आनंद लेना है। मेरा सपना जीत के साथ समापन का था जो पूरा हुआ है। सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि मैं अंतिम मैच जीत सका और अपने साथियों के उन्होंने स्वीकार किया कि भावनात्मक रूप से यह मैच उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण था।

ख्वाजा ने कहा, यह बहुत मुश्किल था। मैं खुद को शांत दिखाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन इतने अहम टेस्ट मैच में अपनी भावनाओं पर काबू रखना आसान नहीं था। मैंने हमेशा अपने करियर में भावनाओं को नियंत्रित करने में सफल रहा पर इस मैच में ध्यान लगाना बेहद कठिन हो गया था।इसका एक कारण ये भी रहा कि यहीं अपना बचपन बिताया था और यहीं से फर्स्ट क्लास और टेस्ट डेब्यू किया था।

ख्वाजा ने कुल 88 टेस्ट, 40 एकदिवसीय और 9 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 43.39 के औसत से 6229 रन बनाए हैं। टेस्ट प्रारुप में उन्होंने 16 शतक और 28 अर्धशतक लगाए हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनका सबसे अधिक स्कोर 232 रनों का रहा है। वहीं एकदिवसीय प्रारुप में उन्होंने 1554 रन बनाए।

दिसंबर के लिए महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का ऐलान, लिस्ट में शैफाली वर्मा अकेली भारतीय

दुबई (एजेंसी)। स्टार बल्लेबाज लॉरा वोल्वार्ड्ट, शैफाली वर्मा और दक्षिण अफ्रीका की प्रभावशाली ऑलराउंडर सुने लुस को शानदार प्रदर्शन के बाद दिसंबर 2025 के लिए ICC महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। ICC महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में शानदार प्रदर्शन के बाद वोल्वार्ड्ट ने अपनी प्रतिभा दिखाना जारी रखा और सभी फॉर्मेट में तीन शतक लगाकर एक शानदार साल का समापन किया। आयरलैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करते हुए, प्रोटियाज कप्तान शानदार फॉर्म में थीं, क्योंकि उनकी टीम ने ODI (3-0) और टी20आई (2-0) दोनों सीरीज़ में क्लीन स्वीप किया।

वोल्वार्ड्ट पहले टी20आई में अपने सबसे खतरनाक फॉर्म में थीं। उन्होंने 205.35 के शानदार स्ट्राइक रेट से नाबाद 115 रन बनाए जिसमें 15 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उनका दबदबा ODI सीरीज में भी जारी रहा, जहां उन्होंने ओपनिंग की और पूरी सीरीज में अहम भूमिका निभाई। पहले मैच में 31 रन बनाने के बाद उन्होंने लगातार 2 शतक लगाए, दूसरे ODI में 111 गेंदों पर 124 रन बनाए और फिर आखिरी मैच में नाबाद 100 रन बनाकर क्लीन स्वीप पक्का किया। तीनों ODI में वोल्वार्ड्ट ने 127.50 के शानदार औसत और 111.84 के स्ट्राइक रेट से 255 रन बनाए। उन्होंने टी20आई सीरीज में 190.27 के शानदार स्ट्राइक रेट से 137 रन बनाए और सिर्फ एक बार आउट हुईं।

भारत की शैफाली वर्मा भी श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज में उतनी ही विस्फोटक थीं, उन्होंने लगातार आक्रामक शुरुआत दी जिससे भारत ने घरेलू मैदान पर 5-0 से शानदार सीरीज जीत हासिल की। सीरीज के पहले मैच में शांत प्रदर्शन के बाद वर्मा ने दूसरे मैच से लय पकड़ी और नाबाद 69 रन बनाकर भारत को आसानी से जीत दिलाई। इसके बाद उन्होंने तीसरे मैच में एक और नाबाद 79 रनों की पारी खेली जिससे भारत ने 14 ओवर के अंदर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। शैफाली का सबसे शानदार प्रदर्शन चौथे टी20आई में आया, जहां उन्होंने स्मृति मंधाना के साथ एक रिकॉर्ड-ब्रेकिंग पार्टनरशिप की, जो महिला टी20आई में किसी भी विकेट के लिए भारत की सबसे बड़ी पार्टनरशिप थी और 46 गेंदों में से 79 रन बनाए जिससे भारत ने अपना अब तक का सबसे बड़ा टी20आई टोटल 221 बनाया। वर्मा ने 5 मैचों में 181.20 के शानदार स्ट्राइक रेट और 80.33 की औसत से 241 रन बनाकर सीरीज खत्म की, और अपने मैच जिताने वाले योगदान के लिए प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ का अवॉर्ड जीता।

दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर सुने लुस ने भी एक शानदार महीना बिताया। उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से महत्वपूर्ण प्रदर्शन किया जिससे दक्षिण अफ्रीका ने आयरलैंड को दोनों फॉर्मेट में क्लीन स्वीप किया। लुस ने पहले टी20आई में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने ओपनिंग करते हुए 81 रन बनाए और फिर चार विकेट लिए। इसके बाद उन्होंने दूसरे मैच में महत्वपूर्ण 37 रन बनाए जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 201 का बड़ा टोटल बनाया। ODI सीरीज में उनका प्रभाव और बढ़ा, जहां उन्होंने पहले मैच में नाबाद 66 रन बनाकर टॉप स्कोर किया और एक विकेट भी लिया। दूसरे ODI में लुस ने अपना दूसरा ODI शतक बनाया जिसमें 113 गेंदों में 114 रन शामिल थे और अपने खाते में एक और विकेट जोड़ा।

दो ODI मैचों में लुस ने 102.50 के शानदार औसत और 98.55 के स्ट्राइक रेट से 205 रन बनाए, साथ ही 4.97 की इकॉनमी रेट से चार विकेट भी लिए। टी20आई में उन्होंने 157.33 के स्ट्राइक रेट से 118 रन बनाए और 6.42 की इकॉनमी से चार विकेट लिए, जिससे दिसंबर महीने में एक प्रभावशाली ऑलराउंडर के रूप में उनका महत्व साबित हुआ।

तिलक सर्जरी के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हुए

–विश्ककप में भी खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा की सर्जरी हुई है। इस कारण अब तिलक न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हो गये हैं। यहां तक कि वह अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप में भी शायद ही खेल पायें। तिलक को राजकोट में तेज दर्द उठने के बाद अस्पताल ले जाया गया था। इसके बाद उनकी चोट गंभीर पाये जाने के कारण सर्जरी की गयी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला इसी माह 21 जनवरी से नागपुर में शुरू होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने कहा, 'विजय हजारे टूर्नामेंट के लिए हैदराबाद की टीम के साथ राजकोट में खेल रहे तिलक को ग्रोइन क्षेत्र में तेज दर्द उठा। उन्हें तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया, जहां स्कैन करने पर तत्काल सर्जरी करने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा, 'हमने अपने विशेषज्ञ डॉक्टरों से राय ली और वे भी इस बात से सहमत थे। तिलक की सर्जरी सफल रही और अब वह ठीक है। चिकित्सा पैनल के साथ चर्चा के बाद जैसे ही हमें उनके स्वास्थ्य में सुधार और खेल में उनकी वापसी के संभावित समय के बारे में जानकारी मिलेगी, उसकी जानकारी दी जाएगी। तिलक अगर विश्वकप तक फिट नहीं होते तो ये भारतीय टीम के लिए करारा झटका होगा क्योंकि वह एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। एशिया कप में उन्होंने शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी।

ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी टेस्ट में इंग्लैंड को पांच विकेट से हराकर 4-1 से एशेज सीरीज जीती

सिडनी (एजेंसी)। स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में पांच विकेट से हराकर एशेज सीरीज 4-1 से जीत ली है। इस सीरीज में हार के साथ ही कप्तान बेट स्टोक्स की इंग्लैंड टीम के एशेज जीतने का सपना भी टूट गया। इस पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम हावी रही और इंग्लैंड उसके सामने कहीं नहीं टिक पायी। इंग्लैंड की टीम केवल चौथे बॉक्सिंग डे टेस्ट में ही जीतने में सफल रही। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहला, दूसरा, तीसरा और पांचवा टेस्ट जीतकर एक बार फिर एशेज में अपनी बादशाहत साबित की है।

मैच के पांचवे दिन दिन इंग्लैंड की टीम सुबह ही अपनी दूसरी पारी में 342 रन बनाकर आउट हो गयी। जैकब बेथेल ने सबसे अधिक 265 गेंदों पर 154 रन बनाये। वहीं हैरी ब्रूक 42 और जेमी स्मिथ 26 रन बनाकर आउट हुए। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से आलराउंडर ब्यू वेब्स्टर और मिचेल स्टार्क ने दूसरी पारी में 3-3 विकेट लिए, जबकि बोलैंड ने दो विकेट लिए जबकि एक विकेट नेसर को मिला।

इसके बाद पहली पारी में मिली 183 रनों की बढ़त के कारण ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए केवल 160 रन का लक्ष्य मिला, जिसे उसने 31.2 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी की शुरुआत सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड और जैक वेदरलैंड ने की। ट्रेविस 29 जबकि वेदरलैंड 34 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। वहीं कप्तान स्टीव स्मिथ ने 12 रन बनाये। उस्मान ख्वाजा अपने कैरियर के अंतिम मैच में असफल रहे और 7 गेंद पर केवल 6 रन ही बना पाये। मार्नस लाबुशेन ने 37 रन बनाए। वहीं कैमरन ग्रीन 22 और एलेक्स कैरी 16 रन बनाकर नाबाद रहे। कैरी ने चौका लगाकर टीम को जीत दिलायी।।

इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने जो रूट के शतक 160 रन और हैरी ब्रूक के 84 रनों की सहायता से अपनी पहली पारी में 384 रन बनाये थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों से करारा जवाब देते हुए पहली पारी में 567 रन बनाये। स्मिथ ने 138 रनों की पारी खेली। वहीं ब्यू वेबस्टर ने नाबाद 71 रन बनाये।

रुट इसी प्रकार खेले तो अगले कुछ साल में सचिन का रिकार्ड तोड़ देंगे

सिडनी (ईएमएस)।इंग्लैड के बल्लेबाज जो रूट ने एशेज टेस्ट सीरीज में जिस प्रकार से दो शतक लगाये है। उससे वह रनों के मामले में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के और करीब पहुंच गये हैं। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन के नाम है। सचिन ने टेस्ट में 200 मैचों में 15921 रन बनाए थे। वहीं जो रूट ने अब तक 163 टेस्ट मैचों में 13928 रन बनाये हैं। अब रूट और सचिन के बीच 1,984रनों का अंतर रह गया है। अगर रूट का यही फॉर्म कुछ और समय तक जारी रहता है तो वह सचिन के सबसे ज्यादा रन बनाने के वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड भी सचिन के नाम है। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में कुल 51 टेस्ट शतक लगाए थे। वहीं रूट सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने के मामले में संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने अभी तक कुल 41 टेस्ट शतक लगाए हैं। अब अगर रूट को तेंदुलकर के इस रिकॉर्ड को तोड़ना है तो उन्हें आने वाले समय में 11 शतक और लगाने होंगे। रुट की उम्र अभी 35 साल है और ऐसे में दो से दिन साल तक खेलने का समय उनके पास और है जिसमें वह इसी लय ये खेलते रहे तो सचिन के रिकार्ड के पास पहुंच ही नहीं उसे तोड़ भी सकते हैं।

चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटीं

वुहान। चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटने की घोषणा की है, उन्होंने कहा कि वह अभी तक अपनी पसंदीदा प्रतिस्पर्धी स्थिति में नहीं पहुंची हैं। झेंग ने सोशल मीडिया पर एक बयान पोस्ट किया, जिसमें कहा गया कि यह फैसला उनकी टीम द्वारा सावधानीपूर्वक मूल्यांकन और मेडिकल सलाह के बाद लिया गया है। हालांकि झेंग ने कहा कि उनकी रिकवरी अच्छी तरह से हो रही है और उनका ऑफ–सीजन सुचारू रूप से चला गया है, उन्होंने कहा कि ग्रैंड स्लैम में प्रतिस्पर्धा करने के लिए खिलाड़ियों को 'अत्यधिक प्रतिस्पर्धी स्थिति' में होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'फिलहाल, मैं अभी तक उस सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं पहुंची हूं जो मैंने अपने लिए तय की है।' 'झेंग ने इस वापसी को 'अविश्वसनीय रूप से कठिन' बताया। झेंग ने कहा, 'मेलबर्न मेरी भाग्यशाली जगह है, जहां मैंने अपना पहला ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ मैच जीता और जहां मुझे अपना सबसे अच्छा अनुभव मिला। मेरा इस जगह से एक खास रिश्ता है, और मैं मेलबर्न पार्क में अपना नया सीजन शुरू करने के लिए बहुत उत्सुक थी।' झेंग 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचीं, जहां वह आर्यना सबालेंका से हार गईं। विंबलडन में पहले दौर से बाहर होने के बाद पिछले जुलाई में उनकी कोहनी की सर्जरी हुई थी। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने चाइना ओपन में वापसी की कोशिश करने से पहले यूएस ओपन और कई अन्य टूर्नामेंट छोड़ दिए, लेकिन चोट के दोबारा होने के कारण तीसरे दौर के मैच के तीसरे सेट में उन्हें रिटायर होना पड़ा।

स्टार्क 30 विकेट लेने वाले विशिष्ट क्लब में शामिल हुए

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में 31 विकेट लेते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। अब स्टार्क एशेज में 30 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों के एक विशेष क्लब में शामिल हो गए हैं। स्टार्क ने पांच मैचों की सीरीज की 10 पारियों में 19.93 के बेहतरीन औसत के साथ ही 31 विकेट लिए, इस दौरान उन्होंने दो बार पांच विकेट भी लिए। स्टार्क, ने इस सीरीज में टीम की जीत में भी अहम भूमिका निभाई। इससे पहले साल दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न ने 2005 सीरीज में 40 विकेट, मिशेल जॉनसन ने 2013–14 में 37 विकेट, ग्लेन मैकग्रा ने साल 2001 में 32 विकेट, और वॉर्न ने 2001 में 31 विकेट लिए थे। अब इस सूची में स्टार्क भी शामिल हो गये हैं। एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 4–। से जीत दर्ज की।

मलेशिया ओपन में भारत का डबल धमाल, पीवी सिंधु और सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

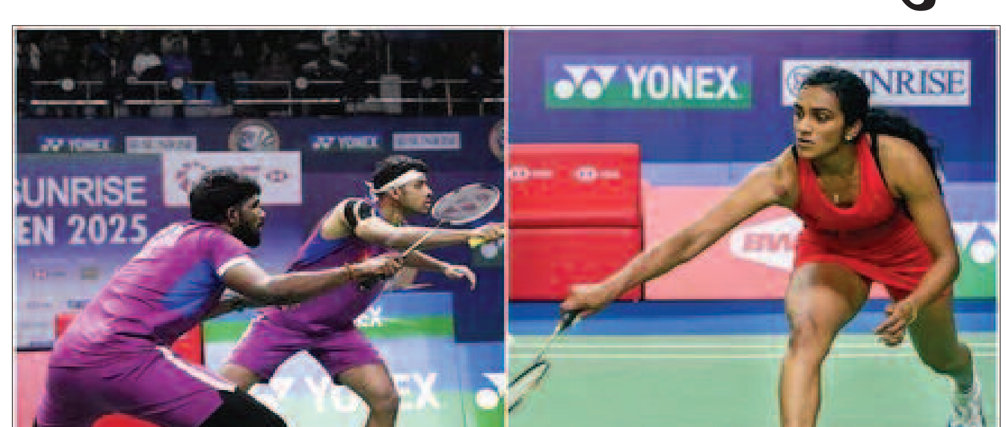

कुआलालंपुर (एजेंसी)। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी गुरुवार को चल रहे मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) सुपर 1000 प्रतियोगिता में भाग लेते हुए, पूर्व विश्व चैंपियन ने जापान की आठवीं वरीयता प्राप्त तोमोका मियाजाकी को हराकर अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की की। बीडब्ल्यूएफ महिला एकल रैंकिंग में वर्तमान में 18वें स्थान पर काबिज दो बार की ओलंपियन ने अपने पहले दौर के मैच में विश्व नंबर 33 की खिलाड़ी सुंग शुओ-युन (चीनी ताइपे) को 21-13, 22-20 से हराकर टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

सिंधु ने पहले गेम में 21-8 से दबदबा बनाया और दूसरे गेम में 21-13 से जीत हासिल करके अपनी लय बरकरार रखी। सिंधु अब क्वार्टर फाइनल में चीन की गाओ फांग जी और जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेंगी। पुरुष युगल में, तीसरी वरीयता प्राप्त चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने भी मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप को 39 मिनट में 21-18 और 21-11 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। इस जीत के साथ, भारतीय जोड़ी ने मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ अपना शीर्ष रिकॉर्ड 4-0 कर लिया।

अब उनका मुकाबला चीन के ताइपे के चेन झी रे/लिन यू चिएह और छठी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के फजर अल्फियन/फिकरी मुहम्मद के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। चिराग और सात्विकसाईराज ने चीन के ताइपे के ली झे-हुई और यांग पो-ह्सुआन को 21-13, 21-15 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। यह मैच मात्र 35 मिनट तक चला।

खराब दौर से गुजर रही चेल्सी ने लियम रोसेनियर को बनाया कोच

लंदन। एम समय प्रीमियर लीग फुटबॉल की शीर्ष टीम रही चेल्सी आजकल कठिन दौर से गुजर रही है। टीम को बड़े मुकाबलों में जीत नहीं मिल रही। एस समय टीम किसी भी हाल में जीतने का प्रयास करती थी पर पिछले कुछ समय में इसमें अंतर आया है। इसी के तहत ही स्ट्रासबर्ग के मुख्य कोच रहे लियम रोसेनियर को क्लब ने कोच बनाया है। 41 साल के रोसेनियर ने 2024 में पैट्रिक विएरा की जगह स्ट्रासबर्ग की कमान संभाली थी और अब वह एन्ज़ो मारेस्का की जगह चेल्सी के मुख्य कोच बने हैं। चेल्सी के लिए यह एक बड़ा प्रयोग है। क्लब उम्मीद कर रहा है कि रोसेनियर न सिर्फ युवाओं को तकनीकी रूप से बेहतर बनाएंगे, बल्कि ड्रेसिंग रूम में अनुशासन और स्थिरता भी लाएंगे। रोसेनियर की कोचिंग जगत में अलग छवि है। बतौर खिलाड़ी उन्होंने प्रीमियर लीग और चैंपियनशिप में डिफेंडर के रूप में लंबा करियर बिताया। खेल से संन्यास के बाद वह कोचिंग में आए और ब्राइटन अंडर–23, डर्बी काउंटी और फिर वेन रूनी के सहायक के तौर पर सफल रहे हैं। वेन रूनी ने भी रोसेनियर की जमकर प्रशंसा की है। उनके मुताबिक, रोसेनियर का काम करने का तरीका,उन्हें खास बनाती है। यह भी माना जाता है कि डर्बी में कठिन हालात के बावजूद टीम को संभालने में रोसेनियर की भूमिका अहम रही।कोच के तौर पर रोसेनियर की सबसे बड़ी पहचान युवा खिलाड़ियों को निखारना रही है। हल सिटी में उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद टीम को सातवें स्थान तक पहुंचाया। वहां लियम डेलाप, टायलर मॉर्टन और फैबियो कार्वाल्हो जैसे युवा खिलाड़ियों को उन्होंने भरपूर मौके दिए।

डब्ल्यूपीएल 2026 से पहले मिताली राज का बड़ा बयान, लौरा वोल्वाड्ट को बताया दिल्ली कैपिटल्स का 'गेम चेंजर'

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के नए सीज़न की शुरुआत से पहले जैसे-जैसे समय बीत रहा है, पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने तीन बार फाइनल में पहुंचने वाली दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की टीम और नीलामी में चुने गए उनके महत्वपूर्ण खिलाड़ियों, जिनमें लौरा वोल्वाड्ट भी शामिल हैं, का विश्लेषण किया है। राज ने नई कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के नेतृत्व में फ्रेंचाइजी के पहले खिताब की संभावनाओं पर भी चर्चा की। राज ने लौरा वोल्वाड्ट, उनके नेतृत्व गुणों और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन के बारे में बात की।

मिताली राज ने जियोस्टार पर कहा कि लौरा वोल्वाड्ट वनडे फॉर्मेट में शानदार फॉर्म में हैं। पिछले कुछ सीज़न में गुजरात जायंट्स के लिए एक बल्लेबाज के रूप में उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम में उनका योगदान बहुत अधिक रहा है। वह अपनी टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उनके नेतृत्व गुणों और बल्लेबाजी को देखते हुए, टीम उन्हें प्लेइंग इलेवन में जरूर शामिल करना चाहेगी। 2026 सीज़न से पहले, दिल्ली कैपिटल्स ने जेमिमा को अपना नया कप्तान घोषित किया है, जो ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग की जगह लेंगी।

डब्ल्यूपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी संभालने के बारे में बात करते हुए, राज ने कहा कि उन्हें टीम का नेतृत्व करते देखना बहुत दिलचस्प होगा, और भारत के लिए खेलते हुए उन्होंने जो अनुभव हासिल किया है, वह उनके लिए स्वाभाविक रूप से काम आएगा। उन्होंने आगे कहा, 'जेमिमा रोड्रिग्स को दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करते देखना बहुत दिलचस्प होगा। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में मुंबई की कप्तानी की है, लेकिन किसी फ्रेंचाइजी की कप्तानी करना और विदेशी खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में खेलना थोड़ा अलग होता है। हालांकि, भारत के लिए खेलते हुए उन्होंने जो अनुभव हासिल किया है, उससे यह उनके लिए स्वाभाविक रूप से काम आएगा।' दिल्ली कैपिटल्स अब तक सभी डब्ल्यूपीएल सीजन के फाइनल में पहुंची है, लेकिन ट्रॉफी जीतने में नाकाम रही है। डब्ल्यूपीएल की शुरुआत 9 जनवरी से मुंबई इंडियंस (एमआई) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच होने वाले मैच से होगी। डीसी रविवार को एमआई के खिलाफ डब्ल्यूपीएल 2026 सीजन का पहला मैच खेलेगी।

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक है। जी हां, करीब 77 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में है। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 134करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव हो जाना, उंगलियों का कालापन होना।
शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

खून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्राकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्राकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर स्विच करना महत्तवपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाईड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ्य रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्तवपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोष्क तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतो और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।
मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया।
मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है।
शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है।
डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड, याक और ऊंट शामिल हैं।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और व वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यत: चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शयिम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेछ चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्स्ट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।
अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में -

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती है। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोंस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती है। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

डायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।

को-एक्टर्स से दोस्ती हो या न हो, अभिनय पर नहीं पड़ना चाहिए असर

इंडस्ट्री में कलाकारों को न सिर्फ अपने किरदार में ढलना पड़ता है, बल्कि निजी रिश्तों और भावनाओं से ऊपर उठकर काम करना भी सीखना होता है। एक अच्छा अभिनेता वही माना जाता है जो अपने सह-कलाकारों के साथ निजी समीकरण चाहे जैसे भी हों, कैमरे के सामने पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ किरदार निभा सके। इसी सोच को लेकर अभिनेत्री डायना पेंटी ने बात की।

अपनी नई स्ट्रीमिंग सीरीज डू यू वाना पार्टनर के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अभिनय, प्रोफेशनलिज्म और को-एक्टर्स के साथ काम करने के अनुभव पर विस्तार से बात की। आईएएनएस से बात करते हुए डायना पेंटी ने कहा, एक अच्छे अभिनेता के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह निजी रिश्तों को अपने काम पर हावी न होने दे। चाहे आप किसी सह-कलाकार के साथ अच्छे दोस्त हों या नहीं, स्क्रीन पर जो दिखता है, वह पूरी तरह से किरदार की मांग पर आधारित होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत संबंधों पर।

डायना ने कहा, डू यू वाना पार्टनर में मेरी सह-कलाकार तमन्ना भाटिया हैं, और उनके साथ काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा। हम दोनों के बीच सेट पर अच्छी बॉन्डिंग बनी, लेकिन मेरा मानना है कि एक अभिनेता की असली परीक्षा यही होती है कि वह निजी रिश्तों से अलग रहकर अपने किरदार को कितनी सच्चाई से निभा पाता है। अभिनय की गुणवत्ता इस बात से तय होती है कि कलाकार अपने निजी अनुभवों और भावनाओं को कितनी समझदारी से अलग रख पाता है। डायना ने कहा, इस शो के मामले में मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं, क्योंकि तमन्ना के साथ मेरी दोस्ती स्वाभाविक रूप से बन गई थी। सेट पर माहौल काफी सहज और सकारात्मक था, जिससे काम करना और भी आसान हो गया। जब आपका रिश्ता ऑफ-स्क्रीन मजबूत होता है, तो वही मजबूती ऑन-स्क्रीन भी नजर आने लगती है। इससे सीन में एक अलग तरह की सच्चाई और ऊर्जा आ जाती है, जो दर्शकों को भी महसूस होती है। तमन्ना भाटिया के साथ अपनी केमिस्ट्री पर बात करते हुए डायना ने कहा, हम दोनों को कभी भी एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाने में कोई परेशानी नहीं हुई। हमने कई सीन्स में साथ में काम किए और कई बार नए एक्सप्रेशन भी जोड़ पाए। जब कलाकार एक-दूसरे के साथ सहज होते हैं, तो इम्प्रोवाइज करने की आजादी भी मिलती है, जो कहानी को और बेहतर बना देती है। उन्होंने कहा, मैं और तमन्ना एक-दूसरे के साथ इतने कंफर्टेबल थे कि बिना झिझक अपनी राय रख सकते थे। हमारे बीच कोई औपचारिक भरा रिश्ता नहीं था, जहां हर बात सोच-समझकर कहनी पड़े। हम खुलकर एक-दूसरे से बात कर सकते थे, चाहे वह सीन से जुड़ी सलाह हो या किसी डायलॉग पर चर्चा। ऐसा माहौल हर प्रोजेक्ट में नहीं मिलता और जब मिलता है, तो कलाकारों के काम में उसका साफ असर दिखता है। डायना ने कहा, कलाकारों की अच्छी बॉन्डिंग काम को आसान बना देती है, लेकिन एक अभिनेता को हर हाल में प्रोफेशनल रहना चाहिए। निजी रिश्ते कभी भी किरदार से बड़े नहीं होने चाहिए। अभिनय एक ऐसी कला है जिसमें अनुशासन और आत्म-नियंत्रण बहुत जरूरी है।

एक्टर विनीत कुमार सिंह ने शुरू की नई फिल्म की शूटिंग

विनीत कुमार सिंह ने नए साल की शुरुआत नई ऊर्जा और नए प्लान के साथ की है। 2025 उनके लिए शानदार रहा, जिसमें एक के बाद एक हिट फिल्में आईं। इनमें उनकी बड़ी सफलता छावा भी शामिल है। अब 2026 की शुरुआत उनके लिए और भी धमाकेदार हो रही है। उन्होंने अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर सोशल मीडिया हैंडल पर पूजा मुहूर्त का वीडियो और तस्वीरें शेयर की हैं।

विनीत का पोस्ट

विनीत ने शूटिंग के पहले दिन की कुछ तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किए। इनमें टीम पूजा करती दिख रही है और विक्रम सेट पर काम करते नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में विनीत अपनी को-स्टार सैयामी खेर के साथ आरती करते दिखे। टीम के बाकी लोग पीछे खड़े नजर आ रहे हैं। एक और क्लिप में विनीत भावुक होकर विक्रम को गले लगाते नजर आए। बाकी फोटो में टीम काम में व्यस्त है।

विनीत का नोट

विनीत ने इन शानदार पर पूजा मुहूर्त की तस्वीरों और वीडियो शेयर किया और कैप्शन में लिखा, इस खूबसूरत कहानी को सबके सामने लाने के लिए उत्सुक हूं। तब तक इस प्रक्रिया को एंजॉय करें और कुछ जादू बनाएं।

फिल्म के बारे में

विक्रम फडनिस कई मराठी फिल्में बना चुके हैं, लेकिन यह उनकी बॉलीवुड में डायरेक्टर के तौर पर पहली फिल्म है। विनीत ने डिजाइनर से डायरेक्टर बने विक्रम फडनिस के साथ एक नई फिल्म शुरू की है। उन्होंने इस कहानी को बहुत खूबसूरत और अपने दिल के करीब बताया है। इस फिल्म में विनीत के साथ सैयामी खेर नजर आएंगी। इस अनटाइटल्ड फिल्म में विनीत और सैयामी के अलावा ताहिर राज भसीन और सुचित्रा पिल्लई भी हैं।

नेहा धूपिया ने अक्षय खन्ना के बारे में बात की

एक्ट्रेस नेहा धूपिया को सिंगल पापा और परफेक्ट फैमिली जैसे शोज में शानदार अभिनय करने के लिए हर तरफ से तारीफ मिल रही है। उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि इंडस्ट्री में ऐसा नहीं है कि अच्छा काम करने पर खूब मौके मिलते हैं। उन्होंने बताया कि तीन-चार साल तक उनके पास काम नहीं था और वह घर बैठी थीं, जिससे उनको एंग्जाइटी होने लगी थी। वह रोती भी थीं। नेहा धूपिया ने बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में बताया, जब मैं काम नहीं कर रही होती हूं तो मुझे बेचैनी होती है। इंडस्ट्री में 20 साल बिताने के बाद भी, जब काम नहीं होता तो मैं तकिए पर सिर रखकर रोती हूं। मैंने तीन दिन पहले भी ऐसा ही किया था। मैं इस बारे में कोई दुख भरी कहानी नहीं बनाना चाहती क्योंकि मुझे फिल्मों का काम बहुत पसंद है। मुझे लगता है कि यह मुझे कभी निराश नहीं करेगा। नेहा ने आगे बताया कि इंडस्ट्री में एक्ट्रर्स को हमेशा मोटी चमड़ी वाला बनने की सलाह दी जाती है, लेकिन प्रोजेक्ट खोना और लगातार आलोचना का सामना करना काफी मुश्किल हो सकता है। सबसे जरूरी बात तो ये है कि कि जब आप काम नहीं कर रहे होते हैं, तो आपके आस-पास वाला हर कोई काम कर रहा होता है। आप लाइफ को ऐसे जाते हुए देखते हैं। मुझमें और एक नए कलाकार में बस यही फर्क है कि मैं ऐसी चीजों से बाहर निकलना जानती हूं। मैं कई बार इस तरह की चीजों से गुजर चुकी हूं।

अक्षय खन्ना से होती हैं मोटिवेट

उन्होंने आगे कहा कि काम से हमेशा और काम मिलता है। अक्षय खन्ना के करियर से उन्हें अब मोटिवेशन मिलता है। उन्होंने कहा, काम से और काम मिलना जरूरी है। अगर मेरे हालिया दो शोज से कुछ नहीं मिलता तो कोई फायदा नहीं। क्या काम से अच्छा काम मिलता है? कभी-कभी तो समझ ही नहीं आता... फिर अक्षय खन्ना का करियर देखती हूं तो सोचती हूं कि हमें भी 6 साल घर बैठ जाना चाहिए। यही उम्मीद है कि काम से और काम मिलता रहेगा।

नेहा धूपिया कभी बेरोजगार नहीं रहीं

एक्ट्रेस ने बताया कि जब उनको तीन-चार साल तक एक्टिंग का कोई काम नहीं मिलता तो वह थक जाती हैं लेकिन भगवान की कृपा से कभी बेरोजगार नहीं रहीं। कभी ऐसा नहीं हुआ कि वह खाली हो क्योंकि वह बहुत कुछ करती हैं। उससे वह थक जाती हैं लेकिन अंत में संतोष होता है कि कुछ किया है।

...अब बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं कल्याणी प्रियदर्शन

रणवीर सिंह के साथ आएंगी नजर

अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन ने साल 2025 में सुपरहिट मलयालम फिल्म 'लोका चैप्टर 1- चंद्रा' में अपने अभिनय से काफी सुर्खियां बटोरीं। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों दोनों ने ही पसंद किया था। 'लोका' की सफलता के बाद अब ऐसा लगता है कि कल्याणी बॉलीवुड में भी अपना डेब्यू करने जा रही हैं। इसके लिए वो काफी उत्साहित हैं। ऐसी चर्चाएं उठ रही हैं कि कल्याणी प्रियदर्शन जल्द ही बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर सकती हैं। चर्चाएं ये भी हैं कि कल्याणी रणवीर सिंह की आगामी फिल्म 'प्रलय' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं। हालांकि, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन ये चर्चाएं तेज हुईं कल्याणी की एक इंस्टाग्राम स्टोरी के चलते। दरअसल, हाल ही में कल्याणी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की और प्रलय के निर्देशक जय मेहता को टैग किया। ये तस्वीर जोस सारामागो द्वारा लिखित उपन्यास ब्लाइंडनेस की थी। इसे कल्याणी आजकल पढ़ रही हैं। कल्याणी ने इस गिफ्ट के लिए जय को धन्यवाद दिया। अपनी स्टोरी में जय को टैग करने के बाद से ही कल्याणी के बॉलीवुड डेब्यू की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

इन अटकलों के बीच मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने एक पोस्ट में खुलासा किया कि वह प्रलय पर काम कर रहे हैं। उनके ट्वीट से कल्याणी के बॉलीवुड डेब्यू की अफवाहों की ओर इशारा मिला। उन्होंने ट्वीट किया, 'प्रलय शुरू करने का बेसब्री से इंतजार है। बहुत उत्साहित हूं।'

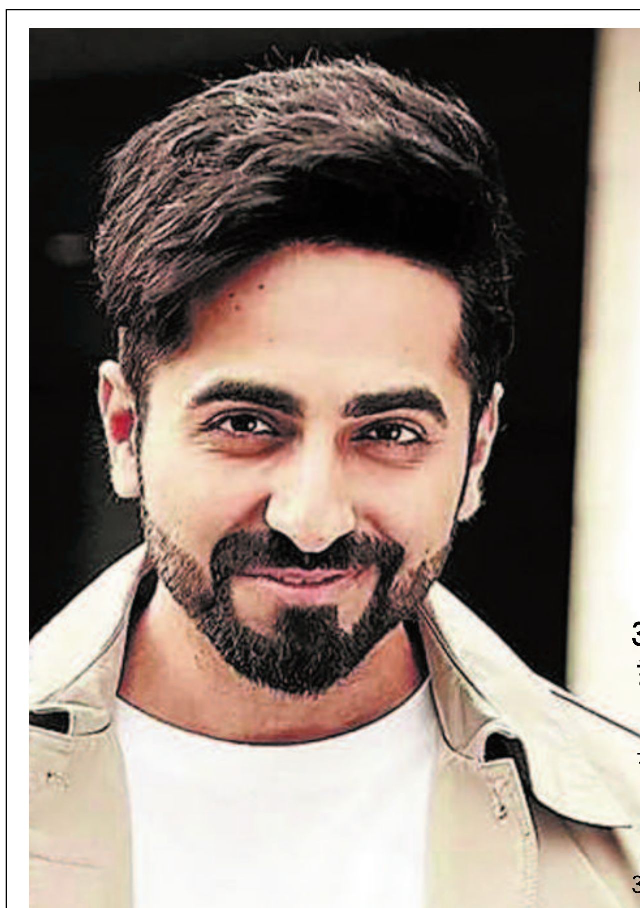

फ्लॉप फिल्मों से ज्यादा इस बात से लगता है डर

आयुष्मान खुराना बॉलीवुड के उन कलाकारों में शामिल हैं, जो हर तरह के किरदार में खुद को सहजता से ढाल लेते हैं। हाल ही में आयुष्मान खुराना ने लंबी बातचीत की। इस बातचीत में सिनेमा और अपने करियर को लेकर कई बातें साझा की हैं।

आप अलग-अलग तरह की फिल्में करते हैं, आपको किस तरह का सिनेमा ज्यादा पसंद है?

मेरे लिए कमर्शियल और एक्सपेरिमेंटल सिनेमा के बीच की रेखा कभी दीवार नहीं रही। मैं यह मानता हूं कि दोनों तरह की फिल्में साथ चल सकती हैं। बस कहानी ईमानदार होनी चाहिए और उसमें नयापन होना चाहिए। अपने करियर के इस पड़ाव पर मुझे फ्लॉप फिल्मों से ज्यादा डर सुरक्षित और उबाऊ सिनेमा से लगता है। मैंने हमेशा कोशिश की है कि हर काम में कुछ नया और लगातार एक्सपेरिमेंट करता रहूं। आगे मैं बड़े बजट की फिल्में जरूर करूंगा लेकिन मेरी मूल पहचान वही है, जिससे मैंने शुरुआत की थी। कुछ अलग, कुछ हटकर फिल्में करना ही मेरा मकसद है। मैं हमेशा अपनी ऑडियंस को चौंकाना चाहता हूं।

फिल्मों की सफलता का पैमाना आपके लिए क्या है?

'थामा' की हाई ओपनिंग और 'ड्रीम गर्ल 2' का 100 करोड़ क्लब में शामिल होना, मैं इन दोनों बातों को सिर्फ बॉक्स ऑफिस नंबर्स की तरह नहीं देखता। कोविड के बाद थिएटर का पूरा सिस्टम बदल चुका है।

ऐसे समय में इन फिल्मों का चलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। आज ऑडियंस को सबसे ज्यादा खींचने वाली चीज जिज्ञासा है। हमने यह भी देखा है कि बिना बड़े सुपरस्टार वाली फिल्में भी चली हैं। अच्छी कहानी अपने आप ही ऑडियंस खींचती है।

आप कई फ्रैंचाइजी फिल्मों का हिस्सा रहे हैं? इन फिल्मों के चयन की वजह क्या रही है?

मैंने कोई रणनीति बनाकर फ्रैंचाइजी फिल्मों पर काम नहीं किया। चाहे 'बधाई हो' हो या 'ड्रीम गर्ल' या फिर 'शुभ मंगल..', ये किसी मास्टर प्लान का हिस्सा नहीं थीं। मेरे लिए हमेशा स्क्रिप्ट ही सबसे अहम रही है। स्क्रिप्ट पसंद आने के बाद ही मैं इन फिल्मों से जुड़ा हूं।'

आप ऑडियंस को क्या नया दिखाना चाहते हैं?

कोविड के बाद लगातार 100 करोड़ क्लब में पहुंचने वाली फिल्मों को मैं सिर्फ नंबर की तरह नहीं देखता। बॉक्स ऑफिस की सफलता जरूरी है, क्योंकि यह ऑडियंस के भरोसे को दिखाती है। मेरी कोशिश यही रहती है कि हर बार ऑडियंस को कुछ ऐसा दूं, जो उन्होंने पहले न देखा हो।

अपने करियर के मौजूदा दौर और आने वाले काम को लेकर क्या आप संतुष्ट हैं?

साल 2026 में मैं कई तरह के किरदारों में नजर आऊंगा। मेरी हर फिल्म की तैयारी अलग रही है। कहीं ज्यादा शारीरिक तैयारी करनी पड़ी, तो कहीं भावनात्मक गहराई में जाना पड़ा। लेकिन अच्छी टीम के साथ काम करने से सब कुछ आसान लगा। अपनी पिछली फिल्मों की सफलता के बाद मैं इस दौर को संतोषजनक मानता हूं।

भारतीय सिनेमा को लेकर आपका क्या नजरिया है?

आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो लगता है कि हम एक बहुत दिलचस्प दौर में हैं। पिछले कुछ वर्षों में हमने कई बेहतरीन फिल्में देखी हैं। चाहे 'लापता लेडीज' हो, 'होमबाउंड' हो या दूसरी फिल्में। इन फिल्मों ने नए कलाकारों को आगे आने का मौका दिया है। आज इंडस्ट्री में कई नए चेहरे जुड़ रहे हैं। मुझे उत्सुकता है कि आने वाले समय में वे क्या-क्या काम करेंगे? यह देखकर भी अच्छा लगता है कि भारतीय सिनेमा अब सिर्फ देश तक सीमित नहीं रहा है। हमारा कंटेंट इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म तक पहुंच रहा है। बड़े फिल्म फेस्टिवल्स में जगह बना रहा है। वहां उसे सराहा भी जा रहा है। यह भारतीय सिनेमा का सुनहरा दौर है।'

उप्र चुनाव में मतदाता सूची से 2.89 करोड़ नाम हटे, भाजपा ने शुरू किया डैमेज कंट्रोल अभियान

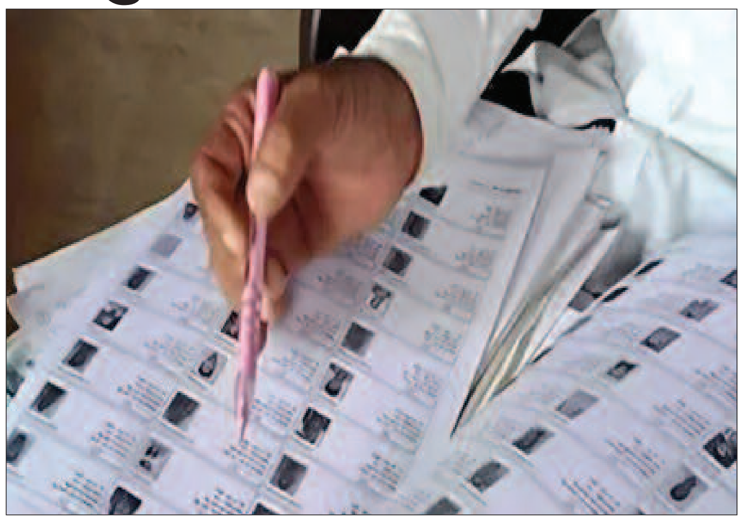

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी ताजा ड्राफ्ट के अनुसार, प्रदेश की मतदाता सूची से करीब 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। यह संख्या राज्य के कुल मतदाताओं का लगभग 18.70 प्रतिशत है, जिसने राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है। इस भारी कटौती के बाद अब उत्तर प्रदेश की ड्राफ्ट सूची में मतदाताओं की कुल संख्या घटकर 12.55 करोड़ रह गई है।

निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि नाम हटाए जाने के पीछे मुख्य रूप से मतदाताओं की मृत्यु, उनके निवास स्थान में बदलाव (पलायन), लंबे समय से अनुपस्थिति या एक से अधिक स्थानों पर नाम दर्ज होना जैसे तकनीकी और वास्तविक कारण शामिल हैं। हालांकि, इतनी बड़ी संख्या में वोट कटने से सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी की चिंताएं बढ़ गई हैं। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने इस स्थिति से निपटने और चुनावी गणित को दुरुस्त करने के लिए तत्काल डैमेज कंट्रोल की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। इस मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मंत्रियों, सांसदों और विधायकों के साथ एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक की। पार्टी ने अपने संगठन को स्पष्ट निर्देश दिया है कि प्रत्येक कार्यकर्ता और नेता अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय हों और हर पोलिंग बूथ पर कम से कम 200 नए मतदाताओं के नाम जुड़वाना सुनिश्चित करें। प्रदेश में कुल 1.77 लाख पोलिंग बूथ हैं और इस लक्ष्य के जरिए पार्टी लगभग 3.5 करोड़ नए और वास्तविक मतदाताओं को सूची में शामिल करने की योजना बना रही है।

भाजपा की इस रणनीति में प्रवासियों और युवाओं पर विशेष फोकस रखा गया है। पार्टी उन लोगों को वापस मतदाता सूची में जोड़ने का प्रयास करेगी जो उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हैं लेकिन काम के सिलसिले में दिल्ली जैसे अन्य राज्यों में रह रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा गया है कि वे ऐसे लोगों से अनुरोध करें कि चूंकि अन्य राज्यों में तत्काल कोई बड़े चुनाव नहीं हैं, इसलिए वे 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए उत्तर प्रदेश में अपना पंजीकरण कराएं। साथ ही, उन वोटर्स पर भी ध्यान दिया जा रहा है जिन्होंने सुरक्षा या अन्य आशंकाओं के चलते शहरों के बजाय गांवों में वोट रखा था, लेकिन लंबी दूरी के कारण वे मतदान करने नहीं जा पाते। निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार, मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने से जुड़ी आपत्तियों और दावों का निपटारा 6 जनवरी से 6 फरवरी तक किया जाएगा। इसके बाद 6 मार्च को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। इस बीच, भाजपा ने अपने कार्यकर्ताओं को विकसित भारत अभियान के जरिए जमीनी स्तर पर पकड़ मजबूत करने और सरकारी योजनाओं के लाभों के प्रति जागरूकता फैलाने का भी निर्देश दिया है।

रेड वाली जगह पर पहुंची ममता... मैं बीजेपी पार्टी ऑफिस पर रेड करूं तब क्या होगा?

पश्चिम बंगाल (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय देश भर में 15 जगहों पर तलाशी अभियान चला रहा है। यह तलाशी एक संगठित गिरोह के खिलाफ फर्जी सरकारी नौकरी घोटाले से जुड़े मामले में की जा रही है, जो लोगों को फर्जी नौकरियां देकर ठगी कर रहा था। इसी कड़ी में कोलकाता में इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी के ऑफिस में ईडी की रेड चल रही थी। तभी वहां पहुंची पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, ...क्या ईडी, अमित शाह का काम पार्टी की हार्ड डिस्क, कैंडिडेट लिस्ट इकट्ठा करना है?... यह गृह मंत्री जो देश की रक्षा नहीं कर सकता और मेरे पार्टी के सारे कागजात ले जा रहा है। अगर मैं बीजेपी पार्टी ऑफिस पर रेड करूं तब क्या होगा? एक तरफ, वे पश्चिम बंगाल में एसआईआर करवाकर सभी वोटर्स के नाम हटा रहे हैं... चुनावों की वजह से, वे मेरी पार्टी के बारे में सारी जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं। दरअसल गुरुवार सुबह ईडी की टीम साल्टलेक के सेक्टर-5 में आईपीएसी के ऑफिस में सर्च कर रही थी। इसी बीच, सेंट्रल एजेंसी की एक और टीम आईपीएसी के हेड प्रतीक जैन के घर पहुंची। प्रतीक जैन 7 लाउडन स्ट्रीट में रहते हैं। सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने यह सर्च ऑपरेशन इसलिए शुरू किया ताकि पता लगा सके कि आई-पैक का दिल्ली में हुए वित्तीय फर्जीवाड़े से कोई कनेक्शन है या नहीं। ईडी सूत्रों के मुताबिक, यह छापा दिल्ली में कोयला तस्करी मामले में दर्ज एक पुराने केस से जुड़ा है।

पंजाब में डिस्ट्रिक्ट कोर्ट परिसरों को बम से उड़ने की धमकी, मच गया हड़कंप

मोगा (एजेंसी)। पंजाब में डिस्ट्रिक्ट कोर्ट परिसरों फिरोजपुर और मोगा को आरडीएक्स से उड़ने की धमकी मिली है। इसके बाद कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया है और कोर्ट परिसर के गेट बंद कराए गए हैं। जानकारी के अनुसार किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मेल भेज कर धमकी दी गई है कि मोगा और फिरोजपुर कोर्ट परिसर को आरडीएक्स के साथ उड़ा दिया जाएगा। जिला बार एसोसिएशन फिरोजपुर के प्रधान वकील लवजीतपाल सिंह टूरना ने संपर्क करने पर बताया कि उन्हें माननीय जज साहिब द्वारा यह संदेश दिया गया है कि फिरोजपुर कोर्ट परिसर को आरडीएक्स के साथ उड़ने की धमकी मिली है। यह देखकर एहतियात के तौर पर कोई भी वकील ,क्लर्क या क्लाइंट कोर्ट परिसर में ना दाखिल ना हो। उन्होंने बताया कि जुडिशल अधिकारी के आदेश को मानते हुए जिला बार एसोसिएशन फिरोजपुर के वकील, क्लर्क और क्लाइंट वापस आ गए हैं। जानकारी के अनुसार फिरोजपुर कोर्ट परिसर में पुलिस द्वारा डॉग स्क्वाड और बंब निरोधक टीमों को साथ लेकर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

राजौरी जिले में सुरक्षा बलों ने 4 किलो का आईईडी बरामद कर निष्क्रिय किया

राजौरी (एजेंसी)। राजौरी जिले में सुरक्षा बलों ने महत्वपूर्ण आतंकवादी साजिश को नाकाम कर 4 किलो का संदिग्ध इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद कर निष्क्रिय किया। यह सफलता सेना और पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन के दौरान मिली, जो विश्वसनीय टिप-ऑफ के आधार पर डोरी माल के कल्लर क्षेत्र के घने जंगल में शुरू किया। सुरक्षा बलों ने तुरंत इलाके को घेराबंदी कर गहन तलाशी अभियान शुरू किया। जंगल वाले इलाके में उन्नत पहचान तकनीकों का उपयोग करते हुए सैनिकों और पुलिस ने दबे हुए संदिग्ध सामान का पता लगा लिया। जांच में यह पुष्टि हुई कि यह करीब 4 किलो का परिष्कृत आईडीडी था, जो कि अगर विस्फोट किया जाता, तब गंभीर नुकसान हो सकता था। पास में खाली खोल भी मिले, जिन्हें फोरेंसिक जांच के लिए सुरक्षित किया। आईईडी को नियंत्रित विस्फोट (कंट्रोल्ड ब्लास्ट) के माध्यम से निष्क्रिय किया, जिससे आसपास के नागरिक सुरक्षित रहे। ऑपरेशन के बाद साइट को साफ किया, लेकिन अतिरिक्त संदिग्धों या डिवाइस की जांच जारी है। सुरक्षा बल क्षेत्र में गश्त तेज कर सुरक्षा बनाए रखने में जुटे हैं। इस बीच, जम्मू और कश्मीर के कठुआ जिले में भी सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसके बाद संयुक्त बलों ने तलाशी अभियान और बढ़ा दिया। यह कार्रवाई दोनों जिलों में आतंकवादी गतिविधियों को रोकने और नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में अहम साबित हुई।

त्रिपुरा में सुरक्षा बलों ने छह लाख गांजे के पौधे नष्ट किए... अनुमानित कीमत 145 करोड़

त्रिपुरा (एजेंसी)। त्रिपुरा के सेपाहिजाला जिले में सुरक्षा बलों ने छह लाख गांजे के पौधे नष्ट किए, जिससे 10 दिनों में कुल करीब 30 लाख पौधे नष्ट हो गए। इन पौधों की अनुमानित कीमत 145 करोड़ आंकी गई है। पुलिस के अनुसार, दिन भर चले संयुक्त ऑपरेशन में केंद्रीय और राज्य सुरक्षा बलों ने करीब 200 एकड़ क्षेत्र में 65 प्लॉटों पर उगाए गए पौधों को नष्ट किया। नष्ट किए गए पौधों की कीमत लगभग 36 करोड़ रुपये है। ऑपरेशन में त्रिपुरा पुलिस, त्रिपुरा स्टेट राइफल्स, असम राइफल्स, बीएसएफ, वन विभाग और जिला प्रशासन ने मिलकर काम किया। यह अभियान सोनमुरा, मेलागढ़ और कलामचौरा के तहत आने वाले गांवों में हुआ, जो बांग्लादेश सीमा के पास हैं। असम राइफल्स ने कहा कि यह ऑपरेशन अवैध गतिविधियों को रोकने और क्षेत्र में सुरक्षा बनाए रखने में सहयोगी एजेंसियों के संभावित प्रयासों को दिखाता है। इससे पहले, सुरक्षा बलों ने 414 एकड़ पहाड़ी जमीन पर फैले 23 लाख से अधिक गांजे के पौधे नष्ट किए थे, जिनकी कीमत करीब 108 करोड़ रुपये थी। इसतरह अन्य जिलों जैसे उनाकोटी, दक्षिण त्रिपुरा और खोवाई में भी कई लाख पौधे नष्ट किए गए। वहीं सुरक्षाबलों ने अवैध खेती में शामिल कई लोगों को एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि कई बार जंगल और सरकारी जमीन पर कब्जा करके गांजे की खेती की जा रही थी। इस कानून के तहत किसी भी व्यक्ति के लिए नशीले पदार्थ की खेती, रखरखाव, बिक्री या सेवन गैर-कानूनी है, और उल्लंघन करने पर 20 साल तक जेल और भारी जुर्माना हो सकता है। इसी दौरान पश्चिम बंगाल के ट्रक से 12,600 बोतल एस्कुफ कफ सिरप, 16,000 रुपए और दो मोबाइल जब्त किए गए, जिसमें दो लोग गिरफ्तार हुए।

कठुआ के कहोग गांव में सुरक्षा बल और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़

कठुआ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ के बिलावर क्षेत्र के कहोग गांव में सुरक्षा बल और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ जारी है। अधिकारियों के अनुसार, जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े तीन आतंकवादी गांव में छिपे हुए हैं और उन्हें पकड़ने के लिए सुरक्षा बल तलाशी अभियान जारी हैं। मुठभेड़ बुधवार शाम शुरू हुई, जब दो से तीन आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली। जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) और अन्य सुरक्षा बलों ने मिलकर कार्रवाई की। मुठभेड़ में एक सुरक्षाकर्मी को पैर में गोली लगी और उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। अधिकारी बताते हैं कि घने जंगल और दुर्गम इलाके में रात भर घेराबंदी के बाद तलाश अभियान फिर से शुरू किया। धनु परोल-कमाध नाला क्षेत्र में हवाई निगरानी के साथ अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। जम्मू जोन के आईजीपी भीम सेन तूती ने बताया कि अंधेरा और कठिन भूभाग होने के बावजूद एसओजी आतंकवादियों से लगातार मुकाबला कर रही है। सीआरपीएफ की टीम भी संयुक्त अभियान में शामिल है। मुठभेड़ करीब एक घंटे चली, इसके बाद गोलीबारी रुक गई। फिलहाल यह जानकारी नहीं है कि कोई आतंकवादी हताहत हुआ या नहीं। अधिकारियों ने बताया कि पिछले एक महीने से सेना, बीएसएफ, पुलिस और सीआरपीएफ सीमा क्षेत्रों में लगातार तलाशी अभियान चला रहे हैं। वे सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वालों की पहचान कर रहे हैं और सांबा एवं कठुआ जिलों में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास गश्त तेज कर रहे हैं। गणतंत्र दिवस से पहले बीएसएफ, सीमा पुलिस और ग्राम रक्षा गार्ड समेत सभी सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है। इस कार्रवाई का मकसद न केवल आतंकवादियों को पकड़ना बल्कि सीमा सुरक्षा मजबूत करना और स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। कठुआ जिले के दुर्गम इलाके में सक्रिय आतंकवादी समूहों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लगातार चल रही है।

अभिनेता धर्मेंद्र के निधन के बाद सांसद के रुप में काम पर लौटी हेमा... संसद खेल महोत्सव में पहुंची

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता धर्मेंद्र के निधन के बाद हेमा मालिनी ने पहली बार अपने काम पर वापसी की और उनके चेहरे पर खुशी दिखाई दी। मुंबई में एक समय कठिन और दुखभरा रहा, लेकिन अब वे अपने कर्तव्य और काम पर फोकस कर रही हैं। हेमा ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें वे मथुरा में आयोजित संसद खेल महोत्सव में खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाती दिख रही हैं। वीडियो में उनके चेहरे पर लंबे समय बाद मुस्कान देखी गई। मथुरा से सांसद हेमा ने लिखा कि मैराथन संसद खेल महोत्सव में राज्य के कोने-कोने से प्रतिभागी विभिन्न खेलों में भाग ले रहे हैं। विशेष रूप से शूटिंग, कुश्ती और अन्य बहु-विधाओं में कई लड़कियों ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की पहल से प्रतिभा को महत्व दिया जा रहा है और अब सभी प्रतिभागियों को अपने कौशल दिखाने का समान मौका मिल रहा है। मथुरा इसका उदाहरण है कि अब सभी को समान अवसर मिल रहे हैं। इस पोस्ट पर यूजर्स ने भी हेमा को मुस्कुराते देखकर अपनी खुशी जाहिर की है। एक यूजर ने उन्हें ÷चट्टान की तरह मजबूत और पवित्र आत्मा वाली÷ बताया, जबकि दूसरे ने लिखा कि ÷अपने गम को भुलाकर कर्म ही सच्ची सेवा है।÷ साथ ही, हाल ही में हेमा ने धर्मेंद्र की दो अलग-अलग प्रार्थना सभाओं को लेकर उठे सवालों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह दोनों परिवारों का निजी मामला है। एक प्रार्थना सभा उन्होंने आयोजित की थी, जबकि दूसरी सनी देओल के घर रखी गई थी। हेमा मालिनी अब दुख को पीछे छोड़कर अपने कर्म और जनसेवा में लौट आई हैं, और उनकी मुस्कान दर्शकों और फैंस के लिए प्रेरणा बन गई है।

इम्तियाज जलील पर हमले से भड़के औवेसी... चुनाव में जनता वोट से जबाव देगी

छत्रपति संभाजी नगर (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष और सांसद इम्तियाज जलील पर हुए हमले की कड़ी आलोचना की है। सांसद ओवैसी ने कायरतापूर्ण हमला बताकर कहा कि औरंगाबाद की जनता लोकतांत्रिक तरीके से वोट के माध्यम से इसका जवाब देगी। ओवैसी ने कहा कि यह हमला उन लोगों की हताशा को दिखाता है, जिन्हें अपनी हार साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि इस वार्ड और पूरे औरंगाबाद के लोग एमआईएमआईएम के चुनाव चिह्न 'पतंग' पर वोट देकर साजिश करने वालों को जवाब देने वाले है। साथ ही उन्होंने जिला प्रशासन से घटना के पीछे शामिल लोगों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की मांग की। इसके एक दिन पहले ओवैसी ने छत्रपति संभाजीनगर में आज़ाद चौक से बुद्धि लेन तक रोड शो किया और स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में जनसंपर्क किया। इस दौरान बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे।

औवेसी की पार्टी के सांसद जलील ने बताया कि रैली के लिए प्रशासन से अनुमति ली गई थी और मौके पर पुलिस भी मौजूद थी, इसके बावजूद 20 से 25 हथियारबंद लोगों ने रैली पर हमला किया। हमलावरों ने पार्टी कार्यकर्ताओं और वाहनों को निशाना बनाया, जिसमें कुछ लोग घायल हो गए। जलील ने कहा कि इस तरह की गुंडागर्दी से एआईएमआईएम की रैलियों को रोका नहीं जा सकता और पार्टी ने रैली शांतिपूर्ण तरीके से पूरी की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह हिंसा चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने की साजिश है। जलील ने चेतावनी दी कि यदि एफआईआर दर्ज कर उचित कार्रवाई की जाती है, तब पार्टी संयम बनाए रखेगी, लेकिन कार्रवाई न होने की स्थिति में आगे की रणनीति पर विचार होगा। उन्होंने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और भाजपा से जुड़े नेताओं पर एआईएमआईएम के बढ़ते जनाधार से घबराने का आरोप भी लगाया।

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग ने राज्य के 29 नगर निगमों के चुनाव की घोषणा की है। इसमें बीएमसी, पुणे और पिंपरी-चिंचवड नगर निगम शामिल हैं। मतदान 15 जनवरी को होगा, जबकि मतगणना 16 जनवरी को की जाएगी।

कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी की हालत स्थिर, एंटीबायोटिक्स और अन्य सहायक दवाएं दी जा रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार रात सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती हुई कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी की हालत स्थिर बनी हुई है। सर गंगाराम अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. अजय स्वरूप ने इसकी जानकारी दी। अध्यक्ष ने बताया कि सोनिया गांधी का इलाज जारी है और वे स्वस्थ हो रही हैं। सांस लेने में तकलीफ होने के बाद सोमवार को कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी को सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती किया गया। अस्पताल के अध्यक्ष स्वरूप ने बताया कि विस्तृत चिकित्सा जांच के बाद पता चला कि दिल्ली में ठंड और प्रदूषण के मिले-जुले प्रभाव से सोनिया गांधी के ब्रोंकियल अस्थमा की समस्या थोड़ी बढ़ी थी। एहतियात के तौर पर डॉक्टरों ने उन्हें निगरानी और आगे के इलाज के लिए भर्ती करने का फैसला किया। स्वरूप ने कहा कि उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही थी और चिकित्सकीय जांच में सामने आया कि ठंड और प्रदूषण के मिले-जुले प्रभाव से उनका ब्रोंकियल अस्थमा थोड़ा बढ़ गया था। एहतियात के तौर पर उन्हें आगे की निगरानी और इलाज के लिए भर्ती किया गया। फिलहाल उनकी हालत बिल्कुल स्थिर है। उनके इलाज के बारे में और जानकारी देकर अस्पताल के अध्यक्ष ने बताया कि सोनिया गांधी इलाज पर अच्छी प्रतिक्रिया दे रही हैं और उन्हें एंटीबायोटिक्स और अन्य सहायक दवाएं दी जा रही हैं। स्वरूप ने कहा कि उनकी हालत में सुधार के आधार पर इलाज करने वाले डॉक्टर उन्हें अस्पताल से छुट्टी देने का फैसला कर सकते है। स्वरूप ने कहा कि फिलहाल उनकी हालत बिल्कुल स्थिर है।

एक भी वोट विभाजित न हो, एक भी वोट कम न हो... का नारा देकर बीजेपी पर बरसे अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तप्रदेश की राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भाजपा की योगी सरकार पर तीखा हमला कर कहा कि यदि संविधान और आरक्षण को बचाना है, तब पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज को एकजुट होना होगा। उन्होंने मतदाताओं और ÷पीडीए संरक्षकों÷ से अपील की कि आगामी चुनावों में पीडीए समुदाय के वोट किसी भी हालत में विभाजित न हों। उनका स्पष्ट संदेश था कि एक भी वोट विभाजित न हो, एक भी वोट कम न हो।÷

सपा नेता अखिलेश यादव ने आशंका जाहिर की कि भाजपा सरकार मतदाता सूचियों में गड़बड़ी कर सकती है और छूटे हुए नामों का दुरुपयोग कर नागरिकों को योजनाओं, नौकरियों, राशन कार्ड, जमीन और अन्य अधिकारों से वंचित कर सकती है। उन्होंने मतदाताओं से अपने वोटर आईडी को नागरिक पहचान का अहम दस्तावेज मानने और मतदान प्रक्रिया में पूरी सतर्कता बरतने की अपील की।

उन्होंने कहा कि वोटों की सुरक्षा केवल सरकार बदलने के लिए नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकारों, आरक्षण, रोजगार और संपत्ति की रक्षा के लिए जरुरी है। ÷अपना वोट दर्ज करें, अपना भविष्य बचाएं÷ के नारे के साथ उन्होंने पीडीए समाज से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। सोशल मीडिया पर अपने संदेश में उन्होंने कहा कि पीडीए समाज के लाखों वोट अब भी अलग-अलग हो रहे हैं, जिसे रोकने के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर कड़ी निगरानी जरूरी है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा और उसके सहयोगियों का असली उद्देश्य चुनाव जीतकर सत्ता में आना और फिर भ्रष्टाचार में लिप्त होना है। उन्होंने कहा कि यदि पीडीए समाज के हाथों से निर्णायक मतदान अधिकार छिन गया, तब उत्पीड़न और बढ़ेगा तथा दबंग ताकतें मनमाने ढंग से सरकार बनाकर संविधान को कमजोर करेंगी। उनका कहना था कि वोट बचाना ही संविधान, आरक्षण और रोजगार के अधिकारों को बचाने का एकमात्र रास्ता है। इसके पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश की विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत मसौदा मतदाता सूची से 2.89 करोड़ नाम हटाने पर गंभीर चिंता जाहिर की थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने इस ÷बड़ी साजिश बताकर निष्पक्ष जांच की मांग की।

मौसम का मिजाजः उत्तर भारत में कंपाने वाली ठंड और दक्षिण-पूर्वोत्तर में भारी बारिश का अलर्ट

चेन्नई (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। दक्षिण भारत में मानसून की विदाई के बावजूद बारिश का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है। केरल में आने वाले 72 घंटों के दौरान कई जिलों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी जारी की गई है। समुद्र में ऊंची लहरें उठने और हवाओं की रफ्तार बढ़ने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने मछुआरों को गहरे समुद्र में न जाने की सख्त सलाह दी है। तमिलनाडु में भी मौसम का मिजाज बदला हुआ है। चेन्नई समेत कई तटीय इलाकों में घने बादल छाए रहेंगे और झमाझम बारिश होने के आसार हैं। इसके अलावा पुडुचेरी और कराईकल जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में भी मध्यम से भारी बारिश की संभावना है, जिससे निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो सकती है।देश के मौसम में एक बार फिर बड़ा बदलाव होने के कारण एक तरफ जहां उत्तर भारत के मैदानी इलाके भीषण शीतलहर और कड़ाके की ठंड की चपेट में हैं, वहीं दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, विभिन्न मौसम प्रणालियों के सक्रिय होने के कारण देश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश, तेज हवाओं और पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी का दौर शुरू होने वाला है।

पहाड़ी राज्यों में भी मौसम का असर काफी गहरा रहने वाला है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी की आशंका है, जबकि निचले क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस बर्फबारी और बारिश के कारण पहाड़ों से सटे मैदानी इलाकों में तापमान और नीचे गिरेगा, जिससे ठंड का प्रकोप और अधिक बढ़ जाएगा। सड़कों पर फिसलन और भूस्खलन के खतरे को देखते हुए यात्रियों को अतिरिक्त सावधानी बरतने को कहा गया है। दक्षिण के अन्य हिस्सों जैसे तटीय आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भी अगले तीन दिनों तक 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं और जोरदार बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। पूर्वोत्तर भारत के अरुणाचल प्रदेश में बारिश के साथ बिजली गिरने की आशंका जताई गई है, वहीं अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में भी भारी बारिश को लेकर चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।

भारत-अमेरिकी संबंधों पर बोले थरूर- राष्ट्रहित में विकल्प खुले रखना बेहद जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दी गई हालिया टिप्पणियों पर देश में राजनीतिक बहस छिड़ गई है। इस संवेदनशील कूटनीतिक मुद्दे पर कांग्रेस सांसद और पूर्व राजनयिक शशि थरूर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए संतुलित विदेश नीति की वकालत की है। थरूर का कहना है कि किसी भी देश के लिए उसके राष्ट्रहित सर्वोपरि होते हैं और कूटनीति का असली उद्देश्य शत्रुओं की संख्या को कम करना और मित्रों का दायरा बढ़ाना होना चाहिए।

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे मिलने के लिए समय मांगा था। साथ ही, ट्रंप ने यह भी कहा कि रूसी तेल की खरीद पर अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्कों के कारण पीएम मोदी उनसे ज्यादा खुश नहीं हैं। ट्रंप के इन दावों के बीच, शशि थरूर ने कहा कि राष्ट्रहित का अर्थ केवल कड़े रुख अपनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि हम अपने लिए बड़ी मुसीबतें या दुश्मन न बनाएं। थरूर ने भारत की बहुपक्षीय विदेश नीति पर जोर देते हुए कहा कि हमारे पास जितने अधिक विकल्प होंगे, हम किसी एक देश के मनमाने व्यवहार या उतार-चढ़ाव से उतने ही अधिक सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत वर्तमान में रूस और अमेरिका, दोनों के साथ मधुर संबंध साझा करता है, जबकि चीन के साथ भी कामकाजी रिश्ते बनाए हुए है। इसके साथ ही जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ भारत का बढ़ता तालमेल हमारी नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनके अनुसार, कूटनीति में सुरक्षित रहने का सबसे बेहतर तरीका है कि सभी के साथ संपर्क के रास्ते खुले रखे जाएं।

दूसरी ओर, डोनाल्ड ट्रंप का रवैया काफी आक्रामक रहा है। हाउस जीओपी सदस्य रिट्रीट में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने न केवल पीएम मोदी की मुलाकात के अनुरोध का जिक्र किया, बल्कि पूर्व में भारत पर आयात शुल्क (टैरिफ) बढ़ाने की चेतावनी भी दी थी। ट्रंप ने अपने संबोधन में यह संकेत देने की कोशिश की कि भारतीय नेतृत्व उनके साथ संबंधों को प्राथमिकता देता है। हालांकि, कूटनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप के ऐसे बयान अक्सर उनके घरेलू राजनीतिक एजेंडे और अमेरिका फर्स्ट की नीति से प्रेरित होते हैं। फिलहाल, भारतीय राजनीतिक हलकों में इस बात पर चर्चा तेज है कि अमेरिका के इस दबावपूर्ण रवैये के बीच भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को कैसे बरकरार रखता है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)